शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पाकिस्तान को आने वाले दिनों में भारत की ओर मुड़कर नहीं देखना चाहिए... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 08 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-126

भारतीय सेना ने ध्वस्त किए पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकाने

कायराना करतूत का बहादुराना जवाब

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय सेना ने भारतीय महिलाओं के सिंदूर पर पाकिस्तान पोषित आतंकियों द्वारा किए गए आघात का सटीक बदला लिया है। पहलगाम में 15 दिन पहले की गई पाकिस्तान की कायराना करतूत का भारतीय सेना ने बहादुराना जवाब दिया है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के सौ किलोमीटर अंदर तक 21 जगहों पर मिसाइल दाग कर आतंकवादियों के नौ ठिकानों को तहस-नहस कर दिया। भारतीय सेना की तरफ से की गई कार्रवाई पाकिस्तान और पीओके में सक्रिय आतंकवादी ठिकानों पर लक्षित थी। भारत सरकार ने इस कार्रवाई के बारे में विश्व के शीर्ष नेताओं को आधिकारिक तौर पर विस्तृत जानकारी दे दी है। भारतीय सेना की सटीक कार्रवाई पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना को बधाई दी और कहा, हमारे सुरक्षाबल 140 करोड़ भारतीयों का सपना सुरक्षित रखते हैं और अपना लक्ष्य साधते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हमारी सेना ने उन्हीं को मारा, जिन्होंने हमारे मासूमों को मारा। पाकिस्तान पर मिसाइल स्ट्राइक से पहले भारतीय सेना ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमले को तैयार, जीतने को बेकरार। साथ ही लिखा- प्रहाराय सन्निहिता:, जयाय प्रशिक्षिता:। थोड़ी देर बाद ही पाकिस्तान पर स्ट्राइक की खबर आ गई। फिर सेना ने लिखा, न्याय हुआ, जय हिंद!

ऑपरेशन सिंदूर के साथ ही भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के गुनहगारों को मिट्टी में मिलाना शुरू कर दिया है। भारतीय सेना ने देर रात पाकिस्तान और पीओके में आतंकियों के नौ ठिकानों पर मिसाइल स्ट्राइक की। बुधवार की रात करीब डेढ़ बजे भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत बहावलपुर, कोटली और मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारतीय सेना ने सटीक हमला करने वाले हथियारों का इस्तेमाल करके दहशतगर्दों को मिट्टी में मिलाने का काम किया। भारतीय सेना द्वारा सफलतापूर्वक निशाना बनाए गए नौ ठिकानों में से चार पाकिस्तान में और पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हैं। पाकिस्तान स्थित ठिकानों में बहावलपुर, मुरीदके और सियालकोट शामिल हैं। आतंकी शिविरों को निशाना बनाने के लिए विशेष सटीक हथियारों का इस्तेमाल किया गया। तीनों सेनाओं ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन को अंजाम दिया। भारतीय सेना ने भारत में आतंकवादी गतिविधियों को प्रायोजित करने में उनकी भूमिका के लिए जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाने के इरादे से हमलों के लिए स्थान का चयन किया था।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री, वायुसेना की तरफ से विंग कमांडर व्योमिका सिंह और थलसेना की तरफ से कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई सैन्य कार्रवाई के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि भारतीय सेना ने उन आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया, जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई और निर्देशित किया गया था। कुल मिलाकर नौ जगहों को निशाना बनाया गया। ▶10पर

- ऑपरेशन सिंदूर के जरिए लिया सिंदूर उजाड़ने का बदला
- प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सुरक्षा बलों को शुभकामनाएं दीं
- हमने उन्हीं को मारा, जिन्होंने मासूमों को मारा : राजनाथ
- एक्शन के बाद भारतीय सेना ने कहा: न्याय हुआ, जय हिंद

गहन विचार के बाद तय किया गया मिशन का नाम

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया

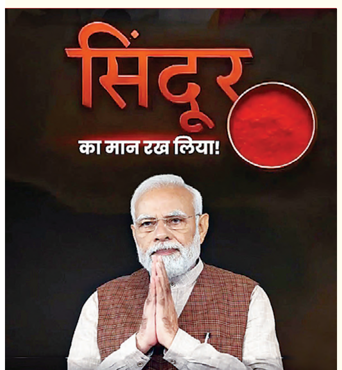

महिलाओं का सिंदूर पोंछा तो सेना ने उनका वजूद धो दिया

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने धर्म पूछकर 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। आतंकियों ने सिर्फ पुरुषों की हत्या की और महिलाओं के सिंदूर पर आघात किया। इस आतंकी हमले में कई महिलाओं ने अपने पतियों को खो दिया। इसीलिए हमले का जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सैन्य मिशन का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखने का प्रस्ताव दिया। ये उन महिलाओं के सिंदूर का प्रतीक है, जिन्होंने आतंकी हमले में अपने पतियों को खोया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई के लिए ऑपरेशन सिंदूर नाम चुना। ऑपरेशन को लेकर सेना ने प्रेस ब्रीफिंग के लिए भी दो महिला सैन्य अफसरों को ही अग्रणी भूमिका में रखा। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करने के लिए कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह मौजूद थीं। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 100 किलोमीटर अंदर तक मिसाइल हमले किए और नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया। भारत की स्ट्राइक की जद में पीओके में पांच और पाकिस्तान में चार आतंकी ठिकाने आए। ▶10पर

एलओसी पर पाकिस्तानी तोपखानों का कहर

16 भारतीय नागरिकों की मौत, सौ से अधिक घायल

प्रदेश के हवाईअड्डे 10 मई तक बंद, सुरक्षाबलों की छुट्टियां रद्द

जम्मू, 07 मई (ब्यूरो)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बने हालात के मद्देनजर प्रदेश के सभी हवाई अड्डों को 10 मई की सुबह तक बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्रीय सुरक्षाबलों के जवानों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। एहतियात के तौर पर गुलमर्ग गंडोला और स्कूल कालेज भी बंद कर दिए गए हैं। हज जाने वाली फ्लाइटें भी रोक दी गई हैं। एलओसी पर पाकिस्तानी सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में की जाने वाली गोलाबारी में 16 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई और चुकी थी और 100 से अधिक गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच जम्मू कश्मीर हज कमेटी ने आज और कल के लिए निर्धारित दो हज उड़ानों को आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया है, जिससे सैकड़ों तीर्थयात्रियों की यात्रा योजनाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। जम्मू कश्मीर हज कमेटी के कार्यकारी अधिकारी डॉ. शुजात अहमद कुरैशी ने पुष्टि की कि श्रीनगर हवाई अड्डे के बंद रहने के कारण आज के लिए निर्धारित हज उड़ान को रद्द कर दिया गया है। ▶10पर

पूरी पड़ताल और रिसर्च के बाद चुने गए नौ टारगेट

भारत ने नौ आतंकी ठिकानों को चुन कर किया ध्वस्त

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। बुधवार तड़के भारत ने समन्वय तरीके से ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनमें आतंक के वो अहम ठिकाने शामिल हैं, जो लंबे समय से आतंकियों की पनाहगाह बने हुए थे। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान में जिन नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया है, उनमें बहावलपुर, मुरीदके, चक अमरू, सियालकोट, भीमबेर, गुलपुर, कोटली, बाघ और मुजफ्फराबाद के इलाके शामिल हैं।

भारतीय सेना ने पूरी पड़ताल और शोध के बाद पाकिस्तान और पीओके के कुल नौ ठिकानों को निशाने पर लिया। इनमें बहावलपुर पाकिस्तान के दक्षिणी पंजाब का इलाका है। भारतीय हमले में बहावलपुर मुख्य निशाना था। दरअसल बहावलपुर में ही आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद का मुख्यालय है। भारत में कई आतंकी हमलों में जैश ए मोहम्मद की संलिप्तता रही है। ▶10पर

	ठिकाना	आतंकी संगठन
1	मरकज सुभान अल्लाह, बहावलपुर	जैश-ए-मोहम्मद
2	मरकज तैयबा, मुरीदके	लश्कर-ए-तैयबा
3	सरजल, तेहरा कलां	जैश-ए-मोहम्मद
4	महमूना जोया, सियालकोट	हिजबुल मुजाहिदीन
5	मरकज अहले हदीस, बरनाला	लश्कर-ए-तैयबा
6	मरकज अब्बास, कोटली	जैश-ए-मोहम्मद
7	मस्कर राहील शाहिद, कोटली	हिजबुल मुजाहिदीन
8	शावई नाला कैंप, मुजफ्फराबाद	लश्कर-ए-तैयबा
9	सैयदना बिलाल कैंप, मुजफ्फराबाद	जैश-ए-मोहम्मद

ऑपरेशन सिंदूर के बाद देशभर में अलर्ट

200 से अधिक उड़ानें रद्द, 18 एयरपोर्ट अस्थायी रूप से बंद

नई दिल्ली/मुंबई, 07 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमला किया। इसके बाद सुरक्षा के चलते श्रीनगर और जम्मू सहित 18 एयरपोर्ट बंद कर दिए गए और 200 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं। इसमें अकेले इंडिगो ने लगभग 166 फ्लाइट स्थगित की हैं। वहीं दिल्ली एयरपोर्ट से भी कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। उत्तरी और पश्चिमी भारत के कम से कम 18 एयरपोर्ट्स को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। ▶10पर

थैंक्यू मोदी जी, आपने मेरे पति की मौत का बदला लिया

क्रॉसर: पहलगाम हमले की पीड़िता बोलीं, यह सच्ची श्रद्धांजलि

नई दिल्ली/कानपुर, 07 मई (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का 6-7 मई की दरमियानी रात बदला ले लिया है। वायुसेना ने पाकिस्तान में बसे अलग-अलग 9 आतंकी शिविरों को एयर स्ट्राइक के जरिए हिंदुस्तानी बारूद से तबाह कर दिया है। वायुसेना ने इस एयर स्ट्राइक को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया। पहलगाम हमले के पीड़ितों की लगातार प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इसमें कानपुर के रहने वाले शुभम द्विवेदी की पत्नी एशान्या द्विवेदी की प्रतिक्रिया भी आई है। एशान्या ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर मेरे पति और अन्य शहीदों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि है। एशान्या ने यह भी मांग की है कि पहलगाम हमले में मारे गए सभी लोगों को शहीद का दर्जा दिया जाए। पहलगाम आतंकी हमले में उत्तर प्रदेश के कानपुर के शुभम द्विवेदी की भी मौत हुई थी। उन्हें भी आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा था। ▶10पर

मसूद अजहर के परिवार के 10 लोगों की मौत

रो पड़ा मसूद : बोला, मैं क्यूं नहीं मर गया

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। भारत की सशस्त्र सेनाओं द्वारा अंजाम दिए गए ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर की पत्नी और बेटे समेत परिवार के 10 लोगों की मौत हुई है। मसूद अजहर ने खुद ही बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। बहावलपुर में आतंकी ठिकानों पर हुए हमले में मसूद अजहर के परिवार के लोगों की मौत हुई। भारत के हमले में आतंकवादी कारी मोहम्मद इकबाल की भी मौत हुई है। कारी इकबाल ही कोटली में चलने वाले आतंकी कैंप का कमांडर था। ▶10पर

पाकिस्तान पर भारतीय सेना की स्ट्राइक

अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियां बना ऑपरेशन सिंदूर

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी सुर्खियां बना रहा। दुनियाभर के मीडिया संस्थानों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तानी कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर किए गए सटीक हमले की खबरें विस्तार से प्रकाशित और प्रसारित की। अत्याधुनिक मिसाइलों से किए गए इस हमले को अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी भारतीय सेना के हवाले से बिना उकसावे वाली कार्रवाई बताया है। भारतीय सेना के उस स्पष्टीकरण को भी खबरों में शामिल किया गया है, जिसमें सेना ने साफ किया कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते 22 अप्रैल को हुए कायराना आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान ने ▶10पर

अजित डोभाल ने 8 देशों के समकक्षों से बात की

पाक के आतंकी ठिकाने पर कार्रवाई की जानकारी साझा की

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई कार्रवाई के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने आज अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और यूएई जैसे आठ बड़े देशों से बात कर भारतीय सेना की कार्रवाई की जानकारी साझा की। डोभाल ने सबसे पहले अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एवं विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोनाथन पावेल से बातचीत कर ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। डोभाल ने सऊदी अरब के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुसैद अल ऐबन से भी बातचीत की। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के ▶10पर

जिनमन्दिर हेतु भूमि पूजन, खनन मुहूर्त सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शंखेश्वर पार्श्वनाथ ट्रस्ट मंडल के तत्वावधान में फूलों की नगरी बेंगलूरु शहर के जे सी रोड के प्रतिष्ठित भवन सोलस 2 में देव गुरु धर्म की असीम कृपा से जिन मन्दिर का निर्माण होने जा रहा है। जिन मन्दिर में परमात्मा श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ, अनन्त लब्धि निधान श्री गौतम स्वामी जी और श्री नाकोडा भैरव जी की प्रतिमाएं विराजमान होने जा रही है। सोलस 2 में इस मंगल प्रसंग पर स्नात्र पूजा, नवग्रह दश दिकपाल पूजन, भूमि शुद्धिकरण, भूमिपूजन एवं खनन विधान सम्पन्न हुआ। फूलों की नगरी के बीचों बीच जहां आसपास अनेक परिवारों और जहां आसपास शादीयों हेतु छत्रम और कॉलेज हॉस्टल के बच्चों को जिनप्रतिमा की सेवा पूजा का

लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से सभी ट्रस्टियों के मन में मन्दिर निर्माण की इच्छा जागृत हुई। इसी को मूर्त रूप प्रदान करते हुए जिनमन्दिर निर्माण की प्रक्रिया के तहत भूमिपूजन और खनन विधान सम्पन्न हुआ।

ट्रस्टी कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि आगामी 12 मई को जिनालय निर्माण प्रारम्भ करते हुए शुभ मुहूर्त में स्नात्र पूजा, नवग्रह, दश दिकपाल एवं अष्टमंगल पूजन के साथ शिलान्यास किया जाएगा। ट्रस्टी किशोर जैन द्वारा सभी का भावभीना स्वागत किया गया और धन्यवाद आभार व्यक्त किया। भूमिपूजन और खनन और नींव भरवाने का विधि विधान रोहित गुरुजी द्वारा सम्पन्न करवाया गया और उनका बहुमान ट्रस्टी अशोक नागोरी ने किया। शिल्पकला युक्त जिनालय का निर्माण सोमपुरा प्रवीण भाई की देखरेख में किया जाएगा जिनका बहुमान ट्रस्टी महावीर मेहता द्वारा किया गया। इस अवसर पर शांतिलाल नागोरी, राजू सुजानी, बाबूभाई मेहता, बाबूलाल नागोरी, अशोक मेहता, ललित गुलेच्छा, तेजराज कोठारी, आदित जैन, प्रतीक गुलेच्छा के साथ अनेक सदस्य उपस्थित थे। उपरोक्त जानकारी संघ के प्रवक्ता ललित डाकलिया ने दी। कार्यक्रम के पश्चात अन्नदान प्रसादी भी प्रदान की गई।

एक शाम ज्योतिचरण के नाम भक्ति संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के 64वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा महाश्रमण अभिवंदना एक शाम ज्योतिचरण के नाम भक्ति संध्या का आयोजन साध्वी सोम्यशाजी के सानिध्य में जुगराज श्रीश्रीमाल के निवास स्थान राजाजीनगर में किया गया।

भक्ति संध्या की शुरुआत साध्वी सोम्यशाजी के मंगल उद्बोधन एवं गीतिका द्वारा हुई। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया ने भक्ति संध्या में पधारे सभी का स्वागत कर कहा कि यह हमारा सौभाग्य है की हमें आचार्य महाश्रमणजी जैसे गुरु मिले है और उनका स्वास्थ कुशल मंगल रहे यही मंगलकामना करते हैं। तेयुप राजाजीनगर द्वारा संचालित भिक्षु श्रद्धा स्वर भजन मंडली से गायक संजय मांडोत, अनिमेष चौधरी, जितेंद्र कोठारी ने गुरुदेव आचार्य महाश्रमणजी पर रचित गीतिकाओं की प्रस्तुति दी एवं वातावरण को भक्तिमय बनाया। महिला मंडल से रेणु कोठारी ने भी अपनी गीतिका की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर राजाजीनगर सभा परिवार, तेयुप परिवार एवं महिला मंडल परिवार की अच्छी उपस्थिति रही। मंच संचालन तेयुप मंत्री जयंतीलाल गाँधी ने किया।

तीर्थंकरों द्वारा स्थापित सर्वोच्च संस्था है चतुर्विध संघ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। त्यागराजनगर जैन संघ में भगवान महावीर स्वामी के केवलज्ञान कल्याणक और शासन स्थापना दिवस विषय पर प्रवचन देते हुए आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जिस तरह देश की सुचारु राज्य व्यवस्था के लिए प्रशासन जरूरी है। उसी प्रकार समस्त जीवसृष्टि के कल्याण हेतु नीति नियमों का ढ़ांचा जरूरी है।

भगवान महावीर स्वामी ने वैशाख शुक्ल 11 के दिन इसी ढ़ांचे की यानी शासन की स्थापना की। इस आज्ञातंत्र को स्वीकारने वाला प्रत्येक साधक सुखी बन सकता है।

जिस प्रकार राज्य अपने दायरे में आने वाले नागरिक की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेता है, उसी प्रकार जिनशासन भी अपनी शरण में आने वाले प्रत्येक साधक के जीवन में सुख प्राप्ति और दुःख मुक्ति सुनिश्चित करता हैं। आज से करीब 2600 वर्ष पूर्व वैशाख शुक्ल 10 के दिन भगवान महावीर स्वामी को साधना की फलश्रुति के रूप में केवल्यज्ञान की प्राप्ति हुई, जिसके बाद उन्होंने धर्मो पदेश देना प्रारंभ किया। लेकिन उस दिन सर्वथा पापरहित जीवन याने दीक्षा लेने वाला कोई उपस्थित नहीं होने के कारण संघ स्थापना नहीं हुई। इस बात से संघ स्थापना एवं संचालन में साधु पद की महत्वपूर्ण भूमिका का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने अगले दिन याने वैशाक शुक्ल 11 के दिन चतुर्विध संघ की स्थापना की जब इन्द्रभूति गौतम आदि प्रकाण्ड विद्वान 11 पंडितों ने अपने हजारों शिष्यों सहित दीक्षा जीवन अपनाया। उसी दिन भगवान महावीर स्वामी ने चतुर्विध संघ याने साधु-साध्वी - श्रावक और श्राविका - इन चार पदों की स्थापना कर उन्हें अनेक धार्मिक अधिकार सौंपे। किसी भी पद को मात्र सत्ता या अधिकार के रूप में मानने के बजाए उसे सेवा का अवसर और जिम्मेदारी निभाने का माध्यम मानना चाहिए।

विश्व नवकार महामंत्र दिवस अभिनंदन समारोह का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु स्थित जैन इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल में विश्व नवकार महामंत्र दिवस अभिनंदन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर जीतो संस्था के एपेक्स, जोन, चैप्टर के पदाधिकारी, सदस्यगण एवं विभिन्न संघ-संस्थाओं के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जीतो बेंगलूरु साउथ चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने समारोह में उपस्थित सभी संघ-संस्थाओं का हार्दिक स्वागत किया और युवाओं के भगीरथ प्रयासों की सराहना करते हुए चारित्र आत्माओं के आशीर्वाद हेतु कृतज्ञता प्रकट की। उन्होंने आग्रह किया कि समाज इसी प्रकार जुड़े और सभी कार्यों को मिलकर मुमकिन बनाए। जीतो नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने कहा कि जीतो का मुख्य उद्देश्य संपूर्ण जैन समाज को एक मंच पर लाकर सेवा कार्यों को बढ़ावा देना है, जो इस आयोजन के माध्यम से सफलतापूर्वक साकार हुआ। उन्होंने इसे अद्वितीय नेटवर्किंग का उदाहरण बताया। महामंत्री विजय

सिंघवी ने इस सफल आयोजन में योगदान देने वाले बेंगलूरु साउथ और नॉर्थ के संयोजकों एवं सह-संयोजकों के प्रति आभार जताया। भैरुमल दांतेवाड़ियाँ ने कहा कि जीतो द्वारा आयोजित यह समारोह सभी को जोड़ने में सफल रहा और यह समाज की एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि जैन संस्कारों के साथ आगे बढ़ते हुए हमें जीतो परिवार से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ते रहना चाहिए। मनोज कोचर ने कहा कि जैन समाज और संस्कृति की सटीक जानकारी हर व्यक्ति के पास होनी चाहिए, ताकि धर्म और आधुनिक तकनीक का संगम हो सके। विनीत जैन (जैन डायरेक्ट) ने समाज की जरूरत के अनुसार सॉफ्टवेयर और टेक्नोलॉजी की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि डेटा अपडेट रहना अत्यंत आवश्यक है, जिससे समाज और तेजी से आगे बढ़ सके। इस अवसर पर जीतो पदाधिकारियों द्वारा संघ-संस्थाओं के अद्वितीय सहयोग हेतु सभी प्रतिनिधियों का स्वागत एवं स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मान किया गया। जीतो बेंगलूरु साउथ महामंत्री ने मंच का संचालन प्रभावी रूप से करते हुए पूरे कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराया। विशेष रूप से नारी शक्ति की सक्रिय सहभागिता इस आयोजन की उल्लेखनीय विशेषता रही, जिससे यह आयोजन नई ऊँचाइयों को छू सका। चतुर्विध धर्मसंघ के आशीर्वाद और समस्त समाज की सहभागिता से यह आयोजन एक महा महोत्सव के रूप में सफल हुआ। इस समारोह में बेंगलूरु के कई मंडलों के सदस्यों की उपस्थिति रही। बेंगलूरु साउथ महिला विंग अध्यक्ष बबिता रायसोनी एवं नॉर्थ उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी उपस्थित रहे।

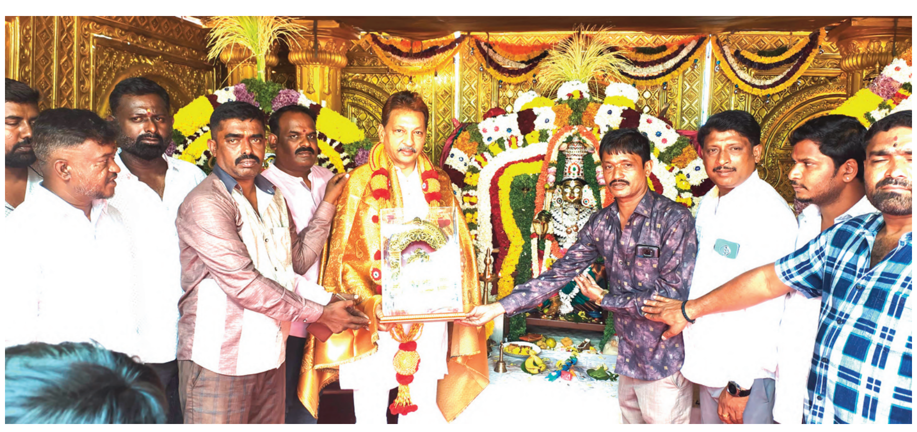

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लग्गेरे में क्षेत्र के नागरिकों द्वारा अन्नम्मा देवी पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

पहलगाम में मारे गए व्यक्ति के भाई ने ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए भारत भूषण के भाई प्रीतम ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी समूहों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई का पूरा समर्थन किया है। प्रीतम ने कहा कि इन आतंकी संगठनों को निशाना बनाना सही फैसला था, क्योंकि वे नागरिकों के लिए खतरा पैदा करते हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार को कार्रवाई करने से पहले पूरी तरह से जांच करनी चाहिए थी और उन्हें उनके फैसले पर भरोसा है। उन्होंने आतंकी संगठनों का

समर्थन करने वाले लोगों को भी संदेश दिया कि आज उनका परिवार प्रभावित है, लेकिन कल समर्थकों का भी हो सकता है। उन्होंने उनसे ऐसी गतिविधियों का समर्थन करना बंद करने का आग्रह किया। प्रीतम ने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि उनका मानना है कि सरकार ने सावधानीपूर्वक अध्ययन के बाद सही फैसला लिया है और वे उनके साथ खड़े रहेंगे।

भारत भूषण के पिता ने पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी तत्वों के खिलाफ समय पर कार्रवाई करने के लिए सरकार की प्रशंसा भी की। चन्नवीरप्पा ने कहा हम इस बारे में सोच रहे थे, लेकिन मेरे बेटे का शव लाने के बाद, हमने सोचा कि मोदी इन आतंकी हमलों को नियंत्रित करने के लिए कुछ निश्चित कदम उठाएंगे, और निश्चित रूप से भारत सरकार ने ऐसा किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना, वायुसेना और नौसेना के साथ बैठकें की थीं और अच्छे फैसले लिए थे। उन्होंने कहा मंगलवार रात उन्होंने पाकिस्तान में नौ आतंकी शिविरों पर हमला किया और वहां कई लोगों को मार डाला, और मैंने सुना है कि इस हमले में लगभग 100 लोग मारे गए हैं, जिनमें से ज्यादातर आतंकवादी थे।

आचार्य महाश्रमण जी के 16वें पदाभिषेक के तहत कार्यक्रम आयोजित

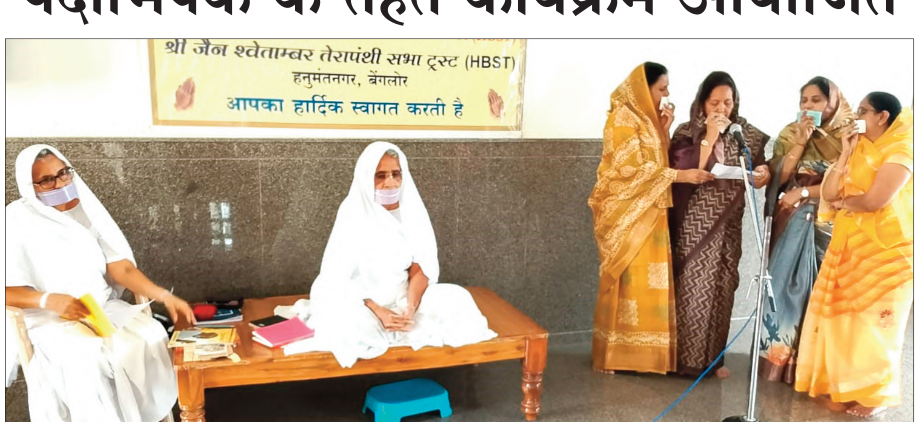

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी संयमलता जी के पावन सानिध्य एवं तेरापंथ सभा ट्रस्ट हनुमंतनगर के तत्वावधान में आचार्य महाश्रमण जी के 16वें पदाभिषेक के तहत हनुमंतनगर स्थित तेरापंथ सभा भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मंगलाचरण महिला मंडल द्वारा किया गया। संगीता तातेड़ ने कविता के माध्यम से आचार्य प्रवर की अभिवंदना की। साध्वी संयमलता जी ने कहा कि आचार्य प्रवर एक शास्त्रंशु दिवाकर बनकर प्रत्येक आत्मा को प्रकाशित करना चाहते है।

चारित्र एक ऐसा हीरा है जो बुराइयों के सभी पाषाण खंडों को चूर-चुर कर देता है। उनके चारित्र की पांखें अध्यात्म के आकाश में उड़ान भर रही है। आगमवाणी में कहा गया एक सच्चा संत कौन होता है जो निंदा स्तुति, सुख-दुख, अहंकार, ममकार से जो ऊपर जाता है। सच्चा संत बनना ही जीवन का सबसे बड़ा अवार्ड है।

साध्वी मनीषा प्रभा जी ने कहा महाश्रमण एक संत का नाम नहीं अनवरत यात्रा का नाम है। इस अवसर पर सभा पूर्व अध्यक्ष सुभाष बोहरा, सभा अध्यक्ष गौतम दक, उपाध्यक्ष गौतम कातरेला, महिला मंडल पूर्व अध्यक्ष मंजू दक, अध्यक्ष सरोज दुगड़ सहित संपूर्ण श्रावक-श्राविका समाज की अच्छी संख्या में उपस्थिति रही।

राज्य ने नए भूमि कानून पर शुरू किया काम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक ने भूमि और उनके स्वामित्व को प्रशासित करने वाली मौजूदा कानूनी व्यवस्था को बदलने के लिए एक नए कानून का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसके बारे में सरकार का कहना है कि औपनिवेशिक छाप के कारण यह अब प्रासंगिक नहीं है। कर्नाटक भूमि राजस्व (केएलआर) अधिनियम, 1964 - जिसे विभिन्न शासन कार्यों पर इसके व्यापक प्रभाव के लिए मातृ कानून माना जाता है - को समाप्त कर दिया जाएगा।

नए कानून का मसौदा तैयार करने के लिए एक शीर्ष समिति का गठन किया गया है। मसौदा

तैयार करने की प्रक्रिया में नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी और थिंक टैंक विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी के विशेषज्ञ शामिल होंगे।

राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने बताया केएलआर अधिनियम पूर्ववर्ती मैसूरु भूमि राजस्व अधिनियम से आयात किया गया था, जो अंग्रेजों द्वारा अपनाए गए कानून से आया था। उन दिनों, मार्गदर्शक दर्शन भूमि से राजस्व बनाए रखना था। अंग्रेज यही चाहते थे। अब, हमें भूमि से कोई राजस्व नहीं मिलता है। हम वास्तव में जो करते हैं वह भूमि और उनके स्वामित्व का प्रबंधन करना है। मौजूदा केएलआर अधिनियम व्यापक है, जिसमें 15 अध्याय और 202 धाराएँ हैं।

गौड़ा ने कहा हम एक बार में अधिनियम का मसौदा तैयार नहीं कर सकते। हम इसे 2-3 बैचों में करने की योजना बना रहे हैं। पहला मसौदा तीन महीने में तैयार होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि नया कानून चालू वित्त वर्ष के अंत से पहले तैयार हो जाना चाहिए। गौड़ा के अनुसार, केएलआर अधिनियम ब्रिटिश कानूनी शब्दावली से भरा हुआ है। उन्होंने कहा इसे समझना बहुत मुश्किल है और, पिछले कुछ वर्षों में अधिनियम में कई संशोधन हुए हैं। हर संशोधन कानून की एक धारा का खंडन करता है।

समय के साथ, इस तरह के विरोधाभासों की एक श्रृंखला बन गई है। जबकि तहसीलदारों को सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण हटाने का काम सौंपा गया है, अदालतें बताती रहती हैं कि अधिनियम के अनुसार यह डिप्टी कमिश्नर का काम है। गौड़ा ने एक कठिन विषय को उठाते हुए कहा कि नया कानून भूमि स्वामित्व में अधिक निश्चितता लाएगा। वर्तमान में, भूमि स्वामित्व पूर्ण होने के विपरीत 'अनुमानित' है, जिसके परिणामस्वरूप मुकदमेबाजी होती है। गौड़ा ने कहा हम भूमि स्वामित्व गारंटी की दिशा में आगे बढ़ना चाहते

भारतीय सैनिकों का मनोबल बढ़ाने की अपील

पाकिस्तान को आने वाले दिनों में भारत की ओर मुड़कर नहीं देखना चाहिए: विजयेन्द्र

कोलार/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम त्रासदी में 26 लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की पहल की है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि भारत की जनता और भाजपा ने मोदी और भारतीय सैनिकों के साथ खड़े होने का संकल्प लिया है। वह कांग्रेस सरकार के खिलाफ निकाली जा रही 'जनाक्रोश यात्रा' के संबंध में आयोजित विशाल विरोध सभा में बोल रहे थे। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं और राज्य के सभी लोगों से अपील की कि वे अपने शहर के मंदिर में जाएं और भगवान से प्रार्थना करें। आइये, इसके माध्यम से हम अपने योद्धाओं को शक्ति प्रदान करें। उन्होंने कामना की कि मोदी को विश्व के सभी देशों द्वारा और अधिक शक्ति प्रदान की जाएगी। पाकिस्तान को आने वाले दिनों में भारत की ओर मुड़कर नहीं देखना चाहिए। वहां आतंकवादियों को फिर कभी सांस नहीं लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें इस संबंध में अपना सहयोग प्रदान करना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए देश सबसे पहले है। उन्होंने सैनिकों से अपना मनोबल बढ़ाने की अपील की। भाजपा के संस्थापकों में से एक श्यामा प्रसाद मुखर्जी कहा करते थे, एक देश में एक ही झंडा होता है। उनकी प्रबल इच्छा थी कि जम्मू-कश्मीर में भारतीय ध्वज फहराता रहे। इसी आशा को लेकर उन्होंने देश के लिए अपना बलिदान दे दिया। आज हमारे देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शपथ ली। उन्होंने ऐसी आतंकवादी गतिविधियों को समाप्त करने की उनकी पहल की सराहना की। इस मौके पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, पूर्व सांसद एस. मुनीस्वामी, जिला अध्यक्ष ओम शक्ति चलपति, विधान परिषद के पूर्व सदस्य वाई.ए. नारायणस्वामी, पूर्व विधायक प्रकाश, बी.पी. वेंकटप्पा, वाई. संपांगी, राज्य सचिव सी. मुनिराजू, तमेश गौड़ा, युवा मोर्चा के राज्य महासचिव और विधायक हरीश पूंजा, पूर्व राज्य सचिव जगदीश हिरेमानी, राज्य पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष और पार्टी नेता उपस्थित थे।

ऑपरेशन सिंदूर के पीछे सशस्त्र बलों के असाधारण साहस को सलाम: सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर मिसाइल हमले करने के लिए सशस्त्र बलों को सलाम किया, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। उन्होंने कहा आतंक का हमारे देश में कोई स्थान नहीं है, और भारत ताकत और एकता के साथ जवाब देगा।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में, भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर का जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना शामिल है।

सिद्धरामैया ने एक पोस्ट में कहा मैं ऑपरेशन सिंदूर के पीछे हमारे सशस्त्र बलों के असाधारण साहस को सलाम करता हूं। उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई इस बात की पुष्टि करती है कि भारत किसी भी रूप में आतंक को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुआ क्रूर हमला सिर्फ मासूम लोगों की जान नहीं ले रहा था, बल्कि यह भारत के सपनों और भावना पर हमला था। उन्होंने कहा हमारे बहादुर सैनिकों का हर प्रयास पीड़ितों, उनके परिवारों और शांति और मानवता में विश्वास रखने वाले हर भारतीय को न्याय दिलाने की प्रतिज्ञा है। उन्होंने कहा कर्नाटक हमारे बलों के साथ अटूट एकजुटता व्यक्त करने में पूरे देश के साथ है। हमें आपकी वीरता, बलिदान और हमारी संप्रभुता की रक्षा के लिए आपकी अडिग प्रतिबद्धता पर गर्व है। पहलगाम आतंकी हमले के दो हफ्ते बाद भारत की प्रतिक्रिया आई, जिससे भारत और विदेशों में व्यापक आक्रोश फैल गया। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने अपने संदेश में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकवाद के कायराना कृत्य का करारा जवाब है। उन्होंने कहा हम सरकार और सेना के साथ खड़े रहेंगे। मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि आतंकवाद को समर्थन देने वाले पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए किए गए तीखे हवाई हमले के तहत ऑपरेशन सिंदूर ने शांति और सुरक्षा का मजबूत संदेश दिया है। मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर उन लोगों को करारा जवाब है जो भारत को किनारे से देखते हैं। पूरा देश एकजुट है। उन्होंने कहा कि वह सदैव हमारी सेना के आभारी रहेंगे। मंत्री प्रियांक खड़गे और लक्ष्मी हेब्बालवार सहित अन्य ने ऑपरेशन सिंदूर का स्वागत किया है।

मुझे विश्वास था कि मोदी राक्षसों का वध करेंगे

मंजूनाथ राव की मां ने कहा

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए मंजूनाथ राव की मां सुमति ने पाकिस्तान में 9 आतंकी शिविरों पर भारतीय सेना के हवाई हमलों का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके बेटे की हत्या करने वाले राक्षसों का वध करेंगे।

उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि उनके बेटे का बलिदान व्यर्थ जाए। यह संतोष की भावना नहीं है, क्योंकि उसका मारा गया बेटा वापस नहीं आएगा। लेकिन उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं दूसरे लोगों के बच्चों के साथ नहीं होनी चाहिए।

हमें विश्वास था कि मोदी सही निर्णय लेंगे और उन्होंने ऐसा किया। निर्दोष को कुछ नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लेकिन हमें उन लोगों को दंडित किए बिना नहीं छोड़ना चाहिए जो हमें प्रताड़ित करने या बुरे कार्यों में लिप्त होने का प्रयास करते हैं। मेरे बेटे का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। सुमति ने कहा मुझे लगता है कि सही निर्णय लिया गया है। हमें पता था कि कुछ किया जाएगा। हम आम लोगों और नेताओं को सलाह देने में माहिर नहीं हैं। हमें मोदी पर भरोसा था।

ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर राज्य भर में आवश्यक सावधानियां बरती गईं: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि राज्य सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर आवश्यक एहतियाती कदम उठाए हैं और सुरक्षा तैनात की गई है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हम सभी रक्षा मंत्रालय द्वारा की गई कार्रवाई का समर्थन करते हैं।

हम पहले भी कह चुके हैं कि देश के हितों की रक्षा के लिए हम सब एक साथ हैं। पूरा समुदाय और केंद्र सरकार एक साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय पहले ही दिशा-निर्देश भेज चुका है और नागरिक सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में सलाह दे चुका है। औद्योगिक सुरक्षा बलों को बिजली उत्पादन, जल भंडारण बांधों और बंदरगाहों सहित संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात किया गया है।

खुफिया एजेंसी को सक्रिय कर दिया गया है और सूचना एकत्र करने के लिए तैयार कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य केंद्रीय जांच एजेंसियों के संपर्क में है। नागरिक सुरक्षा प्रणाली का अभ्यास करने का सुझाव दिया गया है। जहां भी आवश्यक हुआ, केंद्र सरकार ने अपनी सुरक्षा प्रदान की है। जहां राज्य सरकार जिम्मेदार है, वहां हमने पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए हैं। उन्होंने कहा कि सभी परमाणु संयंत्रों, उद्योगों और सरकारी संस्थानों में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये गये हैं। पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेज दिया गया है। हम एफआरआरओ के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि जो लंबित हैं, उन्हें भी हम भेजेंगे। हमारे मतभेदों के बावजूद, देश के लिए एकता प्रदर्शित करना आवश्यक है। रक्षा जैसे मुद्दों पर कोई अन्य चर्चा नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इसी कारण से कांग्रेस ने रायचूर सम्मेलन रद्द कर दिया है।

4 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए एलकेजी में प्रवेश नहीं

कर्नाटक शिक्षा विभाग ने जारी किया निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से शुरू होकर, कर्नाटक स्कूल शिक्षा विभाग ने लोअर किंडरगार्टन (एलकेजी) में प्रवेश के लिए बच्चों की आयु कम से कम चार वर्ष और अपर किंडरगार्टन (यूकेजी) में प्रवेश के लिए पाँच वर्ष होना अनिवार्य कर दिया है। प्राथमिक शिक्षा निदेशक द्वारा जारी निर्देश में सभी शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों को इस नियम को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया गया है।

हालांकि एलकेजी में प्रवेश के लिए बच्चों की आयु चार वर्ष होनी चाहिए, यह नियम तकनीकी रूप से 2023-24 शैक्षणिक वर्ष से लागू है, लेकिन कई स्कूल इसका पालन करने में विफल रहे हैं।

इससे अभिभावकों में भ्रम और दबाव पैदा हुआ है, खासकर इस नियम को लेकर कि कक्षा 1 में प्रवेश के लिए बच्चे की आयु 1 जून तक छह वर्ष होनी चाहिए। अभिभावकों के दबाव के कारण, कक्षा 1 के इस नियम के कार्यान्वयन में 2024-25 शैक्षणिक वर्ष के लिए ढील दी गई। हालांकि, सरकार को अब शिकायतें मिली हैं कि कुछ प्री-प्राइमरी स्कूल और अभिभावक ऐसे बच्चों को दाखिला देकर आयु नियम का उल्लंघन कर रहे हैं, जिन्होंने 1 जून तक आवश्यक आयु पूरी नहीं की है। भविष्य में इन नियमों को कमजोर करने के लिए सरकार पर और अधिक भ्रम और दबाव से बचने के लिए, स्कूल शिक्षा विभाग ने आयु मानदंड को और अधिक सख्ती से लागू करने का फैसला किया है। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, 2025-26 शैक्षणिक वर्ष से बच्चों को एलकेजी या इसके समकक्ष में प्रवेश के लिए 1 जून तक 4 वर्ष की आयु पूरी करनी होगी और यूकेजी या इसके समकक्ष में प्रवेश के लिए बच्चों को 1 जून तक 5 वर्ष की आयु पूरी करनी होगी।

2026-27 शैक्षणिक वर्ष से, केवल वे बच्चे ही कक्षा 1 में प्रवेश के लिए पात्र होंगे, जिन्होंने 1 जून तक 6 वर्ष की आयु पूरी कर ली है। विभाग ने स्कूलों और अभिभावकों से इन मानदंडों का पूरी तरह से पालन करने का आग्रह किया है ताकि सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके और भविष्य में जटिलताओं से बचा जा सके।

कांग्रेस सदस्य आतंकवादियों के पक्ष में हैं, या भारत के पक्ष में?

कांग्रेसियों को ट्वीट को लेकर देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने मांग की है कि राज्य कांग्रेस के नेता अपने ट्वीट के लिए देश की जनता से माफी मांगें। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि शांति मानव जाति का सबसे शक्तिशाली हथियार है। उन्हें शर्म आनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि सिद्धरामैया, डी.के. शिवकुमार और राहुल गांधी अपना रुख स्पष्ट करें। ऐसे अवसर पर कांग्रेस पार्टी का बयान सराहनीय नहीं है। राज्य कांग्रेस नेताओं ने जिस तरह ट्वीट किया, उसे स्पष्ट किया जाना चाहिए। क्या कांग्रेस सदस्य आतंकवादियों के पक्ष में हैं? क्या आप भारत के पक्ष में हैं? या फिर क्या वे पाकिस्तान की तरफ हैं। भाजपा ने बुधवार से अपनी जनाक्रोश यात्रा का अंतिम चरण शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध शुरू हो गया है, हर भारतीय को एकजुट होना चाहिए। विजयेंद्र ने अपील की कि राजनीतिक दलों को एक साथ खड़ा होना चाहिए और देश के साथ एकजुट होना चाहिए। हमारा यह अच्छा इरादा है। जैसा कि पहले से तय है, कोलार में सार्वजनिक विरोध मार्च निकाला जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि वे गुरुवार से होने वाले कार्यक्रमों को अस्थायी रूप से स्थगित कर रहे हैं। हर भारतीय को हमारे सैनिकों का समर्थन करना चाहिए। भाजपा कार्यकर्ताओं और राज्य के लोगों से मंदिरों में विशेष पूजा करने की अपील की गई। उन्होंने सैनिकों से नैतिक साहस से परिपूर्ण होने का अनुरोध किया। आतंकवादियों के हमले में 26 भारतीयों की जान चली गयी। इसके बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया। हर भारतीय बदला लेना चाहता था और पाकिस्तान तथा पाकिस्तानी आतंकवादियों को सबक सिखाना चाहता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि वह आतंकवादियों को न्याय के दायरे में लाने के लिए उचित कार्रवाई करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए कर्नाटक के मंदिरों में भारतीय सेना के लिए विशेष प्रार्थना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुजराई और परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने बंदोबस्ती विभाग के आयुक्त को भारतीय सेना के सम्मान में मुजराई विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी मंदिरों में विशेष प्रार्थना आयोजित करने का निर्देश दिया। यह निर्देश भारत द्वारा 7 मई को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाकर की गई सैन्य कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' के मद्देनजर दिया गया है। यह ऑपरेशन कथित तौर पर पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में किया गया था, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। रेड्डी ने बुधवार को अपने आदेश में कहा इस ऑपरेशन के लिए हमारी गौरवशाली भारतीय सेना को शुभकामनाएं। इसके लिए यह निर्देश दिया जाता है कि भारतीय सेना के नाम पर सभी मुजराई मंदिरों में विशेष प्रार्थना की जाए और देवता से भारतीय सेना को और भी अधिक शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की जाए।

कड़ी सुरक्षा के कारण बेंगलूरु से 5 राज्यों के लिए उड़ानें रद्द

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई में, भारतीय सेना ने बुधवार की सुबह ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल से हमला किया। इस हवाई हमले के मद्देनजर, केंद्र ने एहतियात के तौर पर देश के विभिन्न हिस्सों में हवाई यात्रा को निलंबित कर दिया है। नतीजतन, बेंगलूरु से कई राज्यों के लिए रवाना होने वाली कई उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं।

देश में मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए, एहतियाती कदम के तौर पर बेंगलूरु से जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, राजस्थान में जोधपुर और उत्तर प्रदेश में अयोध्या, लखनऊ और गाजियाबाद के लिए उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं। केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा प्राधिकरण ने एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें कहा कुछ हवाई क्षेत्रों में हवाई यातायात पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, जो हमारे कुछ नेटवर्क उड़ानों पर सेवाओं को प्रभावित कर सकते हैं।

नतीजतन, यात्रियों से अनुरोध है कि वे हवाई अड्डे पर पहुंचने से पहले अपने एयरलाइन ऑपरेटरों के साथ अपनी संबंधित उड़ानों की समय-सारिणी की पुष्टि करें। बयान में कहा गया है कि यात्री अपनी उड़ान के समय में किसी भी बदलाव के बारे में संबंधित एयरलाइनों के आधिकारिक एक्स हैंडल के माध्यम से नवीनतम जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

आतंकी शिविरों पर सेना के हमले के बाद शांति पोस्ट हटाने पर कर्नाटक कांग्रेस की आलोचना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में कर्नाटक कांग्रेस द्वारा साझा किए गए शांति को बढ़ावा देने वाले संदेश को सोशल मीडिया पर तीखी आलोचना के बाद मंगलवार को तुरंत हटा दिया गया। कांग्रेस पार्टी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर महात्मा गांधी का एक उद्धरण पोस्ट किया था, जिसके साथ एक पोस्टर था जिसमें कहा गया था कि शांति मानव जाति का सबसे शक्तिशाली हथियार है। हालांकि, उपयोगकर्ताओं की व्यापक प्रतिक्रिया के बाद एक घंटे के भीतर पोस्ट को हटा दिया गया, जिन्होंने पार्टी पर पाकिस्तान और

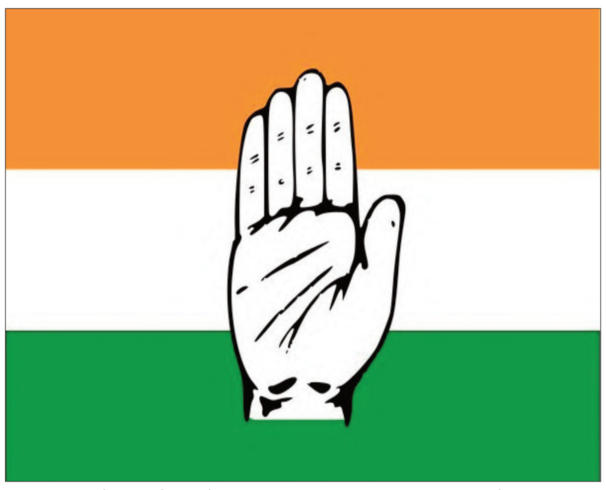

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी शिविरों के खिलाफ सैन्य जवाबी कार्रवाई के समय में मूक-बधिर होने का आरोप लगाया। स्पष्टीकरण के बावजूद, सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने हटाए गए पोस्ट के स्क्रीनशॉट प्रसारित किए, पार्टी के रुख पर सवाल उठाए। कई टिप्पणियों ने कांग्रेस पर असंगतता और राजनीतिक अवसरवाद का आरोप लगाया। एक उपयोगकर्ता ने टिप्पणी की, क्या आप भूल गए कि आपने क्या पोस्ट किया था? जबकि दूसरे ने कहा, कांग्रेस आतंकवादियों की मौत पर शोक मना रही है। अन्य लोगों ने दावा किया कि पार्टी राष्ट्रवाद भूल गई है और आरोप लगाया कि इसका शांति संदेश वोट बैंक को खुश करने के उद्देश्य से था। आलोचकों ने पिछले उदाहरणों को भी फिर से सामने लाया, जहां कांग्रेस नेताओं ने सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे थे, यह सुझाव देते हुए कि शांति पोस्ट उसी पैटर्न से जुड़ी हुई है।

यह वही पार्टी है जिसने पहले हमारे सशस्त्र बलों पर सवाल उठाए थे। अब, एक मजबूत सैन्य अभियान के दौरान, वे शांति का उपदेश दे रहे हैं। आप शांति संदेश पोस्ट करते हैं और डर के मारे इसे हटा देते हैं। अन्य लोगों ने पार्टी पर पाकिस्तान के साथ सहानुभूति रखने का आरोप लगाया, कहा, अगर पाकिस्तान पर बम गिरते हैं, तो उन्हें लगता है कि वे उन पर गिर रहे हैं। इस घटना ने इस हाई-प्रोफाइल सैन्य कार्रवाई के बाद बढ़ते राजनीतिक तनाव को और बढ़ा दिया है, तथा कांग्रेस को अब इसके संदेश और समय को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

नाबालिग लड़की से बलात्कार, मामला दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वेनूर पुलिस स्टेशन की सीमा में नाबालिग लड़की पर यौन उत्पीड़न की एक परेशान करने वाली घटना सामने आई है, जिसके परिणामस्वरूप वह गर्भवती हो गई। लड़की ने वेनूर पुलिस में आरोपी युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की पहचान शिरलालू गांव निवासी सनथ (28) के रूप में हुई है। सनथ ड्राइवर का काम करता था और कभी-कभी लड़की के पिता के साथ उसके घर आता था।

आरोप है कि इन यात्राओं के दौरान उसने नाबालिग के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए। लड़की के जन्मदिन के अवसर पर सनथ रात

भर उसके घर पर रुका। रात के दौरान, वह कथित तौर पर उस कमरे में घुस गया, जहां लड़की सो रही थी और उसका यौन उत्पीड़न किया। शिकायत में आगे कहा गया है कि वह कभी-कभी रात में घर आता रहा और बार-बार लड़की के साथ ऐसा करता रहा, जिससे वह गर्भवती हो गई। लड़की ने अब औपचारिक रूप से वेनूर पुलिस में सनथ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। वेनूर पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम की धारा 4 और 6 तथा बीएनएस-2023 की धारा 64 के तहत मामला दर्ज किया है।

ऑपरेशन सिंदूर सेना का एक साहसिक कदम : मंत्री दिनेश गुंडू राव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान जो भी कदम उठाएगा, उसका उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सेना का एक साहसिक कदम है। उन्होंने कहा कि यह अपरिहार्य था।

पाकिस्तान समर्थकों ने जो किया है, उसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि वह केंद्र सरकार और सेना के फैसले का समर्थन करते हैं। पाकिस्तान

भी जवाबी हमला कर सकता है। हमें इसके लिए तैयारी करनी होगी। हमने ऐसे कई हमले किये हैं। पाकिस्तान ने अभी तक सबक नहीं सीखा है। यदि यह अपरिहार्य हो जाए, यदि आत्मसम्मान का प्रश्न उठे, तो युद्ध लड़ना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम अपरिहार्य थे क्योंकि निर्दोष लोगों का नरसंहार किया जा रहा था।

बीवाई राघवेंद्र ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी बधाई

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवमोग्गा के लोकसभा सदस्य बी.वाई. राघवेंद्र ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए राघवेंद्र ने कहा पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे, प्रधानमंत्री ने कहा था कि देश इस घटना का मुंहतोड़ जवाब देगा।

ऑपरेशन सिंदूर आधी रात को शुरू किया गया था। नौ स्थानों पर, जहां आतंकवादी मौजूद थे, हमला किया गया। मुझे विश्वास है कि देश और सैनिक

आतंकवादियों को खत्म करने के अपने प्रयासों में सफल होंगे। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि यह शांति मंत्र जपने का समय नहीं है। भारत को निशाना बनाकर कई आतंकी हमले हुए हैं। यह शांति का मंत्र जपने का समय नहीं है। प्रधानमंत्री ने सेना को तैयार रखते हुए कार्रवाई की है। इससे पहले राघवेंद्र ने कर्नाटक समेत गैर-भाजपा शासित राज्यों की सरकारों पर पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया था। राघवेंद्र ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर उन्हें 48 घंटे के भीतर वापस भेजने के निर्देश जारी किए थे।

वे घुसपैठिए के तौर पर, या व्यापार या इलाज के लिए भारत पहुंचे हो सकते हैं। उन्होंने कहा भाजपा शासित सभी राज्यों की सरकारों ने इस फैसले को प्रभावी ढंग से लागू किया है। हालांकि, कर्नाटक समेत उन राज्यों की सरकारें, जहां गैर-भाजपा दल सत्ता में हैं, इस मुद्दे पर लापरवाह रही हैं।

हम राज्य सरकार से अपील करते हैं कि वे ऐसे लोगों की पहचान करें और उन्हें 24 घंटे के भीतर वापस भेजें। राघवेंद्र ने शिवमोग्गा जिला प्रशासन से जिले में पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उन्हें वापस भेजने की अपील की। उन्होंने कहा भाजपा राज्यपाल से अपील करती है कि वे राज्य सरकार को इस संबंध में तत्काल कदम उठाने का निर्देश दें।

व्यक्ति ने बेटी की हत्या का बदला लेने के लिए प्रेमी के पिता की हत्या कर दी

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के एक व्यक्ति ने बदला लेने की एक खौफनाक घटना में अपनी बेटी की हत्या के करीब चार महीने बाद उसके हत्यारे के पिता की कथित तौर पर हत्या कर दी।

मृतक नरसिंह गौड़ा, पांडवपुरा के पास मणिक्यानहल्ली गांव का रहने वाला था, जिसकी बेटी दीपिका की जनवरी में हत्या कर दी गई थी। पुलिस का कहना है कि वेंकटेश अब फरार है। 28 वर्षीय स्कूल शिक्षिका और एक बच्चे की मां दीपिका की 19 जनवरी को मृतक के बेटे 21 वर्षीय नितेश गौड़ा ने हत्या कर दी थी। दीपिका के अपने रिश्ते को खत्म करने के फैसले से गुस्साए नितेश ने उसे बहला-फुसलाकर एक सुनसान जगह पर

ले जाकर उस पर पत्थर से हमला किया और उसके शव को दफना दिया। चार दिन बाद उसके अवशेष मिले। जांचकर्ताओं का अब मानना है कि वेंकटेश तब से ही बदला लेने की योजना बना रहा था। हालाँकि शुरू में उसका लक्ष्य नितेश था, लेकिन अपनी बेटी के हत्यारे तक पहुँचने में असमर्थ होने के बाद उसने नितेश के पिता नरसिंह की ओर रुख किया। कथित तौर पर मामला तब और बढ़ गया जब वेंकटेश को पता चला कि नितेश की बहन की शादी धर्मस्थल में आने वाले रविवार को होने वाली है। मंगलवार को, उसने चाय की दुकान पर नरसिंह का सामना किया और उसे चाकू घोंप दिया, कथित तौर पर चिल्लाते हुए: तुमने मेरी बेटी को मार डाला और अब तुम अपनी बेटी की शादी का जश्न मना रहे हो। मेलुकोटे पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और वेंकटेश की तलाश शुरू कर दी है। इस प्रतिशोध की घटना को अंजाम देने वाले मूल अपराध ने स्थानीय समुदाय को झकझोर कर रख दिया। सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी के लिए जानी जाने वाली दीपिका को पहले ही उसके परिवार ने नितेश से अपना रिश्ता खत्म करने की चेतावनी दी थी। शादीशुदा और माँ होने के बावजूद, वह अंततः संबंध खत्म करने से पहले उसके संपर्क में रही। इस दोहरी त्रासदी ने गाँव को स्तब्ध कर दिया है, जिससे असफल रिश्तों और व्यक्तिगत प्रतिशोध से जुड़ी हिंसा के बारे में चिंताएँ फिर से बढ़ गई हैं।

सीबीआई कोर्ट का फैसला

कर्नाटक की राजनीति में जनार्दन रेड्डी की राजनीतिक पुनरुत्थान की उम्मीदों पर करारा झटका

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री और खनन दिग्गज गली जनार्दन रेड्डी को हैदराबाद की सीबीआई की विशेष अदालत ने ओबुलापुरम अवैध खनन मामले में सात साल की सजा सुनाई है। यह उन कई मामलों में से एक है, जिसने उनके करियर को लंबे समय तक प्रभावित किया है। यह फैसला कर्नाटक के सबसे विवादास्पद व्यक्तियों में से एक की उथल-पुथल भरी राजनीतिक यात्रा में संभावित रूप से निर्णायक क्षण है। एक ऐसे व्यक्ति के लिए, जिसने कभी राज्य भाजपा में किंगमेकर की हैसियत हासिल की थी, यह सजा दुस्साहसिक वापसी और नाटकीय पतन से चिह्नित गाथा का अंतिम अध्याय हो सकती है। बल्लारी शहर के विधायक नारा भरत रेड्डी ने अदालत के फैसले को ईश्वरीय न्याय करार दिया और कहा जनार्दन रेड्डी ने अपने अवैध खनन हितों को पूरा करने के लिए कर्नाटक के बल्लारी जिले के कुछ हिस्सों को पड़ोसी आंध्र प्रदेश का हिस्सा दिखाने की कोशिश की। मैं सीबीआई की विशेष अदालत के फैसले को ईश्वरीय न्याय मानता हूं।

कर्नाटक में अवैध खनन माफिया के खिलाफ अपने अथक अभियान के लिए जाने जाने वाले प्रमुख कार्यकर्ता एस.आर. हिरेमठ ने फैसले को एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। जनार्दन रेड्डी खनन उद्योग में इतने शक्तिशाली व्यक्ति थे कि उन्होंने रिश्वत के जरिए अनुकूल फैसले हासिल करने के लिए न्यायपालिका को प्रभावित करने का प्रयास किया। ऐसे संदर्भ में, सीबीआई अदालत का उन्हें दोषी ठहराने और सात साल जेल की सजा सुनाने का फैसला ऐतिहासिक है। मुझे उम्मीद है कि विभिन्न अदालतों और न्यायाधिकरणों में उनके खिलाफ लंबित अन्य मामले भी अपने तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचेंगे। हिरेमठ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व से भी आग्रह किया कि वे इस मामले में कोई कदम उठाएं और सुनिश्चित करें कि दागी विधायक को कर्नाटक विधानसभा से हटाया जाए। बल्लारी के एक खननकर्ता और जनार्दन रेड्डी के खनन कार्यों के लंबे समय से आलोचक रहे तपल गणेश ने भी यही भावना दोहराई। गणेश ने कहा जनार्दन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश से खनन परमिट प्राप्त किया, लेकिन

वे अलग-थलग पड़ गए

इस नतीजे ने बल्लारी की राजनीति में सबसे प्रभावशाली गठबंधनों में से एक को कमजोर कर दिया, जिससे जनार्दन रेड्डी की पुनरुद्धार रणनीति और कमजोर हो गई और वे अलग-थलग पड़ गए। मंगलवार को सीबीआई अदालत का फैसला अब एक निर्णायक झटका लगता दिख रहा है। इस सजा से जनार्दन रेड्डी निकट भविष्य में चुनावी राजनीति से दूर हो सकते हैं और राजनीतिक वापसी की सावधानीपूर्वक बनाई गई कहानी को ध्वस्त कर सकते हैं। भले ही वे अपील करें और स्थगन प्राप्त करें, लेकिन सजा उनके उत्साह को गंभीर रूप से प्रभावित करती है क्योंकि खनन घोटाले, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद की यादों को फिर से जगाती है जिसने उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया है।

अंतर-राज्यीय सीमा पर कर्नाटक के बल्लारी जिले में खनन कार्य किया। आंध्र प्रदेश परमिट का उपयोग करते हुए उन्होंने अवैध रूप से 20 से 30 लाख टन लौह अयस्क निकाला। सीबीआई कोर्ट का फैसला सराहनीय है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने अन्य संबंधित मामलों में जनार्दन रेड्डी को न्याय के कटघरे में लाने के लिए बहुत कम प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा अंतर-राज्यीय सीमा सर्वेक्षण अवैज्ञानिक है और जनार्दन रेड्डी के प्रभाव में काम करने वाले अधिकारी इसे सुधारने के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं। अपने उतार-चढ़ाव भरे राजनीतिक करियर में, पार्टी के भीतर दरकिनार किए जाने के बाद, जनार्दन रेड्डी ने 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले कल्याण राज्य प्रगति पक्ष नामक अपना खुद का संगठन बनाया। हालाँकि वे खुद गंगावती सीट जीतने में सफल रहे, लेकिन यह प्रयोग काफी हद तक विफल रहा। वे केआरपीपी के एकमात्र विजेता बने रहे, जबकि उनकी पत्नी लक्ष्मी अरुणा को भी भरत रेड्डी के हाथों बल्लारी शहर में निर्णायक हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद जनार्दन रेड्डी भाजपा में लौट आए और अपने प्रभाव को पुनर्जीवित करने के लिए अपने दृढ़ प्रयासों को जारी रखा। अदालत द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण बल्लारी से 13 साल से अधिक समय तक निर्वासन में रहने के बाद, उन्हें आखिरकार पिछले साल संदूर उपचुनाव से ठीक पहले सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली। उन्होंने अपने क्षेत्रीय प्रभुत्व को फिर से स्थापित करने के लिए भाजपा के अभियान की कमान संभालने में कोई समय बर्बाद नहीं किया। उप-चुनाव को उनकी बची हुई राजनीतिक पूंजी की अग्निपरीक्षा के रूप में देखा गया।

हालाँकि, परिणाम जनार्दन रेड्डी के पक्ष में नहीं गए। भाजपा ने संदूर सीट कांग्रेस के हाथों खो दी, और इसके बाद, उन्होंने कथित तौर पर अपने पुराने सहयोगी और करीबी सहयोगी बी. श्रीरामुलु पर दोष मढ़ने का प्रयास किया, जो एक प्रमुख भाजपा नेता और नाइक (बेडा) समुदाय से एक प्रमुख व्यक्ति हैं।

अगर मुंबई हमलों के बाद भी इसी तरह की कार्रवाई होती तो समस्या सुलझ गई होती: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने बुधवार को कहा कि अगर 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के बाद ऑपरेशन सिंदूर जैसा जवाबी हमला किया गया होता तो समस्या तभी सुलझ गई होती। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों ने आतंकवादियों द्वारा हिंदुओं की हत्याओं का बदला लेने के लिए आतंकवादियों को खत्म किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया है। भारत ने दिखा दिया है कि वह पाकिस्तानी धरती पर भी हमला कर सकता है। अगर मुंबई आतंकी हमलों के दौरान भी इस तरह की जवाबी कार्रवाई की गई होती तो समस्या तब सुलझ गई होती। अशोक ने कहा ऐसी परिस्थितियों में भी कांग्रेस पार्टी ने सोशल मीडिया पर शांति की बात की है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने लड़ाकू विमान पर नींबू बांधते हुए वीडियो बनाया। फिर भी, कर्नाटक

के मंत्री जमीर अहमद कहते हैं कि वे खुद पर बम बांधकर जाएंगे। पिछली बार सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान कांग्रेस नेताओं ने सबूत मांगे थे। अब सबूत मांगने से पहले ही सभी मीडिया में आ गए हैं। क्या कांग्रेस नेता अब भी सबूत खोजेंगे या शांति मंत्र जपते रहेंगे? शांति मंत्र जपने वाली कांग्रेस पार्टी किस तरफ है? युद्ध के समय शांति की बात करने वाली कर्नाटक कांग्रेस पूरी तरह से भटक गई है। यह राष्ट्र का अपमान है। जबकि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे केंद्र सरकार का समर्थन करते हैं, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया युद्ध के लिए मना करते हैं। कर्नाटक कांग्रेस और राष्ट्रीय कांग्रेस पूरी तरह से अलग हैं। वे वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश की चेतावनियों को कोई महत्व नहीं देते। शांति का नारा लगाने वाली कांग्रेस किस तरफ है? यह राष्ट्र का अपमान है। अशोक ने कहा मल्लिकार्जुन खड़गे को कम से कम अब कर्नाटक कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को चिंता है कि अगर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध हुआ तो वह मुस्लिम वोट खो देगी। जबकि सभी राज्य पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेज रहे हैं, कर्नाटक ने अभी तक ऐसा नहीं किया है। कांग्रेस कम से कम अपने ट्वीट में सैनिकों को बधाई तो दे सकती थी। कांग्रेस नेताओं को स्पष्ट करना चाहिए कि वे कब तक शांति मंत्र जपते रहेंगे।

देश के विभिन्न शहरों में आयोजित हुआ मॉकड्रिल, कई जगह ब्लैक आउट

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच लोगों को हवाई हमलों की स्थिति में राहत और बचाव के प्रति जागरुक करने और प्रशिक्षित करने के लिये केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा विभिन्न राज्यों को भेजे गये निर्देश के अनुसार बुधवार को देश के विभिन्न शहरों में सिविल डिफेंस के तहत मॉकड्रिल (अभ्यास) आयोजित किये गये।

आज शाम को 244 जिलों में ब्लैक आउट का भी अभ्यास किया गया। इस दौरान सिविल डिफेंस, पुलिस होमगार्ड और अन्य सरकारी एजेंसियों के लोग अभ्यास में शामिल थे।

राजधानी में डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल, मयूर विहार और खान मार्केट सहित दिन में हवाई हमले के सायरन के आवाज के साथ लोगों को बचाव और राहत के उपायों का प्रशिक्षण कराया गया। शाम को आठ से सवा आठ बजे के बीच नार्थ ब्लॉक,साउथ ब्लॉक, राष्ट्रपति भवन सहित राजधानी के तमाम इलाके में बत्तियां बुझा दी गयीं और कुछ देर के लिये राजधानी अंधेरे की चादर में लिपट गयी।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ग्रुप मुख्यालय जालंधर के तत्वावधान में छह एनसीसी बटालियनों के विभिन्न 250 शिक्षण संस्थानों ने सिविल डिफेन्स मॉक ड्रिल का अभ्यास किया। बिग्रेडियर अजय तिवारी सेना मेडल ग्रुप कमांडर ने बुधवार को बताया होशियारपुर, कपूरथला, फगवाड़ा और जालन्धर की तीन बटालियनों के कालेजों और स्कूलों में आठ हजार एनसीसी कैडेटों और छात्र/छात्राओं ने सिविल डिफेन्स मॉक ड्रिल का अभ्यास कराया गया। सेना के प्रशिक्षकों और शिक्षकों ने शिक्षण संस्थानों में लेक्चर, डेमो और युद्र के समय हवाई हमले से बचने के तरीके कैडेटों और छात्रों को सिखाये।

ब्रिगेडियर तिवारी से बताया कि क्लास या घर अन्दर, बाजार, खेल के मैदान और खुले मैदान में सिविल डिफेन्स के विभिन्न तरीके सिखाये गये। नागरिकों के घायल होने पर फर्स्ट एंड और और घायलों की निकासी के तरीके भी सिखाये गये हैं। कैडेटों और छात्रों को ब्लैक आउट में कार्रवाई भी सिखाई गयी। एक घंटे का ब्लैक आउट कल रात्रि जालन्धर कैंट में कराया जो आज भी रात आठ बजे से रात नौ बजे तक जालन्धर और अन्य जिलों में कराया जायेगा। आग के प्रकार और आग बुझाने के तरीके कैडेटों और छात्रों को सिखाये गये।

ब्रिगेडियेर अजय ने बताया कि राष्ट्र के 300 जिलों में सिविल डिफेन्स मॉक ड्रिल का अभ्यास कराया गया है और सभी नागरिकों को हवाई हमले और न्यूक्लियर बायोलॉजिकल और केमिकल वारफेयर में बचाव के तरीके कैडेटों और छात्रों को सिखाये गये। ग्रुप कमांडर ने सोशल मीडिया में निगेटिव खबरों और विडियों से बचने के बारे में बताया। केवल सरकारी चैनलों और एजेन्सियों से दी गयी, जानकारी और सूचनाओं पर ही भरोसा करना है। कैडेटों और छात्रों को युद्धाभ्यास और सिविल डिफेन्स की जानकारी बहुत महत्वपूर्ण हैं और कई कैडेट जीवन में पहली बार सीख रहे हैं।

पहलगाम में आतंकवादी हमला और आज के ऑपरेशन सिंदूर के बीच बनीं स्थितियों के मद्देनजर आज देशव्यापी सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल के तहत मध्यप्रदेश के पांच जिलों में शाम को मॉक ड्रिल किया गया। इस दौरान आपात स्थिति में नागरिकों को सुरक्षित बचाने का अभ्यास किया गया।

राजधानी भोपाल के अलावा इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और कटनी जिलों में मॉक ड्रिल किया गया। इसमें प्रशासनिक अमले के साथ ही स्वैच्छिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की गयी। इस दौरान यह प्रदर्शित किया गया कि युद्ध के दौरान निर्मित हालातों में किस तरह नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। इसका एक मुख्य उद्देश्य नागरिकों को मानसिक रूप से तैयार करना भी रहा।

प्रशासन का कहना है कि नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन राष्ट्र का महत्वपूर्ण विषय एवं जिम्मेदारी है, फलस्वरुप नागरिकों की सुरक्षा के लिये सिविल डिफेंस अधिनियम 1968 एवं अन्य नियमों में नागरिक सुरक्षा करने के प्रावधान किये गये हैं। नागरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्रीय गृह मंत्रालय की है, जो समय-समय पर राज्यों को आवश्यक निर्देश देती है

कि राज्य सरकारें नागरिक सुरक्षा योजनायें बनायें, योजनाओं की समय-समय पर समीक्षा करें और आवश्यकता पड़ने पर संशोधन करें।

नागरिक सुरक्षा योजनाओं का अभ्यास करने के लिये केन्द्र सरकार के निर्देश के अनुरूप पांच जिलों ग्वालियर, भोपाल, इन्दौर, जबलपुर एवं कटनी में यह अभ्यास किया गया।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर बुधवार को उत्तराखंड के देहरादून जनपद में नागरिकों की सुरक्षा के दृष्टिगत आयोजित सिविल डिफेंस 'मॉक ड्रिल' की निगरानी राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (यूएसडीएमए) स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र तथा जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से की गयी। गृह विभाग के सचिव शैलेश बगौली, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दीपम सेठ तथा सचिव, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास, विनोद कुमार सुमन ने से मॉक ड्रिल की मॉनीटरिंग की।

बुधवार को जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र, देहरादून से जिलाधिकारी सविन बंसल और आईआरएस तंत्र के अंतर्गत, उनकी पूरी टीम यूएसडीएमए से वर्चुअली जुड़ी रही। सायरन बजने के निर्धारित समय से पूर्व सचिव, गृह, शैलेश बगौली तथा डीजीपी श्री सेठ राज्य यूएसडीएमए पहुंचे। इस दौरान, वहां से घटना स्थलों, स्टेजिंग एरिया, इंसीडेंट कमांड पोस्ट तथा रिलीफ सेंटरों को भी जोड़ा गया।

श्री बगौली ने मॉक ड्रिल के दौरान, विभिन्न घटनाओं के बारे में जिला आ-पातकालीन परिचालन केंद्र में उपस्थित जिलाधिकारी श्री बंसल से विस्तारपूर्वक जानकारी ली। उन्होंने पूछा कि किस प्रकार घटना की सूचना प्राप्त होने पर फोर्सेज को रवाना किया गया, किन-किन टीमों को भेजा गया, शेल्टर कहां बनाये गये तथा उनकी क्षमता क्या है, स्टेजिंग एरिया में क्या-क्या व्यवस्थाएं हैं तथा कौन-कौन से संसाधन हैं, आईआरएस को कैसे एक्टिवेट किया गया।

श्री बगौली ने इंसिडेंट कमाण्ड पोस्ट की व्यवस्थाओं के बारे में भी उन्होंने विस्तार से पूछा। इस दौरान, उन्होंने आईआरएस यानी घटना प्रतिक्रिया प्रणाली के तहत किस अधिकारी की तथा किस विभाग की क्या जिम्मेदारी है, इसके बारे में भी संबंधित अधिकारियों से ही जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आईआरएस एक सशक्त प्रणाली है, जिसके माध्यम से आपदाओं का प्रभावी तरीके से सामना किया जा सकता है, इसलिए यह आवश्यक है कि राज्य स्तर से लेकर जनपद स्तर तथा तहसील स्तर तक आईआरएस के तहत किस विभाग की तथा किस अधिकारी की क्या भूमिका है, इसकी जानकारी सभी को होनी चाहिए।

डीजीपी दीपम सेठ ने इस दौरान, फील्ड पर मौजूद अधिकारियों से रिजर्व संसाधनों तथा उपकरणों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि जब भी एंबुलेंस, राहत और बचाव दलों के वाहनों का मूवमेंट हो, उस समय ट्रैफिक की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग के सचिव विनोद कुमार सुमन ने निर्देश दिए कि मॉक अभ्यास के दौरान, जो भी गैप्स तथा लूपहोल्स रहे हैं, उनको चिह्नित किया जाए तथा डी ब्रीफिंग कर उनके बारे में चर्चा कर, एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि यह कोशिश की जाएगी कि भविष्य में होने वाले मॉक अभ्यासों में इन्हें दूर किया जा सके।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद

जम्मू कश्मीर के सभी स्कूल कॉलेज और हवाई अड्डे बंद

जम्मू, 07 मई (ब्यूरो)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान द्वारा जवाबी कार्रवाई करने के डर से प्रदेश में आज सभी स्कूल और कालेजों को बंद कर दिया गया है। प्रदेश में डर और दहशत का माहौल है। जबकि भारतीय वायु सेना ने जम्घ्मू और श्रीनगर एयरपोर्ट पर हवाई क्षेत्र को बंद करने की पुष्टि की है, जिसके परिणामस्वरूप आज के लिए नागरिक उड़ान संचालन पूरी तरह से स्थगित हो गए हैं। जानकारी के लिए दोनों हवई अडडे वायुसेना के अधीन आते हैं। अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा स्थिति के कारण जम्मू के पांच जिलों में सभी शैक्षणिक संस्थान आज बंद रहेंगे। जम्मू के डिवीजनल कमिश्नर ने कहा कि मौजूदा सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर जम्मू, सांबा, कठुआ, राजौरी और पुंछ जिलों में सभी स्कूल, कॉलेज और शैक्षणिक संस्थान आज बंद रहेंगे।

अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और एहतियात के तौर पर आधिकारिक सलाह का पालन करने का आग्रह किया है। इसी तरह से डिविजनल कमिश्नर कश्मीर ने बुधवार को कहा कि कश्मीर के तीन जिलों में सभी शैक्षणिक संस्थान आज बंद रहेंगे। डिविजनल कमिशनर कश्मीर विजय कुमार बिधूड़ी ने बताया कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए बारामुल्ला, कुपवाड़ा और गुरेज में शैक्षणिक संस्थान, स्कूल, कॉलेज आज बंद रहेंगे। अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और शांति बनाए रखने का आग्रह किया है, साथ ही एहतियात के तौर पर आधिकारिक सलाह का पालन करने को कहा है।

इस बीच भारतीय वायु सेना ने जम्मू और श्रीनगर एयरपोर्ट पर हवाई क्षेत्र को बंद करने की पुष्टि की है, जिसके परिणामस्वरूप आज के लिए नागरिक उड़ान संचालन पूरी तरह से स्थगित हो गए हैं। जानकारी के लिए दोनों हवई अडडे वायुसेना के अधीन आते हैं।

श्रीनगर एयरपोर्ट के निदेशक जावेद अंजुम ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि एयरफील्ड बंद है और आज श्रीनगर एयरपोर्ट से कोई भी नागरिक उड़ान संचालित नहीं होगी। यह कदम ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में उठाया गया है, जो नियंत्रण रेखा के पार आतंकी शिविरों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किया गया एक सटीक हमला है। अधिकारियों ने यात्रियों से एयरपोर्ट पर जाने से पहले संबंधित एयरलाइनों से उड़ान की स्थिति की जांच करने का आग्रह किया है। जम्मू एयरपोर्ट भी बंद कर दिया गया हे क्योंकि यह पूरी तरह से इंटरनेशनल बार्डर के नजदीक माना जाता है।

आयुर्वेद की दो प्राचीन पांडुलिपियों का प्रकाशन

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद ने चिकित्सा विज्ञान की दो दुर्लभ आयुर्वेदिक पांडुलिपियों द्रव्यरत्नाकरनिघण्टुः और द्रव्यनामाकरनिघण्टुः को प्रकाशित किया है।

केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद ने पारंपरिक चिकित्सा में देश की समृद्ध धरोहर को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दो दुर्लभ और महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक पांडुलिपियों - द्रव्यरत्नाकरनिघण्टुः और द्रव्यनामाकरनिघण्टुः का प्रकाशन किया है। इन प्रकाशनों का अना-वरण मुंबई में राजा रामदेव आनंदीलाल पोदार केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक प्रोफेसर वैद्य रविनारायण आचार्य उपस्थित थे। मुंबई के प्रसिद्ध पांडुलिपिविज्ञानी और अनुभवी आयुर्वेद विशेषज्ञ, डॉ. सदानंद डी. कामत ने पांडुलिपियों का आलोचनात्मक संपादन और अनुवाद किया है।

प्रो. वैद्य रविनारायण आचार्य ने भारत के प्राचीन ज्ञान को समकालीन शोध ढांचों के साथ जोड़ने में इस तरह के पुनरुद्धार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ये ग्रंथ केवल ऐतिहासिक कलाकृतियां नहीं हैं - वे जीवित ज्ञान प्रणालियां हैं जो सोच-समझकर अध्ययन और लागू किए जाने पर समकालीन स्वास्थ्य सेवा दृष्टिकोण को बदल सकती हैं।

वर्ष 1480 में मुद्गल पंडित ने द्रव्यरत्नाकरनिघण्टुः लिखा और इस अप्रकाशित शब्दकोश में अठारह अध्याय हैं जो औषधि के पर्यायवाची, चिकित्सीय क्रियाओं और औषधीय गुणों पर हैं। 19वीं शताब्दी तक महाराष्ट्र में व्यापक रूप से संदर्भित यह ग्रंथ, धन्वंतरि और राजा निघण्टु जैसे शास्त्रीय निघण्टुओं से प्रेरणा लेता है। यह पौधे, खनिज और पशु मूल से कई नए औषधीय पदार्थों का दस्ता-वेजीकरण करता है।

पंद्रहवीं शताब्दी में लिखित द्रव्यरत्नाकरनिघण्टुः एक आयुर्वेदिक शब्दकोश जिसकी रचना भीष्म वैद्य ने की है। यह औषधि और पौधों के नामों के समानार्थी शब्दों पर केंद्रित है। कुल 182 श्लोकों और दो कोलोफोन श्लोकों को शामिल करते हुए।

मोदी ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग का किया आह्वान

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया के बेहतर भविष्य और विज्ञान की प्रगति के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान करते हुये बुधवार को कहा, हमने अपने अंतरिक्ष क्षेत्र को स्टार्टअप, उद्यमियों और युवा प्रतिभाओं के लिये खोल दिया है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि अगले कुछ ही सप्ताह में अमेरिका की अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी नासा के साथ संयुक्त मिशन के तहत एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए यात्रा करने जा रहा है।

श्री मोदी ने अंतरिक्ष अन्वेषण पर वैश्विक सम्मेलन-2025 को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय प्रगति का उल्लेख करते हुये कहा कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा का अर्थ दूसरों से प्रतिस्पर्धा करना नहीं है। भारत के लिए अंतरिक्ष अन्वेषण के साथ-साथ सशक्तिकरण का भी विषय है। भारत साथ मिलकर ऊंचाइयों को छूना चाहता है।

उन्होंने कहा, हम मानवता की भलाई के लिए अंतरिक्ष की खोज करने के लिए एकसाथ मिलकर लक्ष्य साझा करते हैं। हमने दक्षिण एशियाई देशों के लिए एक उपग्रह लॉन्च किया। अब, हमारी जी-20 की अध्यक्षता के दौरान घोषित जी-20 उपग्रह मिशन ग्लोबल साउथ (विकाशील देशों) के लिए एक उपहार होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत एक साथ सपने देखने, एक साथ निर्माण करने और एक साथ सितारों तक पहुंचने के लिए खड़ा है। आइए हम एक साथ मिलकर अंतरिक्ष अन्वेषण में एक नया अध्याय लिखें, जो विज्ञान और बेहतर कल के लिए साझा सपनों द्वारा निर्देशित हो। इस सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिक, अन्वेषक, अंतरिक्ष यात्री और विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत का अंतरिक्ष दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुम्बकम' के प्राचीन ज्ञान पर आधारित है, जिसका अर्थ है कि पूरी दुनिया एक परिवार है। हम न केवल अपने विकास के लिए प्रयास करते हैं, बल्कि वैश्विक ज्ञान को समृद्ध करने, सामान्य चुनौतियों का समाधान करने और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने का प्रयास करते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 1963 में एक छोटे रॉकेट को प्रक्षेपित करने से लेकर, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बनने तक, अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत यात्रा उल्लेखनीय रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा, वर्ष 2035 तक, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में नयी सीमायें खोलेगा। वर्ष 2040 तक, एक भारतीय के पैरों के निशान चंद्रमा पर होंगे। मंगल और शुक्र भी हमारे रडार पर हैं।

उन्होंने कहा कि भारत ने अपने अंतरिक्ष क्षेत्र को स्टार्टअप, उद्यमियों और युवा प्रतिभाओं के लिए खोल दिया है। देश में

आज 250 से अधिक अंतरिक्ष स्टार्टअप हैं। वे उपग्रह प्रौद्योगिकी, प्रणोदन प्रणाली, इमेजिंग और बहुत कुछ में अत्याधुनिक प्रगति में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के कई अंतरिक्ष मिशनों का नेतृत्व महिला वैज्ञानिकों द्वारा किया जा रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत वैज्ञानिक अन्वेषण की लगातार नयी-नयी सीमायें तय करते हुए नये आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारा पहला मानव अंतरिक्ष-उड़ान मिशन, 'गगनयान', हमारे देश की बढ़ती आकांक्षाओं को प्रदर्शित करता है।

सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल एक साल बढ़ा

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बुधवार को सीबीआई निदेशक प्रवीन सूद का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया। सूद ने 25 मई 2023 को दो वर्ष की अवधि के लिए सीबीआई निदेशक का पदभार संभाला था।

एक साल के सेवा विस्तार के बाद वह इस पद पर मई 2026 तक बने रहेंगे। इससे पहले सोमवार को अगले सीबीआई निदेशक की नियुक्ति के लिए पीएमओ में बैठक हुई थी। जिसमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हुए थे।

केंद्र सरकार ने बुधवार को सीबीआई निदेशक प्रवीन सूद का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया। सूद ने 25 मई 2023 को दो वर्ष की अवधि के लिए सीबीआई निदेशक का पदभार संभाला था। एक साल के सेवा विस्तार के बाद वह इस पद पर मई 2026 तक बने रहेंगे। सरकार की ओर से जारी बयान में मुताबिक, उनके कार्यकाल को बढ़ाने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई चयन समिति की बैठक में लिया गया।

इस समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल थे। चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर नियुक्तियों की मंत्रिमंडलीय समिति (एसीसी) ने 24 मई के बाद एक वर्ष की अवधि के लिए सूद के कार्यकाल के विस्तार को मंजूरी दी।

प्रवीन सूद 1986 बैच के कर्नाटक कैडर के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं। उन्हें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का निदेशक नियुक्त किए जाने से पहले कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में कार्यरत थे। सूद का जन्म 1964 में हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में हुआ था। उन्होंने 22 वर्ष की आयु में भारतीय पुलिस सेवा ज्वाइन की थी। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की है। इसके अलावा उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), बेंगलुरु और न्यूयॉर्क स्थित मैक्सवेल स्कूल ऑफ गवर्नेंस, सिरैक्यूज़ यूनिवर्सिटी से स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की है।

सूद ने कई हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच की निगरानी की। तकनीक-प्रेमी सूद कर्नाटक में न्यायपालिका के साथ मिलकर सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) और आईसीजेएस (इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम) को मजबूत करने की दिशा में भी कार्य कर चुके हैं।

देश के अंदर नक्सलवाद पर स्ट्राइक

ऑपरेशन सिंदूर के बीच छत्तीसगढ़ में 18 नक्सली ढेर

बीजापुर, 07 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर स्थित कर्रेगुट्टा की पहाड़ी के पास सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ में 18 से ज्यादा नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। सुरक्षा बलों द्वारा बड़े स्तर पर नक्सल-विरोधी ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यह ऑपरेशन पिछले 15 दिनों से लगातार चलाया जा रहा है। 16वें दिन सुरक्षाबलों को यह बड़ी सफलता मिली है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के कर्रेगुट्टा की विशाल और दुर्गम पहाड़ियों में पिछले दो सप्ताह से सुरक्षा बलों द्वारा बड़े स्तर पर नक्सल-विरोधी ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

इसी अभियान के तहत मंगलवार देर रात एक बड़ी मुठभेड़ हुई है, जिसमें सुरक्षा बलों ने 18 से ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया है। नक्सलियों के मारे जाने का आंकड़ा बढ़ सकता है। मारे गए नक्सलियों के पास से हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है।

मॉकड्रिल में सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों से मिले सीएम योगी

बहन बेटियों का सिंदूर उजाड़ने वालों का खानदान उजड़ा : योगी

लखनऊ, 07 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर आतंकियों को करारा जवाब है। जिन्होंने भारत की बहन बेटियों का सिंदूर छेड़ने की कोशिश की, उन्हें अपना खानदान खोना पड़ा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी में मॉकड्रिल कार्यक्रम के दौरान नागरिक सुरक्षा की तैयारियों का जायजा लेते हुए ये बातें कहीं। सीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश की सेना की बहन-बेटियों के प्रति संवेदना का प्रतीक है। सेना के पराक्रम को जनता का भी पूरा समर्थन है। उन्होंने पहलगाम हमले पर सेना की कार्रवाई को निर्णायक बताया। सीएम बोले, देश की आन बान और शान के साथ किसी को खिलवाड़ नहीं करने देंगे। देश सर्वप्रथम है। भारत माता के खिलाफ जिन्होंने साजिश रची है उन्हें इसका परिणाम भुगतना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत माता के खिलाफ जो भी साजिश रचेगा, उसे परिणाम भुगतना होगा। सेना की कार्रवाई का पूर्ण समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि गांव, शहर और मोहल्लों में जब भी सुरक्षा से जुड़ा मामला सामने आएगा, तब सबसे पहले देश की चिंता की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल एनसीसी, होमगार्ड या स्काउट नहीं, बल्कि आम नागरिकों को भी सुरक्षा एजेंसियों के साथ जुड़ना होगा। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने कर्तव्यों को समझें और देश की सुरक्षा में सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री योगी ने पहलगाम की आतंकी घटना के जवाब में की गई सैन्य कार्रवाई के लिए तीनों सेनाओं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री और केंद्रीय मंत्रिमंडल को उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से बधाई दी। उन्होंने पहलगाम में शहीद हुए लोगों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।

सीएम योगी ने नागरिक सुरक्षा से जुड़ी सभी एजेंसियों के साथ व्यक्तिगत तौर पर बातचीत कर उनकी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ऐसे मॉक ड्रिल्स से आम जनता को आपात स्थितियों में सही कदम उठाने की जानकारी मिलती है, जो राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

लखनऊ के रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित मॉक ड्रिल में सीएम योगी आदित्यनाथ ने भारत माता के जयकारों से शुरुआत की।

एनडीआरएफ द्वारा जैसे ही मॉक ड्रिल शुरू की गई, सायरन बजने लगा। दुश्मन की एयर स्ट्राइक से बचने के लिए ब्लैकआउट किया गया, नागरिकों ने सुरक्षित स्थानों की शरण ली। दूसरे सायरन के साथ जब खतरा समाप्त हुआ, तब घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। फायर, चिकित्सा कर्मियों और रेस्क्यू टीमों ने घायलों की मदद की। नागरिकों को ध्वस्त ढांचे से बचाने और केमिकल हमले से निपटने के उपाय भी सिखाए गए। इस अवसर पर सीएम योगी के साथ वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी प्रशांत कुमार, एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश, लखनऊ की कमिश्नर रौशन जैकब, लखनऊ के पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र सिंह सेंगर, लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख जी समेत अन्य अफसर मौजूद थे।

25 लाख नए किसानों का जल्द बनेगा क्रेडिट कार्ड

सभी मंडलायुक्तों और डीएम को जारी किए गए निर्देश

लखनऊ, 07 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 71 लाख से अधिक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की सुविधा प्रदान की है। वहीं, चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में 25 लाख नए किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सभी लाभार्थी किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने का कार्य तेज कर दिया है। इस कार्य के अंतर्गत सहकारी और व्यवसायिक बैंकों की सहायता से कार्ड का वितरण किया जा रहा है। भारत सरकार ने भी सभी पात्र किसानों को केसीसी से जोड़ने के निर्देश दिए हैं, ताकि वे फसली ऋण जैसी सुविधाओं का लाभ ले सकें।

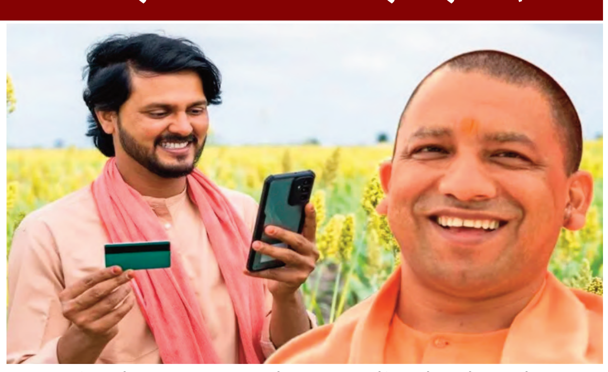

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेती-किसानी को फायदे का सौदा बनाने की योजना तैयार की है। जिसका उद्देश्य ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना और कृषि को आर्थिक रूप से मजबूत करना है। किसान क्रेडिट कार्ड योजना इसी नीति का हिस्सा है, जिससे किसानों को समय पर आर्थिक मदद मिलती है और वे साहूकारों के चंगुल में फंसने से बचते हैं। किसान क्रेडिट कार्ड योजना के जरिए फसली ऋण वितरण में भी वृद्धि दर्ज की गई है। इस योजना के अंतर्गत किसानों को खेती के लिए आवश्यक धनराशि बैंक से कम ब्याज पर उपलब्ध कराई जाती है। जिससे वे उन्नत बीज, खाद, कीटनाशक आदि की खरीद कर सकें। इससे न केवल उनकी पैदावार बढ़ती है, बल्कि आय भी दोगुनी होती है। प्रदेश सरकार ने आने वाले वित्तीय वर्ष में 25 लाख नए किसानों को केसीसी योजना से जोड़ने की योजना बनाई है। इसके लिए जिला स्तर पर विशेष अभियान चलाए जाएंगे और पात्र किसानों को चिन्हित कर कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा संभालेंगे यूपी पुलिस के जवान

लखनऊ, 07 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन जल्द ही शुरू होने वाला है। गौतमबुद्ध नगर के जेवर में बन रहे एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट पर किसी प्रकार की सुरक्षा चूक न हो और यहां तैनात होने वाले पुलिस बल की सक्षमता पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है।

इसी कड़ी में, जेवर एयरपोर्ट पर तैनात होने वाले पुलिसबल को चयनित कर उनकी विशेष ट्रेनिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस एक महीने चलने वाली ट्रेनिंग प्रक्रिया के अंतर्गत 45 पुलिस कर्मियों के पहले बैच को प्रशिक्षित कर दिया गया है।

इस ट्रेनिंग का आयोजन ब्यूरो ऑफ इमीग्रेशन की अनुशंसा पर लखनऊ स्थित फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरअ-ाआरओ) द्वारा कराया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार

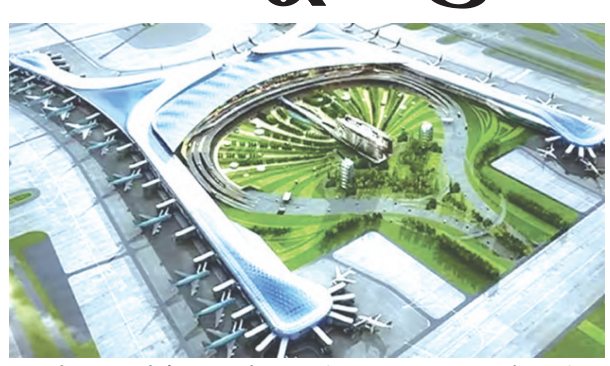

द्वारा जेवर एयरपोर्ट पर इमीग्रेशन सर्विसेस समेत तमाम कार्यों की निगरानी व प्रबंधन के लिए राज्य पुलिस बल की नियुक्ति का आग्रह किया गया था, जिसे पूरा करते हुए योगी सरकार ने पुलिस विभाग के विभिन्न कार्मिकों को सेवाएं देने के लिए चिह्नित किया है। इन सभी कार्मिकों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ट्रेंड करने तथा विशेष तौर पर इमीग्रेशन सर्विवेस के सफल संचालन के लिए सतर्क, सक्षम व सुदृढ़ निगरानी प्रणाली के तौर पर कार्य करने के लिए ट्रेंड किया जा रहा है।

सीएम योगी के विजन को मिशन मानकर उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग द्वारा गौतमबुद्ध नगर के जेवर स्थित एनआईएल में जिन पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाना है उन्हें विशिष्ट ट्रेनिंग प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश पुलिस बल द्वारा एनआईएल की सुरक्षा प्रणाली मजबूत करने के लिए जिन 131 पुलिस कार्मिकों का चयन किया गया है उनमें 10 इंस्पेक्टर, 42 सब इंस्पेक्टर तथा 62 कॉन्सटेबल शामिल हैं। इनके अतिरिक्त, 17 पुलिसकर्मी रिजर्व में रखे जाएंगे। ये सभी 131 पुलिसकर्मी ग्रेजुएट हैं तथा 50 वर्ष से कम उम्र के हैं। ये कंप्यूटर तथा अंग्रेजी भाषा में दक्ष हैं।

उल्लेखनीय है कि एनआईए के संचालन की शुरुआत होते ही कुल 19 काउंटर्स का आव्रजन सेवाओं के लिए संचालन होगा। इनमें से 10 काउंटर आगमन के तथा 9 काउंटर प्रस्थान के हैं। इन्हीं काउंटर्स पर इमीग्रेशन सर्विसेस के सतर्क, सक्षम व कुशल संचालन के लिए राज्य पुलिसबल के स्टाफ की तैनाती होनी है और ऐसा होने के पूर्व उन्हें विशिष्ट ट्रेनिंग प्रक्रिया से दक्ष बनाया जा रहा है। इसके पहले बैच की ट्रेनिंग प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है जबकि अन्य बैच की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होने वाली है। यह प्रक्रिया आईपीएस हर्ष सिंह (फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर) की देखरेख में पूरी की जा रही है और माना जा रहा है कि जुलाई तक यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) द्वारा लखनऊ में आयोजित किए जा रहे ट्रेनिंग प्रोग्राम मंन जेवर एयरपोर्ट पर तैनात होने वाले राज्य पुलिसकर्मियों को विशेषतौर पर आव्रजन संबंधी अपराधों के प्रति जागरूक करने, अपराधियों की शिनाख्त, धरपकड़ और त्वरित कार्रवाई करने के लिए दक्ष बनाया जा रहा है। इस विशिष्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम में पुलिस कार्मिकों को थ्योरी, फील्ड नॉलेज, रीयलटाइम ट्रेनिंग, प्रैक्ट्रिकल ट्रेनिंग, पासप-ोर्ट वेरिफिकेशन, ई-वीजा मॉनिटरिंग, आईएफआरटी, लेटेस्ट इमर्जिंग ट्रेंड के प्रति ट्रेंड किया गया है। इसके जरिए वह लॉ वायलेशन, ह्यूमन ट्रैफिकिंग, स्मगलिंग, पासपोर्ट व वीजा फ्रॉड, जॉब स्कैम जैसी चुनौतियों को चिह्नित कर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराधियों की धरपकड़ कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, उन्हें इंटेलिजेंस गैदरिंग में मदद मिलेगी और खास तौर पर गैर अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।

सपा काल में हुए सबसे ज्यादा अत्याचार : ब्रजेश पाठक

अखिलेश को ब्राह्मण समाज पर बोलने का हक नहीं

लखनऊ, 07 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर ब्राह्मण समाज को लेकर तीखा हमला बोला है। पाठक ने अखि-लेश की राजनीति को जातिवाद पर आधारित बताते हुए कहा कि सपा ने समाज में जातिवाद का जहर बोने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ब्राह्मण समाज पर बोलने का अखिलेश को कोई अधिकार नहीं है। ब्रजेश पाठक का बयान अखिलेश यादव द्वारा बुधवार को किये गये प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद आया है।

पाठक ने सपा के शासनकाल में ब्राह्मण समाज के खिलाफ अत्याचार और अपमान के कई उदाहरण गिनाए। उन्होंने कहा कि कन्नौज के मासूम नीरज मिश्र की गर्दन कटवाकर लखनऊ मंगवाने का काम सपा के शासन में हुआ।

इटावा में वाजपेयी परिवार का सार्वजनिक अपमान किया गया। सपा के शासनकाल में पूरे प्रदेश में ब्राह्मण समाज पर संगठित ढंग से अत्याचार और अनाचार हुए। जब-जब ब्राह्मण समाज का मान-मर्दन हुआ, तब-तब प्रदेश में सपा की सरकार थी। उपमुख्यमंत्री ने सपा पर ब्राह्मण समाज को लगातार निशाना बनाने और उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया।

नेपाल सीमा के नजदीकी जिलों में अवैध कब्जों पर कार्रवाई जारी

लखनऊ, 07 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई बुधवार को भी जारी रही। श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, सिद्धार्थनगर, महराजगंज और लखीमपुर खीरी में स्थानीय जनपद व पुलिस प्रशासन ने विशेष अभियान चलाया।

श्रावस्ती जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि बुधवार को तहसील जमुनहा के ग्राम रामपुर बस्ती में शासकीय भूमि पर स्थित अवैध मदरसा को ध्वस्त कर दिया गया है। यही कार्रवाई भिनगा तहसील के ग्राम केशवापुर, जोगिनभरिया में स्थित मदरसे पर भी की गई। इसके साथ ही निजी भूमि पर अमान्यता प्राप्त दो मदरसों को चिह्नित कर सीलिंग की

कार्रवाई की गई। सिद्धार्थनगर के अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) व अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बुधवार को यहां ग्राम युसूफपुर पोस्ट शिवपति नगर तहसील नौगढ़ के अंतर्गत मदरसा दारुल हुदा ने अपनी बाउंड्रीवाल को ध्वस्त कराया।

ग्राम दुल्हा शुमाली फसादीपुर नौगढ़ तथा सिकरी बाजार गांव में अवैध मदरसे पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। ग्राम गौरा उर्फ गौरी, बजहा बाजार में मदरसा शमशुल हुदा में जेबीसी लगाकर स्वयं ही ध्वस्त कराया गया। गांव भादा मुस्तहकम, शोहरतगढ़ में भी अवैध मदरसे पर कार्रवाई हुई।

महराजगंज में बुधवार को 5 अवैध मदरसों पर प्रशासन का चाबुक चला। तहसील फरेंदा ग्राम इलाहाबास में अवैध मदरसे को हटाया गया, जबकि निचलौल तहसील में मान्यता प्राप्त किए बिन संचालित हो रहे चार मदरसों को नोटिस देकर सील किया गया। बलरामपुर प्रशासन ने बताया कि बुधवार को यहां ग्राम परसा विजुआ तुलीसपुर में अनधिकृत मदरसा को ध्वस्त किया गया। इसके साथ ही ग्राम सोनपुर तहसील बलरामपुर में मजार से अतिक्रमण हटाया गया। लखीमपुर खीरी की जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल व पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने बताया कि प्रशासन ने यहां सार्वजनिक भूमि पर एक मस्जिद, एक मजार, एक ईदगाह पर अतिक्रमण पाया है, जबकि निजी भूमि पर दो मदरसे ऐसे पाए गए, जो अवैध हैं। यहां एक को सील करते हुए दो ईदगाह पर कार्रवाई की गई है। सार्वजनिक भूमि पर बने अवैध मस्जिद और मजार को भी हटाया गया है। बहराइच डीएम और एसपी के मुताबिक बुधवार को एक मदरसे को हटाया गया।

इसके अतिरिक्त 10 किमी के मध्य सरकारी भूमि से बुधवार को चार अतिक्रमण हटाया गया। यहां से कुल 169 अवैध अतिक्रमण को हटाया जा चुका है।

युवा सशक्तिकरण के लिए कौशल विकास पर योगी सरकार का जोर

लखनऊ, 07 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने कौशल विकास को आधार बनाकर युवाओं का सशक्तिकरण कर रही है। इसके अंतर्गत युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के साथ ही कौशल योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक युवाओं को दिए जाने पर बल दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में स्थानीय आवश्यकताओं और आधुनिक तकनीकों को जोड़ने के साथ औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और कौशल विकास मिशन को मिलकर रोजगार उन्मुख पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की भी योजना है।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बुधवार को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन कार्यालय, लखनऊ में डेलॉयट इंडिया के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में कौशल विकास योजनाओं की वर्तमान प्रगति और भविष्य की दिशा पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री ने निर्देश दिया कि डेलॉयट इंडिया के साथ नियमित बैठक कर आगामी दो वर्षों की प्रगति रिपोर्ट तैयार की जाए। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही कौशल योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक युवाओं को मिले। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे वे रोजगार के लिए भटकने को मजबूर न हों। राज्यमंत्री ने कहा कि अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए विभिन्न संस्थानों से निरंतर संवाद किया जाए और अधिकाधिक अवसर युवाओं को प्रदान किए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि योजनाओं की समीक्षा छात्रों की प्रतिक्रिया से हो, जिसके लिए रैंडम कॉल और फील्ड निरीक्षण कर छात्रों से सीधे संवाद स्थापित किया जाए।

संपादकीय

आतंक पर हमला, तो युद्ध

प्रधानमंत्री मोदी और वायुसेना प्रमुख चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह की मुलाकात हुई। इससे एक दिन पहले नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी प्रधानमंत्री से मिले थे। सेना प्रमुखों की प्रधानमंत्री के साथ ये मुलाकातें सामान्य नहीं हैं। प्रधानमंत्री इन मुलाकातों से पहले 29 अप्रैल को रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और तीनों सेनाओं के प्रमुखों की एक बैठक कर चुके थे। उसी में सेनाओं को प्रहार का तरीका, लक्ष्य, जगह और समय तय करने की 'खुली छूट' दी गई थी। फिर अलग से ये मुलाकातें क्यों की गईं? बेशक सेनाओं को खुली छूट है, लेकिन वे अलग-अलग प्रधानमंत्री को तो ब्रीफ करेंगी कि यदि युद्ध की नौबत आई, तो उनकी क्या तैयारियां हैं? वायुसेना प्रमुख ने हवाई आक्रमण का खुलासा किया होगा! हाल ही में उप्र के शाहजहांपुर में 'गगा एक्सप्रेस वे' पर बनाई गई विशेष हवाई पट्टी पर राफेल, सुखोई, मिग-29, एएन-32, जगुआर, मिराज सरीखे लड़ाकू विमानों ने टच एंड गो का प्रदर्शन किया और रात्रि में लैंडिंग कर अपने युद्धाभ्यास को सार्थक किया। अर्थात हमारे लड़ाकू विमान किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार हैं। नौसेना अध्यक्ष ने अरब सागर की हलचलों से प्रधानमंत्री मोदी को ब्रीफ किया होगा! नौसेना ने विशालकाय आईएनएस-विक्रांत को समंदर में तैनात कर दिया है। वह लड़ाकू विमानों और परमाणु अस्त्रों से युक्त है। भारत ने परमाणु मिसाइल वाली पनडुब्बी को भी समंदर में 'सक्रिय' कर दिया है। नौसेना सुरक्षा और निगरानी को अधिक बढ़ाने के मद्देनजर भारत ने अमरीका की 'हॉक आई' खरीदने का 13.1 करोड़ रुपए का करार किया है। रूस से 'इग्ला-एस' मिसाइलें खरीदने का करीब 260 करोड़ रुपए का करार किया गया है। ऐसी कई तैयारियां होंगी, जो हमारी सेनाएं कर रही हैं, लेकिन न तो हमें पर्याप्त जानकारी है और न ही राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर हम उन्हें सार्वजनिक करेंगे। प्रधानमंत्री के साथ सेना-प्रमुखों की ऐसी मुलाकातों और बैठकों में विशिष्ट लक्ष्यों, उद्देश्यों, आपातकालीन जरूरतों, सेना-विशेष की चुनौतियों और उचित समय आदि पर खुल कर बातचीत होती है। सेना-प्रमुख प्रधानमंत्री को अपनी सेना की तैयारियों और संभावित विकल्प पर तुरंत प्रहार करने की क्षमताओं को भी ब्रीफ करते हैं। इनके ये मायने नहीं हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध छिडऩे ही वाला है। भारत के प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री ने युद्ध संबंधी न तो कोई बयान दिया है और परमाणु हथियारों की धमकी तो बहुत दूर की बात है। पाकिस्तान के मंत्री और राजदूत परमाणु हथियार इस्तेमाल करने के लगातार बयान देते रहे हैं। भारत में सेना-प्रमुख कोई भी बयान नहीं देते। यह विशेषाधिकार प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री का है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार देश को आश्वस्त किया है कि आतंकियों और उन्हें समर्थन देने वालों पर ठोस और निर्णायक कार्रवाई जरूर की जाएगी। यानी भारत के राजनीतिक नेतृत्व और सेनाओं के निशाने पर पाकिस्तान में बसे और सक्रिय आतंकी, उनके गुट और उनके पनाहगार हैं। देश के अनुभवी रक्षा विशेषज्ञों, जिन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल और मेजर जनरल के पद पर रहते हुए पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाइयां और टकराव लड़े और झेले हैं, का मानना है कि इस बार आतंकियों के साथ-साथ पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई तथा फौज को निशाना बनाया जा सकता है। वे भी नहीं जानते कि यदि भारत ने प्रहार किया, तो वह किस दर्जे का होगा, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि पाकिस्तान की फौज और आईएसआई पर किसी किस्म का हमला किया जाता है, तो पाकिस्तान उसका पलटवार करेगा और वही युद्ध में तबदील हो सकता है। यह बाद की बात है कि पाकिस्तान युद्ध में कितने दिन तक टिक पाएगा, उसके पास गोला-बारूद तक पर्याप्त नहीं है, लेकिन इस तरह युद्ध छिड़ सकता है। चीन पाकिस्तान को मदद दे सकता है। तुर्किये ने भी कुछ हथियार और रक्षा सामग्री पाकिस्तान को भेजी है, ऐसी खबरें आई हैं।

> सेना प्रमुखों की प्रधानमंत्री के साथ ये मुलाकातें सामान्य नहीं हैं। प्रधानमंत्री इन मुलाकातों से पहले 29 अप्रैल को रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और तीनों सेनाओं के प्रमुखों की एक बैठक कर चुके थे। उसी में सेनाओं को प्रहार का तरीका, लक्ष्य, जगह और समय तय करने की 'खुली छूट' दी गई थी। फिर अलग से ये मुलाकातें क्यों की गईं? बेशक सेनाओं को खुली छूट है, लेकिन वे अलग-अलग प्रधानमंत्री को तो ब्रीफ करेंगी कि यदि युद्ध की नौबत आई, तो उनकी क्या तैयारियां हैं? वायुसेना प्रमुख ने हवाई आक्रमण का खुलासा किया होगा! हाल ही में उप्र के शाहजहांपुर में 'गगा एक्सप्रेस वे' पर बनाई गई विशेष हवाई पट्टी पर राफेल, सुखोई, मिग-29, एएन-32, जगुआर, मिराज सरीखे लड़ाकू विमानों ने टच एंड गो का प्रदर्शन किया और रात्रि में लैंडिंग कर अपने युद्धाभ्यास को सार्थक किया। अर्थात हमारे लड़ाकू विमान किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार हैं। नौसेना अध्यक्ष ने अरब सागर की हलचलों से प्रधानमंत्री मोदी को ब्रीफ किया होगा! नौसेना ने विशालकाय आईएनएस-विक्रांत को समंदर में तैनात कर दिया है।

रवीन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती

रवीन्द्रनाथ टैगोरः रोशनी जिनके साथ चलती थी

ललित गर्ग

> रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी अनूठी, हृदयस्पर्शी एवं आध्यात्मिक रचनाओं के लिए लोग गुरुदेव कहकर पुकारते हैं। उनका जन्मदिन केवल जन्म का जश्न मनाने के लिए नहीं है, बल्कि उनके विचारों और मूल्यों को याद करने और उनके सद्भाव, संपूर्णता और अखंडता के आदर्शों और आकांक्षाओं के अमूल्य योगदान का सम्मान करने का भी एक अवसर है। टैगोर एक ऐसे दिव्य एवं अलौकिक व्यक्ति एवं समाजक्रांति के प्रेरक थे, रोशनी जिनके साथ चलती थी। रवीन्द्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में हुआ।

भारत का राष्ट्र-गान 'जन गण मन' और बाँग्लादेश का राष्ट्रीय गान 'आमार सोनार बांङ्ला' के रचयिता एवं भारतीय साहित्य के नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर की जन्म जयंती हर साल 7 मई को मनाई जाती है। वे एक महान एवं विश्वविख्यात कवि, लेखक, साहित्यकार, दार्शनिक, समाज सुधारक और चित्रकार थे। उन्हें बांग्ला साहित्य के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नयी जान फूँकने वाले युगदृष्टा, युगस्रष्टा एवं युग-निर्माता माना जाता है। रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी अनूठी, हृदयस्पर्शी एवं आध्यात्मिक रचनाओं के लिए लोग गुरुदेव कहकर पुकारते हैं। उनका जन्मदिन केवल जन्म का जश्न मनाने के लिए नहीं है, बल्कि उनके विचारों और मूल्यों को याद करने और उनके सद्भाव, संपूर्णता और अखंडता के आदर्शों और आकांक्षाओं के अमूल्य योगदान का सम्मान करने का भी एक अवसर है। टैगोर एक ऐसे दिव्य एवं अलौकिक व्यक्ति एवं समाजक्रांति के प्रेरक थे, रोशनी जिनके साथ चलती थी। रवीन्द्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में हुआ। उनके पिता देवेन्द्रनाथ टैगोर और माता शारदा देवी थीं। उनकी आरम्भिक शिक्षा प्रतिष्ठित सेंट जेवियर स्कूल में हुई। उन्होंने बैरिस्टर बनने की इच्छा में 1878 में इंग्लैंड के ब्रिजटोन में पब्लिक स्कूल में नाम लिखाया फिर लन्दन विश्वविद्यालय में कानून का अध्ययन किया किन्तु 1880 में बिना डिग्री प्राप्त किए ही स्वदेश लौट आए। सन् 1883 में मृणालिनी देवी के साथ उनका विवाह हुआ। टैगोर परिवार बंगाल पुनर्जागरण के समय अग्रणी था। उन्होंने साहित्यिक पत्रिकाओं का प्रकाशन किया; बंगाली और पश्चिमी शास्त्रीय संगीत एवं रंगमंच और पटकथाएं वहां नियमित रूप से प्रदर्शित हुईं थीं। टैगोर के सबसे बड़े भाई द्विजेंद्रनाथ एक दार्शनिक और कवि थे एवं दूसरे भाई सत्येंद्रनाथ कुलीन और पूर्व में सभी यूरोपीय सिविल सेवा के लिए पहले भारतीय नियुक्त व्यक्ति थे। एक भाई ज्योतिरिंद्रनाथ, संगीतकार और नाटककार थे एवं इनकी बहिन स्वर्णकुमारी उपन्यासकार थीं। टैगोर ने लगभग 2,230 गीतों की रचना की। रवींद्र संगीत बाँग्ला संस्कृति का अभिन्न अंग है। टैगोर के संगीत को उनके साहित्य से अलग नहीं किया जा सकता। उनकी अधिकतर रचनाएं तो अब उनके गीतों में शामिल हो चुकी हैं। हिंदुस्तानी

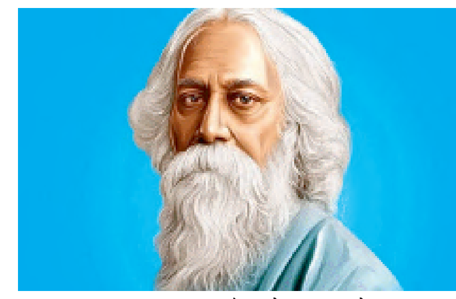

शास्त्रीय संगीत की ध्रूवपद शैली से प्रभावित ये गीत मानवीय भावनाओं एवं संवेदनाओं के अलग-अलग रंग प्रस्तुत करते हैं। गुरुदेव टैगोर की कविताओं में हमें अस्तित्व के असीम सौन्दर्य, प्रकृति और भक्ति के दर्शन होते हैं। उनकी बहुत-सी कविताएं प्रकृति के सौन्दर्य से जुड़ी हैं। गुरुदेव ने जीवन के अंतिम दिनों में चित्र बनाना शुरू किया। इसमें युग का संशय, मोह, क्लान्ति और निराशा के स्वर प्रकट हुए हैं। मनुष्य और ईश्वर के बीच जो चिरस्थायी सम्पर्क है, उनकी रचनाओं में वह अलग-अलग रूपों में उभरकर सामने आया। टैगोर और महात्मा गाँधी के बीच राष्ट्रीयता और मानवता को लेकर हमेशा वैचारिक मतभेद रहा। जहां गांधी पहले पायदान पर राष्ट्रवाद को रखते थे, वहीं टैगोर मानवता को राष्ट्रवाद से अधिक महत्व देते थे। लेकिन दोनों एक दूसरे का बहुत अधिक सम्मान करते थे। एक समय था जब शान्ति निकेतन आर्थिक कमी से जूझ रहा था और गुरुदेव देश भर में नाटकों का मंचन करके धन संग्रह कर रहे थे, उस समय गांधीजी ने टैगोर को एक बड़ी राशि का अनुदान का चेक दिया था। टैगोर के कई गीतों और कहानियों ने मानव चेतना को बदलने और कार्य करने के लिए साहस और प्रतिबद्धता को प्रेरित किया। उन्होंने कला का अभ्यास कला के लिए नहीं किया, न ही आत्म-अभिव्यक्ति के तरीके के रूप में और कम से कम मनोरंजन के लिए तो कत्तई नहीं किया, बल्कि उनकी कला भी नये मानव एवं नये विश्व की संरचना से प्रेरित थी। उनकी कला जीवन के गहरे अर्थ को स्पष्ट करने और आत्मा को ठीक करने की पेशकश थी। अपने शिल्प के उस्ताद के रूप में, टैगोर ने कविता की शुद्धता को जीने के उद्देश्य के साथ जोड़ा। उन्होंने न केवल अपने जीवन में मृत्यु, अवसाद और निराशा के कारण अनुभव किए गए दुख और पीड़ा को ठीक किया, बल्कि उन्होंने भारतीय समाज के भीतर अन्याय और असमानता के घावों को भरने के लिए भी काम किया। उन्होंने उन्नत कृषि, अच्छे स्कूलों, आरामदायक आर्थिक स्थितियों और बेहतर जीवन स्तर के माध्यम से मानव समुदायों के बाहरी विकास के लिए काम किया, लेकिन साथ ही उन्होंने आत्मा के नवीनीकरण, आत्मा की देखभाल, हृदय को पोषण और कल्पना को पोषित करने के माध्यम से आंतरिक विकास पर जोर दिया। वे एक ऐसे पुरुषार्थी पुरुष का महापुरुष के रूप में जाना पहचाना नाम है, जिन्होंने हर इंसान के महान् बनने का सपना संजोया और उसके लिये उनके हाथ में सुनहरे सपनों को साकार होने की जीवनशैली भी सौंपी। टैगोर गहन आध्यात्मिक एवं साधक पुरुष थे, उन्होंने अध्यात्म के गहन रहस्यों को उद्घाटित किया। उनके अनुसार मौन की भाषा शब्दों की भाषा से किसी भी रूप में कमजोर नहीं होती, बस उसे समझने वाला चाहिए। जिस प्रकार शब्दों की भाषा का शास्त्र होता है, उसी प्रकार मौन का भी भाषा विज्ञान होता है। मौन को समझा तो जा सकता है, पर समझाया नहीं जा सकता। संभवतः इसीलिए रवीन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि मौन अनंत की भाषा है। टैगोर अध्यात्म एवं विज्ञान के समन्वयक थे। टैगोर ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और भौतिक कल्याण के साथ आध्यात्मिक विकास की आवश्यकता व्यक्त की। एक के बिना दूसरा एक पैर पर चलने जैसा है। वे आध्यात्मिक-वैज्ञानिक व्यक्तित्व निर्माण के प्रेरक थे। इस संतुलित और समग्र विश्वदृष्टि की अब पहले से कहीं अधिक आवश्यकता है, क्योंकि यह हमारे और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी और लचीले भविष्य के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता एवं शर्त है। शुद्ध तर्क और शुद्ध भौतिकवाद उतने ही विनाशकारी हैं, जितने कि विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत मोक्ष की खोज। टैगोर ने विज्ञान और तर्क के माध्यम से सत्य की खोज करते हुए शब्दों और कर्मों में शाश्वत ज्ञान और कालातीत मूल्यों को व्यक्त किया। टैगोर का विश्वदृष्टि तर्क और धर्म, आत्मा और पदार्थ की एकता को देखना और उन्हें एक साथ नृत्य करने देना है। यह एक बड़ी दृष्टि है जहाँ विज्ञान आध्यात्मिकता का पूरक है, कला पारिस्थितिकी का पूरक है और स्वतंत्रता समानता का पूरक है।

दृष्टि कोण

दुनिया भर में आ सकती है चीनी माल की बाढ़

हालांकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा के एक सप्ताह से भी कम समय में, 8 अप्रैल 2025 को 75 देशों पर अपने पारस्परिक टैरिफ को रोक दिया, लेकिन इस रोक में एकमात्र अपवाद था चीन, जिस पर ट्रम्प ने पहले 125 प्रतिशत टैरिफ लगाया, जिसे बाद में बढ़ाकर 245 प्रतिशत कर दिया गया है, जिसे हम दंडात्मक टैरिफ भी कह सकते हैं, क्योंकि चीन ने राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा पारस्परिक टैरिफ का जवाब देने का विकल्प चुना है। माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने पोस्ट में ट्रम्प ने कहा, 'चीन ने विश्व के बाजारों के प्रति जो सम्मान नहीं दिखाया है, उसके आधार पर, मैं संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा चीन पर लगाए जाने वाले टैरिफ को तत्काल प्रभाव से बढ़ाकर 125 फीसदी कर रहा हूं। उम्मीद है कि निकट भविष्य में किसी समय चीन को एहसास होगा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य देशों को लूटने के दिन अब टिकाऊ या स्वीकार्य नहीं हैं।' हालांकि, अमेरिका को छोडक़र भारत समेत किसी भी देश ने चीन पर टैरिफ नहीं बढ़ाया है, लेकिन अधिकांश देश, चीन द्वारा की जाने वाली डंपिंग से चिंतित हैं, जिससे उनके घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है। डंपिंग का मतलब है कम दामों पर सामान बेचना। अंतरराष्ट्रीय व्यापार की भाषा में डंपिंग तब होती है, जब कोई देश या कंपनी अपने घरेलू बाजार की तुलना में विदेशी बाजार में कम कीमत पर उत्पाद का निर्यात करती है। डंपिंग को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में दुरुपयोग माना जाता है। चीन ने डंपिंग की इस कला में महारत हासिल कर ली है, इसे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जिसका उद्देश्य आयात करने वाले देशों के घरेलू उद्योग को खत्म करना है और एक बार जब कोई देश चीनी सामग्रियों पर निर्भर हो जाता है, तो फिर उसका शोषण शुरू हो जाता है। सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) का मामला चीनी डंपिंग और शोषण के जीते जागते उदाहरण हैं। 2004 के बाद, पेनिसिलिन जी और फोलिक एसिड सहित कई प्रकार की एपीआई को भारतीय बाजारों में बेहद कम कीमतों पर डंप किया गया। इस खेल में न केवल भारतीय एपीआई उद्योग को खत्म कर दिया गया, बल्कि देश की स्वास्थ्य सुरक्षा को भी खतरे में डाल दिया गया। मार्च में, भारत ने घरेलू उद्योगों को चीनी डंपिंग से बचाने के लिए चार चीनी वस्तुओं-सॉफ्ट फेराइट कोर, वैक्यूम इंसुलेटेड फ्लास्क, एल्यूमीनियम पन्नी और ट्राइक्लोरो आइसोसायन्यूरिक एसिड पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया था। एंटी-डंपिंग शुल्क 276 अमेरिकी डॉलर से लेकर 1732 अमेरिकी डॉलर प्रति टन तक है और यह पांच साल के लिए है, जबकि एल्यूमीनियम पन्नी पर छह महीने का अस्थायी शुल्क लगाया गया है। इससे पहले 2024 में ही, व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) द्वारा दायर एंटी-डंपिंग जांचों में से 79 प्रतिशत चीनी उत्पादकों के खिलाफ दायर की गई थीं। यह ध्यान देने योग्य है कि डीजीटीआर भारत में व्यापार उपायों की जांच और सिफारिश करने के लिए जिम्मेदार शीर्ष निकाय है, जो अन्य उपायों के साथ-साथ डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की भी सिफारिश करता है। चीन पहले से कहीं ज्यादा डंप क्यों करेगा? कारण यह है कि अमेरिकी टैरिफ के बाद, चीन के लिए अमेरिका को इतनी आसानी से निर्यात करना मुश्किल हो जाएगा, इसलिए चीन निश्चित रूप से अपने उत्पादों को अन्य बाजारों में डंप करने के लिए मजबूर होगा। सर्वप्रथम चीन के पास बहुत अधिक अतिरिक्त उत्पादन क्षमता है, जिससे अधिशेष उत्पादन होता है। कुछ बाजारों में बेचने की क्षमता, चीन को अन्य बाजारों में समान सामग्री डंप करने के लिए मजबूर करती है। चीन का ध्यान हमेशा निर्यात आधारित विकास पर रहा है, जिसे सरकार का समर्थन प्राप्त है। दूसरे, चीनी कंपनियों को अन्य रूपों में सब्सिडी और सरकारी सहायता मिलती है, जिससे वे अपने उत्पादों को कृत्रिम रूप से कम कीमतों पर बेच पाते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारी सब्सिडी बाजार की कीमतों को विकृत करती है और अनुचित प्रतिस्पर्धा को जन्म देती है। तीसरे, व्यापार तनाव भी वैकल्पिक बाजारों पर किसी तरह नियंत्रण करने के चीनी खेल का हिस्सा है। चीनी डंपिंग को लेकर आशंकाएं बेवजह नहीं हैं। अतीत में, ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जब चीन ने भारत समेत विदेशी बाजारों में डंपिंग की अनैतिक प्रथा अपनाई। अतीत में, हमारा एपीआई उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक और टेलीकॉम उद्योग, कपड़ा और परिधान उद्योग, खिलौना उद्योग और कई अन्य उद्योग चीनी डंपिंग का शिकार रहे हैं। इन उद्योगों की कई विनिर्माण इकाइयां चीनी डंपिंग के कारण बंद होने की कगार पर पहुंच गईं।

कुछ अलग

गरीब की दवा

कई बार समाचार सुनने-पढ़ने को मिलते हैं कि परिजनों के गंभीर व असाध्य रोगों के महंगे इलाज की वजह से लाखों लोग गरीबी की दलदल में डूब गए। कोरोना संकट के दौरान भी लोगों द्वारा घर, जमीन व जेवर बेचकर अपनों की जान बचाने की कोशिश की खबरें मीडिया में तैरती रही। लेकिन सामान्य दिनों में दवा कंपनियों की मिलीभगत व दबाव में लिखी जाने वाली महंगी दवाइयां भी गरीबों को टीस दे जाती हैं। इसके बावजूद कि बाजार में उसी साल्ट वाली गुणवत्ता की जेनेरिक दवा सहज उपलब्ध है। कुछ समय पहले केंद्र सरकार की ओर से जेनेरिक दवाइयां लिखने की अनिवार्यता के निर्देश का अच्छा-खासा विरोध हुआ, जिसके चलते निर्णय वापस लेना पड़ा था। अब इसी चिंता को देश की शीर्ष अदालत ने अभिव्यक्त किया है। दरअसल, बीते शुक्रवार को दवा कंपनियों की मुनाफाखोरी के कारोबार से बढ़ती दवाओं की कीमतों के बाबत एक मामले में सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि डॉक्टर केवल जेनेरिक दवाइयां ही लिखना प्रारंभ कर दें, तो दवा कंपनियों व चिकित्सकों के अपवित्र गठबंधन को तोड़ा जा सकता है। निस्संदेह, तरह-तरह के प्रलोभन व परोक्ष-अपरोक्ष लाभ देकर दवा कंपनियां चिकित्सकों पर महंगी दवा लिखने का दबाव बनाती हैं। जिसकी कीमत उन लोगों को चुकानी पड़ती है, जो महंगी दवा खरीदने की क्षमता नहीं रखते। ऐसे में वे कर्ज लेकर या अपने रिश्तेदारों से मदद लेकर किसी तरह गंभीर रोगों से ग्रस्त मरीजों का इलाज कराते हैं। इस खर्च के दबाव के चलते परिजनों को भी तमाम कष्ट उठाने पड़ते हैं। गाहे-बगाहे सरकारों ने दवा कंपनियों की बेलगाम मुनाफाखोरी रोकने को कदम उठाने की घोषणाएं तो कीं, लेकिन समस्या का सार्थक समाधान नहीं निकल पाया। चिकित्सा बिरादरी की तरफ से भी यदि इस दिशा में सहयोग मिलने लगे तो इस समस्या का समाधान किसी सीमा तक संभव हो सकता है। लेकिन विडंबना है कि ऐसा हो नहीं पा रहा है। एक संकट यह भी है कि दवा कंपनियों द्वारा प्रचार किया जाता है कि जेनेरिक दवाइयां रोग के उपचार में पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं होती। निस्संदेह, सरकारों को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा कि जेनेरिक दवाइयों को प्रोत्साहन देने के उसके प्रयास क्यों सिरे नहीं चढ़ते। एक वजह यह भी है कि दवा कंपनियों की लॉबी खासी ताकतवर होती है और साम-दाम-दंड-भेद की नीति का उपयोग करके अपने उत्पादों का विपणन करने में सफल हो जाती है। ऐसे आक्षेपों से चिकित्सा बिरादरी भी दोषमुक्त नहीं हो सकती, जो दवा कंपनियों के लोभसंवरण से मुक्त नहीं हो पाती। सरकारों को देखना चाहिए कि दवा कंपनियों द्वारा पोषित कदाचार पर नियंत्रण के प्रयास जमीनी हकीकत क्यों नहीं बन पाते। यदि ये कदम सख्ती से उठाए जाएं तो गरीब मरीज गंभीर रोगों का उपचार करने में सक्षम हो पाएंगे। फिर उनके अपनों का इलाज उनकी क्षमता के अनुरूप हो सकेगा। निस्संदेह, लंबे उपचार व असाध्य रोगों के इलाज में दवाओं की कीमत एक प्रमुख घटक होता है। यदि दवा नियंत्रित दामों में मिल सके तो उनकी बड़ी चिंता खत्म हो सकती है। निस्संदेह, दवाओं की कीमत हमारी चिकित्सा सेवाओं के लिये एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। सरकार को चाहिए कि गांव से लेकर शहरों तक जेनेरिक दवाओं के मेडिकल स्टोर बड़ी संख्या में खोले जाएं। मरीजों के तिमारदार उन तक आसानी से पहुंच सकें। इस काम में स्वयं सेवा समूहों की मदद ली जा सकती है ताकि गरीब-अनपढ़ मरीजों को जागरूक करके जेनेरिक दवाइयों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सके। मरीजों के परिजनों को विश्वास दिलाया जाना चाहिए कि जेनेरिक दवाइयां भी उसी साल्ट से बनी होती हैं।

देश दुनिया से

समता व न्याय आधारित विकल्प के समक्ष चुनौतियां

प्रत्येक देश में ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने मानवता को नई दिशा देकर सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, एवं राजनीतिक विकास में अग्रणी भूमिका निभाई। इन महापुरुषों में डॉ. भीमराव अंबेडकर का नाम भी शामिल है। अधिकांश देशों में समाज के हाशिये पर रहने वाले लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं। लगभग 150 देशों में उनकी जयंती मनाई जाती है। हाल ही में अमेरिका स्थित न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने घोषणा की है कि हर साल 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर दिवस मनाया जाएगा। विश्व में डॉ. अंबेडकर की जयंती पर अनेक समारोह, सेमिनार, परिसंवाद आदि आयोजित किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर भारतीय समाज में अंबेडकरवाद और उनके योगदान को कम करने के प्रयास जारी हैं। अंबेडकरवादी विचारों के विरोधियों द्वारा उनकी प्रतिमाओं पर अभद्रता की घटनाएं भी सामने आती हैं। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल, 1891 – 6 दिसम्बर, 1956) भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष, प्रसिद्ध वकील, भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, भाषाविद्, राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, जाति-पाति एवं छुआछूत उन्मूलन के समर्थक, वंचित वर्ग के मसीहा व विषमता के विरुद्ध आंदोलन के समर्थक थे। डॉ. अंबेडकर के मुताबिक, महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सशक्तीकरण के बिना समाज का सुधार एवं विकास नहीं हो सकता। डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा समय-समय पर समाचार पत्रों, पुस्तकों, भाषणों, संविधान सभा की बहसों आदि में विभिन्न मुद्दों पर व्यक्त किए गए विचारों का व्यवस्थित रूप ही अंबेडकरवाद या अंबेडकर की सोच माना जाता है। अंबेडकरवाद की विचारधारा दुनिया के राजनेताओं से लेकर समाज के हाशिये पर मौजूद लोगों तक सभी का मार्गदर्शन करती है। अंबेडकरवाद विचारों का एक समूह है, जिसमें समानता, स्वतंत्रता, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय, मानवीय गरिमा, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, समाजवाद, और उपेक्षित वर्गों-दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, किसानों और कृषि श्रमिकों, श्रमिकों का सशक्तीकरण तथा ऐसे समतावादी समाज की स्थापना शामिल है, जहां बुनियादी जरूरतें -भोजन, आश्रय, वस्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, काम का अधिकार और समान काम के लिए समान वेतन का हक- पूरी हों। अंबेडकरवादी चिंतन इस बात का समर्थन करता है कि महत्वपूर्ण उद्योगों पर सार्वजनिक नियंत्रण (राष्ट्रीयकरण) होना चाहिए। ऐसे में यह चिंतन इस दौर में प्रचलित उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण सहित निगमीकरण के विरुद्ध है। डॉ. अंबेडकर का समाजवादी चिंतकों में महत्वपूर्ण स्थान है। अंबेडकरवाद ऐसे समाज की स्थापना की कल्पना करता है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का मूल्य जीवन के हर क्षेत्र में समान हो, न कि जन्म, जाति, क्षेत्र, धर्म, भाषा व लैंगिक आदि संकीर्णताओं के आधार पर। भारत में कई तरह की विविधताओं के चलते अंबेडकरवाद सामाजिक सद्भाव और एकता बनाए रखने के लिए 'विविधता में एकता के सिद्धांत' की वकालत करता है। अंबेडकरवाद सामाजिक असमानता, अन्याय, अस्पृश्यता, जातिवाद, सामंतवाद, पूंजीवाद, नौकरशाही के जन-विरोधी रवैये, बहुसंख्यक तानाशाही, हिंसक आंदोलनों, धर्म-आधारित या धर्म-प्रधान राज्यों के खिलाफ है। अंबेडकरवाद के अनुसार जातिवाद के कारण उत्पन्न अस्पृश्यता संकुचित, विभाजक व अमानवीय है। जो राष्ट्रीय एकता, एकीकरण के अलावा देश के विकास में अवरोधक है। अंबेडकरवाद के अनुसार अस्पृश्यता के कारण दलित वर्ग को अपमान झेलना पड़ा। सामाजिक क्रांति के बिना शोषण, असमानता, एवं अपमानजनक व्यवहार समाप्त नहीं होगा। वे जाति प्रथा उन्मूलन के पैरोकार थे। अंबेडकरवाद के समक्ष प्रमुख चुनौतियां हैं- भेदभाव और सामाजिक असमानता, राजनीति में नायक पूजा, जातिवाद, अनुसूचित जाति और जनजातियों के विरुद्ध अपराध, हिंसा, अमानवीय घटनाओं, जाति व रंग के आधार पर अत्याचारों में वृद्धि, प्रशासन में पक्षपात और आर्थिक असमानता आदि। भारत के संविधान के लागू होने के संदर्भ में डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज में विद्यमान विरोधाभासों पर प्रकाश डालते हुए कहा था कि '26 जनवरी, 1950 को हम विरोधाभासों के जीवन में प्रवेश करने जा रहे हैं। राजनीति में हम एक व्यक्ति, एक वोट और एक वोट, एक मूल्य के सिद्धांत को मान्यता देंगे। लेकिन सामाजिक और आर्थिक जीवन में, हम अपनी सामाजिक और आर्थिक संरचना के कारण, एक व्यक्ति, एक मूल्य के सिद्धांत को नकारते रहेंगे। हम कब तक विरोधाभासों का जीवन जीते रहेंगे व सामाजिक और आर्थिक जीवन में समानता को नकारते रहेंगे? अगर हम इसे लंबे समय तक नकारते रहेंगे, तो हम अपने राजनीतिक लोकतंत्र को खतरे में डाल देंगे। हमें इस विरोधाभास को जल्द से जल्द दूर करना होगा...।' अंबेडकरवाद के अनुसार, विभिन्न जातियों, धर्मों, संस्कृतियों, क्षेत्रों और विभिन्न भाषा बोलने वाले लोगों के बीच सद्भावना आवश्यक है। भारत की विशालता और विविधता को ध्यान में रखते हुए 'विविधता में एकता' के आधार पर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को मजबूत किया जा सकता है। अंबेडकरवाद वर्तमान व्यवस्था के विकल्प की वकालत करता है जिसका उद्देश्य गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी और अशिक्षा से मुक्त समतावादी समाज की स्थापना; सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय; प्रमुख उद्योगों पर सार्वजनिक नियंत्रण; धन का विकेंद्रीकरण और हाशिए पर मौजूद वर्गों का सशक्तीकरण है।

> अंबेडकरवादी विचारों के विरोधियों द्वारा उनकी प्रतिमाओं पर अभद्रता की घटनाएं भी सामने आती हैं। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल, 1891 – 6 दिसम्बर, 1956) भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष, प्रसिद्ध वकील, भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, भाषाविद्, राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, जाति-पाति एवं छुआछूत उन्मूलन के समर्थक, वंचित वर्ग के मसीहा व विषमता के विरुद्ध आंदोलन के समर्थक थे।

आप का नजरिया

साजिशों का दौर और

सियासी सिकुडऩ में यह सिहरन कैसी, तेरे पांव की मेहंदी सफर पे नकली निकली। हिमाचल कांग्रेस के ताज को तख्त से शिकायत इतनी बढ़ गई कि अब सोशल मीडिया की तख्तियों पर बुखार चढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्रिहोत्री की एक पोस्ट ने चीरफाड़ शुरू की है, तो अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं ठियोग के विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने अपनी ही सरकार के फैसले को कुरेदना शुरू किया है। मुकेश अग्निहोत्री फरमाते हैं, 'साजिशों का दौर है, झूठ के पांव नहीं होते।' इस पोस्ट के पीछे कसक है-कटौती है या गहरे पानी से निकलता कोई ज्वारभाटा, यह कांग्रेस का विलाप है जो किंकर्त्तव्यविमूढ़ परिस्थितियों में 'आलाकमान' का दरबार सजा है। कांग्रेस में यह कौनसी साजिश है जिसे अग्रिहोत्री सूंघ रहे हैं। विडंबना यह है कि पार्टी संगठन में अब अपनी बात कहने के लिए सोशल मीडिया के समुद्र छाने जाते हैं। इससे पहले भी जब प्रदेश की सत्ता में तूफान आया था, तो इसकी पूर्व सूचना के लिए सोशल मीडिया की सुर्खियां आक्रोश की दिहाड़ी पर काम कर रही थीं। अब पुनः आक्रोश की दिहाडियों को गिना जा सकता है। सरकार में मुकेश अग्रिहोत्री का रुतबा अगर रंजिश के दांव-पेंच में साजिशें गिन रहा है, तो यह शुभ सूचना नहीं हो सकती। यह सत्ता के मुलायम सफे कैसे हो सकते कि कोपभवन में सरकार के ही मुख्यमंत्री को अंदेशा है कि षड्यंत्र लिखा जा चुका है या झूठ के तराजू में इंसाफ हो रहा है। ये इशारों की भाषा में सत्य की कथनी हो सकती है या राजनीतिक सियारों की हूक भी हो सकती है, मगर दोनों ही स्थितियों में कालिख के कालीन पर कांग्रेस चल रही है। संगठन चुनावों के छिलके इतने उतर चुके हैं कि पार्टी फिर पुराने दौर के दोराहों पर दिशा भ्रम के संघर्ष में कमजोर-लाचार दिखाई दे रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में ठियोग के विधायक मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के उस फैसले को चुनौती देते हुए दिखाई दे रहे हैं, जहां सरकार शिमला को कुछ कार्यालयों के बोझ से निवृत्त करने जा रही है। पर्यटन विकास निगम मुख्यालय को धर्मशाला शिफ्ट करने को अंतिम मोहर लग चुकी है, तो ठियोग के विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने प्रश्नों का बखेड़ा करके इस फैसले को विरोध के मोर्चे पर खड़ा कर दिया है। व्यवस्था परिवर्तन की जिस टोह में मुख्यमंत्री निकले हैं, वहां शिमला के दबाव को मुक्त करने की गुंजाइश खोजी जा रही है। ऐसे में ताल से ताल मिलाने के बजाय राठौर ने विरोध की रार ठोंकी है। सियासत जब दुकान बनती है, तो हर मापतोल पर व्यापार होता है। आश्चर्य यह कि सरकार के हर फैसले पर अपनों की निगाह और अपने ही गवाह। गवाही यह कि उप मुख्यमंत्री को शिकायत है, तो एक विधायक को फैसला पसंद नहीं आया, तो मीडिया-मीडिया खेल शुरू हो गया। ऐसे में बिखराव के इस मंजर पर अनुशासित होने के लिए आदेश कौन पारित करेगा। इन दोनों नेताओं ने अपनी बात कहने के लिए सोशल व मेन स्ट्रीम मीडिया का ही प्रयोग क्यों किया। अपनों के साथ बात करने का तरीका अपने आप में बहुत कुछ कहता है। दूरियां हैं या फैसलों से फासले पैदा हो रहे हैं। आपत्तियां हो सकती हैं, लेकिन यहां तो मकबरे चिन कर बताया जा रहा है कि कोई सुला दिया गया नमाज पढऩे से पहले।

जेमिनी ऐप अब बच्चों की कहानियाँ पढ़ने, होमवर्क में करेगा मदद

वॉशिंगटन,07 मई (एजेंसियां) । जेमिनी ऐप अब बच्चों की कहानियाँ पढ़ने, होमवर्क में मदद करने और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए भी उपलब्ध होगा। गूगल जल्द ही 13 साल से कम उम्र के बच्चों को अपने जेमिनी एआई ऐप का इस्तेमाल करने की सुविधा देने जा रहा है।

यह सुविधा उन्हीं बच्चों को मिलेगी जिनके एंड्रॉयड डिवाइस पैरेंटल कंट्रोल टूल फैमिली लिंक के ज़रिए मैनेज किए जाते हैं। जानकारी के अनुसार, गूगल ने इस योजना की जानकारी पैरेंट्स को देना शुरू कर दिया है। गूगल ने इसके साथ कुछ चेतावनियां और दिशानिर्देश भी साझा किए हैं। कंपनी ने पैरेंट्स को भेजे ईमेल में स्पष्ट किया है कि जेमिनी एआई गलतियां कर सकता है और बच्चे ऐसा कंटेंट देख सकते हैं जो माता-पिता को अस्वीकार्य लग सकता है। हालांकि गूगल ने भरोसा दिलाया है कि बच्चों का डेटा उसके एआई मॉडल को ट्रेन करने में इस्तेमाल नहीं होगा। इसके बावजूद, एआई टूल्स से जुड़े पहले के अनुभवों ने चिंताओं को जन्म दिया है।

केरेक्टर.एआई जैसे प्लेटफॉर्म पर पहले ही ऐसे मामले सामने आ चुके हैं जहां यूजर्स को अनुचित कंटेंट दिखाया गया और वे यह समझ ही नहीं पाए कि वे इंसानों से बात कर रहे हैं या किसी बॉट से। गूगल पैरेंट्स को बच्चों के साथ संवाद करने और यह समझाने की सलाह दे रहा है कि एआई एक इंसान नहीं है और इसके साथ किसी भी तरह की संवेदनशील जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। यदि फैमिली लिंक सेटिंग्स एक्टिव हों, तो बच्चे सीधे जेमिनी को एक्सेस कर सकते हैं। यह प्लेटफॉर्म पैरेंट्स को बच्चों के स्क्रीन टाइम की निगरानी, ऐप एक्सेस सीमित करने और कुछ कंटेंट ब्लॉक करने की सुविधा देता है। साथ ही, गूगल प्रवक्ता कार्ल रयान के अनुसार, पैरेंट्स चाहें तो जेमिनी एआई की एक्सेस को पूरी तरह बंद भी कर सकते हैं। बच्चों को पहली बार जेमिनी इस्तेमाल करते समय एक विशेष नोटिफिकेशन भी दिया जाएगा। इसी बीच, अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा साइन किए गए एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर ने स्कूलों में एआई शिक्षा को अनिवार्य करने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

न्यूज ब्रीफ

यूएन महासचिव ने भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव पर जताई चिंता, संयम बरतने की अपील

संयुक्त राष्ट्र । भारत की ओर से पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाए जाने के बाद बढ़े सैन्य तनाव पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव की ओर से गहरी चिंता जताई गई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता ने कहा, महासचिव को नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पार भारतीय सैन्य कार्रवाई को लेकर गहरी चिंता है। वे दोनों देशों से अधिकतम सैन्य संयम बरतने की अपील करते हैं। दुनिया भारत और पाकिस्तान के बीच किसी सैन्य टकराव की जोखिम नहीं उठा सकती। महासचिव ने दो दिन पहले पहलगाम आतंकी हमले पर भी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि नागरिकों को निशाना बनाना किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है और दोषियों को कानून के दायरे में लाया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा था कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले के बाद की भावनाएं वे समझते हैं। वे उस हमले की कड़ी निंदा और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हैं।

काठमांडू में माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड बाथरूम में बेहोश मिले, सिर पर आई चोट

काठमांडू। माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड बीती देर रात अपने बाथरूम में बेहोश पाए गए । उनके सिर पर चोट आई है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई गई है। उनकी बेटी गंगा दहाल ने बताया कि बाथरूम में गिरने से उनके सिर पर चोट आई है। तत्काल ही उन्हें काठमांडू के मेडिसिटी अस्पताल पहुंचाया गया। वहां उनके सिर पर तीन टांके लगाए गए। गंगा दहाल ने बताया कि बाथरूम में जाते समय संभवतः उनका पांव फिसल गया और वहां रखे बाथ टब से टकराकर गिर गए। इस दौरान चोट लगने से वह बेहोश हो गए । इस समय उनकी हालत स्थिर है। फिलहाल वो आराम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री केपी ओली सहित सभी प्रमुख नेताओं ने उनके घर जाकर उनसे मुलाकात की है।

भारत द्वारा थोपे गए युद्ध का पाकिस्तान देगा पुरजोर जवाबः शहबाज

इस्लामाबाद। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और पीओके पर

मिसाइल से हमले किए हैं। इन हमलों पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा, कि भारत द्वारा थोपे गए इस युद्ध का पाकिस्तान पुरजोर जवाब देगा। भारत की सेना द्वारा बुधवार तड़के किए गए मिसाइल हमलों में अनेक लोगों की मौत हुई है, जबकि कई घायल हो गए। भारतीय हमले के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करते हुए कहा कि चालाक दुश्मन ने पाकिस्तान में पांच जगहों पर कायराना हमले किए हैं। पाकिस्तान को भारत द्वारा थोपे गए इस युद्ध कृत्य का पुरजोर जवाब देने का पूरा अधिकार है और उसे पुरजोर जवाब दिया जा रहा है। पूरा देश पाकिस्तानी सशस्त्र बलों के साथ खड़ा है और पूरे पाकिस्तानी राष्ट्र का मनोबल और भावना ऊंची है। पाकिस्तानी राष्ट्र और पाकिस्तानी सशस्त्र बल जानते हैं कि दुश्मन से कैसे निपटना है। हम दुश्मन को उसके नापाक इरादों में कभी सफल नहीं होने देंगे। इस तरह से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारतीय मिसाइल हमलों को ''युद्ध की कार्रवाई'' करार दिया और कहा कि उनके देश को इसका उचित जवाब देने का पूरा अधिकार है। इसी के साथ किसी भी स्थिति से निपटने के लिए भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर सभी एयर डिफेंस यूनिट्स को पाकिस्तानी सेना ने सक्रिय कर दिया है।

आतंकियों को पता होना चाहिए कि बचने के लिए कोई जगह नहीं

इजराइल का ऑपरेशन सिंदूर को समर्थन

इस्लामाबाद,07 मई (एजेंसियां) । 'ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत के एयरस्ट्राइक का इजरायल ने समर्थन किया है। इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने कहा कि आतंकवादियों को पता होना चाहिए कि निर्दोषों के खिलाफ उनके जघन्य अपराधों से बचने के लिए कोई जगह नहीं है।

भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, इजरायल भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करता है। आतंकवादियों को पता होना चाहिए कि निर्दोषों के खिलाफ उनके जघन्य अपराधों से बचने के लिए कोई जगह नहीं है।

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने देर रात आतंकियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की। इस सैन्य कार्रवाई में उन आतंकी कैंपों और लॉजिस्टिक ठिकानों को निशाना बनाया गया, जो पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकी समूहों से जुड़े थे।

भारतीय खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले को पाकिस्तान स्थित आतंकी समूहों से जोड़ा है, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा का प्रॉक्सी द रेसिस्टेंस फ्रंट ने जिम्मेदारी ली है।

सेना ने ऑपरेशन के बाद कहा, थोड़ी देर पहले भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया, जहां से भारत के खिलाफ आतंकी हमलों की योजना बनाई और निर्देशित की गई थी।भारतीय सेना के प्रवक्ता ने हमलों की सटीकता और सीमित दायरे की पुष्टि की। उन्होंने कहा, हमारी कार्रवाई केंद्रित और सटीक रही। हमने केवल उन आतंकी कैंपों को निशाना बनाया, जहां से भारत के खिलाफ हमलों की योजना बनाई गई और उन्हें अंजाम दिया गया था।

प्रवक्ता ने कहा, ऑपरेशन का इरादा और कार्यान्वयन गैर-विवाद बढ़ाने वाला था।

उन्होंने आगे कहा, न्याय हो गया, जय हिंद।

भारत सरकार ने पुष्टि की है कि सभी नौ लक्ष्यों पर सफलतापूर्वक हमला किया गया, जिससे पाकिस्तान में कोई नागरिक, सैन्य या आर्थिक बुनियादी ढांचा प्रभावित नहीं हुआ।

एयरस्ट्राइक पर चीन ने जताई चिंता, दोनों देश से की संयम बरतने की अपील

बीजिंग,07 मई (एजेंसियां) । पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूरळ के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया है। भारत की एयर स्ट्राइक पर चीन के विदेश मंत्रालय का बयान आया है। चीन ने भारत के सैन्य ऑपरेशन पर फिक्र जाहिर की है।चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि चीन को भारत के आज सुबह किए गए सैन्य ऑपरेशन पर अफसोस है। हम मौजूदा स्थिति को लेकर चिंतित हैं। भारत और पाकिस्तान हमेशा एक-दूसरे के पड़ोसी रहेंगे और दोनों चीन के भी पड़ोसी हैं। चीन हर तरह के आतंकवाद का विरोध करता है। हम दोनों देशों से शांति और स्थिरता के बड़े हित में काम करने, शांत रहने, संयम बरतने और ऐसे कदमों से बचने की अपील करते हैं जो स्थिति को और जटिल कर सकते हैं।इससे पहले भारत के एयर स्ट्राइक को लेकर पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार विदेशी मीडिया के सामने गिड़गिड़ाते दिखे। तरार ने दावा किया कि पाकिस्तान में कोई आतंकी शिविर नहीं है और उसने हमेशा अपनी पश्चिमी सीमा पर आतंकियों से लड़ाई की है।वहीं, 'ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने विश्व बिरादरी से अपील करते हुए कहा, दुनिया आतंकवाद के खिलाफ अब जीरो टॉलरेंस दिखाए।पहलगाम हमले का बदला भारत ने पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक से लिया है। भारतीय सेना ने नौ आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी लगातार इस पूरी सैन्य कार्रवाई पर नजर रखे हुए हैं।यह हमला 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत की कार्रवाई का हिस्सा था, जिसमें जम्मू-कश्मीर में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की जान चली गई थी। यह ऑपरेशन भारत द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए एक सुनियोजित कदम था कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए, जबकि आगे की स्थिति से बचने के लिए संयम बनाए रखा गया।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने नहीं की पहले वाली गलती, इस बार लिखा आतंकी हमला

वॉशिंगटन,07 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार ने भी इस हमले की खबर को अपनी वेबसाइट में लीड लिया है। यही नहीं न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस बार पहले वाली गलती नहीं की है और पहलगाम के अटैक को आतंकवादी हमला ही लिखा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की हेडिंग है- इंडिया स्ट्राइक पाकिस्तान टू वीक ऑफ्टर टेररिस्ट अटैक इससे पहले न्यूयॉर्क टाइम्स ने बड़ी गलती की थी और पहलगाम अटैक को मिलिटेंट अटैक यानी उग्रवादी हमला लिखा था।

इस पर अमेरिका की सरकार ने भी आपत्ति जताई थी और हेडिंग ही बदलवा दी थी। अमेरिकी सरकार ने अखबार को नसीहत दी थी कि पहलगाम अटैक को मिलिटेंट अटैक नहीं बल्कि टैररिस्ट अटैक यानी आतंकी हमला लिखा जाए।

इसके बाद न्यूयॉर्क टाइम्स ने हेडिंग बदल भी दी थी। अब इस बार जब भारत के जवाबी ऐक्शन वाली खबर न्यूयॉर्क टाइम्स ने छापी है तो सीधा लिखा है- आतंकी हमले के दो सप्ताह बाद भारत का पाकिस्तान पर अटैक।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा है कि भारत ने पीओके और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 9 ठिकानों पर हमले किए हैं। इनमें 8 लोगों की मौत हुई है, जबकि 35 घायल हुए हैं। वहीं भारतीय रक्षा सूत्रों का कहना है कि इन हमलों में 90 पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं।

अखबार लिखता है कि दोनों देशों के बीच कई जंग हो चुकी हैं और 1999 में आखिरी बार दोनों के बीच युद्ध हुआ था। यही नहीं न्यूयॉर्क टाइम्स ने आशंका जताई है कि भारत और पाकिस्तान के बीच पूर्ण युद्ध भी शुरू हो सकता है। बता दें कि न्यूयॉर्क टाइम्स जैसी ही भाषा बीबीसी ने भी लिखी थी और पहलगाम में हमले को मिलिटेंट अटैक लिखा था। इस पर भी भारत सरकार ने आपत्ति जताई थी और उसे नोटिस भी जारी किया था।

यमन की राजधानी सना पर इजरायल के लड़ाकू विमानों ने ताबड़तोड़ हमले किए

हूती विद्रोहियों के खिलाफ इजरायल ने एक बार फिर बड़ा हमला बोला है। यमन की राजधानी सना पर इजरायल के लड़ाकू विमानों ने ताबड़तोड़ हमले किए हैं। इन हमलों में हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले सना एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया है। इहरायल के हमले से हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले सना एयरपोर्ट पर भारी तबाही की खबर है। इजरायल की राजधानी तेल अवीव के बेन गुरियन एयरपोर्ट को हूती विद्रोहियों ने रविवार को बैलेस्टिक मिसाइल से निशाना बनाया गया था, जिसके बाद सोमवार को भी इजरायल ने यमन पर हमला किया था। इजरायल के लड़ाकू विमान सना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भारी बमबारी कर रहे हैं। इजरायल के लड़ाकू विमानों द्वारा 20 से ज्यादा हमलों की खबर है। इजरायल के लड़ाकू विमानों के हमले के बाद तेज धमाके सुने गए और धुएं का गुबार उठता देखा गया है। इस तरह के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं। इजरायली डिफेंस फोर्सेज के एक अरबी प्रवक्ता ने यमन के सना एयरपोर्ट को खाली करने का आदेश दिया था। उसके कुछ ही मिनट के बाद एयरपोर्ट पर हमले शुरू हो गए।

कनाडा की सरकार बदली पर भारत विरोधी तस्वीर ज्यों की त्यों, परेड में दिखे पीएम मोदी, शाह और जयशंकर के पुतले

ओटावा,07 मई (एजेंसियां) । कनाडा को लेकर यह माना जा रहा था कि ट्रूडो की सरकार पूरी तरह चले जाने के बाद भारत के समर्थन वाला माहौल बन जाएगा, लेकिन ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है। दरअसल कनाडा में सिख विरासत माह और खालसा दिवस समारोह के दौरान एक बार फिर कट्टरपंथी खालिस्तानी गतिविधियां सुर्खियां बटोरती दिखी हैं। इस बार टोरंटो के माल्टन गुरुद्वारे के बाहर आयोजित परेड में खालिस्तान समर्थकों ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर के पुतलों के साथ हिंदू विरोधी नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस परेड और प्रदर्शन के दौरान भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक बैनर भी देखे गए।

यह तस्वीर कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के जाने और मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद की है, जिससे चिंता होना लाजमी है। पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो के पद छोड़ने के बाद उम्मीद बंधी थी कि नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के कार्यकाल में इस तरह की कोई घटना नहीं होगी, लेकिन भारत विरोधी बड़ी घटना अब सामने आ चुकी है। हालाँकि सरकार की ओर से इस पर अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है, जिससे कनाडा में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिकों में चिंता और नाराजगी साफ देखी जा सकती है। हिंदुओं को देश से निकालने की मांग परेड के दौरान एक कट्टरपंथी वक्ता द्वारा दिए गए भड़काऊ भाषण ने इंडो-कनाडाई समुदाय में गहरा आक्रोश पैदा कर दिया। इस भाषण में कनाडा से हिंदुओं को निकालने का खुला आह्वान किया गया। यह बयान ऐसे समय में आया जबकि कनाडा में करीब 18 लाख भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जिनमें से लगभग 8 लाख हिंदू हैं। कनाडाई हिंदू चैंबर ऑफ कॉमर्स का विरोध इस घटना की प्रतिक्रिया भी सामने आई है और कनाडाई हिंदू चैंबर ऑफ कॉमर्स ने बयान जारी करते हुए कहा है, कि इतिहास हमें सिखाता है कि सामूहिक निष्कासन के आह्वान जैसी बयानबाजी गंभीर और अकल्पनीय परिणाम ला सकती है। ऐसे खतरनाक विचारों की सभी जिम्मेदार नेताओं और संस्थानों द्वारा कड़ी निंदा होनी चाहिए। समुदाय के नेताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि कुछ कट्टरपंथी कनाडा की शरण और आव्रजन प्रणालियों का दुरुपयोग कर देश में दाखिल हुए हैं। उन्होंने झूठे उत्पीड़न के आधार पर शरण ली और फिर यहीं से ऐसे नेटवर्क तैयार किए जो हिंसा को वित्तीय सहायता, वैचारिक समर्थन और महिमामंडन दे रहे हैं। सरकार की चुप्पी पर भी सवाल घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए इंडो-कनाडाई संगठनों और भारत समर्थक संस्थाओं ने कनाडा सरकार से स्पष्ट और कड़ा रुख अपनाने की मांग की है। उनका कहना है कि बार-बार ऐसे आयोजनों की अनुमति देना और फिर चुप्पी साधकर कनाडा की सरकार अप्रत्यक्ष रूप से इस उग्रवाद को बढ़ावा दे रही है।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद दोनों बेटों का कारोबार कई देशों में फैला

न्यूयॉर्क,07 मई (एजेंसियां) ।

दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने वाले डोनाल्ड ट्रंप के बेटों का कारोबार दुनिया के कई देशों में बड़ी तेजी के साथ फैल रहा है। ट्रंप जूनियर और एरिक ट्रंप ने पिछले दो सप्ताह में दुनिया के कई देशों का दौरा किया है। लगभग आधा दर्जन देशों में उन्होंने अनुबंध किए हैं। दुबई में एक लग्जरी होटल खोलने का अनुबंध हुआ है। जेद्दा और सऊदी अरब में रियल एस्टेट के कई सौदे किए हैं। कतर में गोल्फ कोर्स और बंगलो के निर्माण के लिए अनुबंध किया है। वाशिंगटन में भी एक नया प्राइवेट क्लब और अमेरिका में क्रिप्टो करेंसी के 2 वेंचर्स का काम शुरू किया है।

डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप बंधुओं का काम दुनिया के देशों में बड़ी तेजी के साथ फैल रहा है। दुबई में 80 मंजिल का ट्रंप इंटरनेशनल होटल तथा टावर की योजना आकार ले रही है। पिछले सप्ताह वह दुबई के दौरे

पर थे। उस समय एरिक ट्रंप के सम्मान में एक बड़ी पार्टी का आयोजन किया गया था। दुबई में जो टावर कम्पनी है, उसमें एक टावर का मूल्य 168 करोड रुपए कीमत का है। एरिक ट्रंप रियल एस्टेट कंपनी ट्रंप आर्गेनाइजेशन के मुख्य कर्ताधर्ता हैं। वह क्रिप्टो कंपनी वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल के बोर्ड में भी शामिल हैं। उन्होंने जूनियर ट्रंप के साथ मिलकर बिटकॉइन कंपनी को शुरू किया है। अमेरिका में बड़ी चर्चा हो रही है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता अन्ना केली का कहना है। डोनाल्ड ट्रंप के दोनों बच्चे जो कारोबार कर रहे हैं ।उससे अमेरिका के हितों का कोई टकराव नहीं होता है।

पिछले दो सप्ताह में डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने हंगरी रोमानिया सर्बिया और बुल्गारिया के राष्ट्रीय अध्यक्षों तथा यहां के नेताओं से भी उन्होंने मुलाकात की है।

पाकिस्तान पर भारत का ऐसा खौफ, सेना पर कर दिए 5 हजार करोड़ खर्च

करांची। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा जवाबी कार्रवाई से घबराए पाकिस्तान ने भारत के साथ लगी सीमा पर अपनी सेना की तैनाती शुरू कर दी है और दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने से अपनी नौसेना को भी तैयार रखा है। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद से 2 मई तक पाकिस्तानी सेना ने भारत के खौफ के चलते करीब 5 हजार करोड़ रुपए फूंक दिए। सबसे ज्यादा खर्च फाइटर जेट सॉर्टी और सैनिकों के मूवमेंट पर किया मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इस खर्च में हाल में तुर्किये और चीन से खरीदे गए सैन्य साजोसामान शामिल नहीं हैं। सामान्य दिनों में पाकिस्तान का रोज का सैन्य खर्च करीब 45 करोड़ रुपए है। इसमें सबसे ज्यादा खर्च फाइटर जेट सॉर्टी और सैनिकों के मूवमेंट पर किया गया है। पाकिस्तान ने अपने करीब 80 जेट्स को फॉरवर्ड एयरबेस पर तैनात कर दिया है। कई एयरस्ट्रिप को फिर से ऑपरेटिव बनाया गया है।

एमआई कप्तान पंड्या और गुजरात कोच नेहरा पर लगा जुर्माना

मुंबई, 07 मई (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में मंगलवार रात मुंबई इंडियंस (एमआई) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच खेले गए मुकाबले में हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली मुंबई की टीम को एक बार फिर धीमी ओवर गति के चलते जुर्माने का सामना करना पड़ा है।

वहीं, गुजरात के कोच आशीष नेहरा को 'खेल भावना के विपरीत आचरण' के लिए फाइन और डिमेरिट प्वाइंट दिया गया। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस को अंतिम ओवर में एक अतिरिक्त फील्डर 30-यार्ड सर्कल के अंदर लाना पड़ा, जो आईपीएल के नियमों के तहत धीमी ओवर गति पर इन-गेम पेनल्टी है। गुजरात को अंतिम ओवर में जीत के लिए 15 रन चाहिए थे और उन्होंने आखिरी गेंद पर मैच जीत लिया। आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर उनकी टीम द्वारा वानखेड़े स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच नंबर 56 के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है।

बयान में आगे कहा कि चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित उनकी टीम का सीजन का दूसरा अपराध था, इसलिए पंड्या पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इम्पैक्ट प्लेयर और कन्कशन सब्स्टीट्यूट सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 6 लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया गया।

वहीं मैच के अंतिम क्षणों में जब बार-बार बारिश की वजह से खेल रुका, आशीष नेहरा बेहद जोशीले अंदाज में नजर आए और अंपायरों से मैच फिर से शुरू करने की मांग करते दिखे। इसी आचरण को लेकर उन्हें आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.20 के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

नतीजतन, उन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट प्वाइंट लगाया गया। यह पहली बार है जब किसी कोच को इस तरह की सजा दी गई है।

आईपीएल के बयान के अनुसार गुजरात टाइटंस के हेड कोच आशीष नेहरा पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट अंक भी लगाया गया है। उन्होंने अनुच्छेद 2.20 के तहत लेवल एक का अपराध किया, जो खेल की भावना के विपरीत आचरण से संबंधित है। उन्होंने मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया।

न्यूज़ ब्रीफ

आईपीएल छोड़ सकते हैं वेस्टइंडीज के ये तीन खिलाड़ी

नई दिल्ली। रोमारियो शेफर्ड सहित आईपीएल में खेल रहे वेस्टइंडीज के तीन खिलाड़ी शेरफेन रदरफोर्ड और शमार जोसेफ अपनी अपनी टीमों का साथ छोड़ सकते हैं। इसका कारण है कि इन्हें इसी माह आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम में शामिल किया गया है। शेफर्ड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेल रहे हैं। वहीं शेरफेन रदरफोर्ड गुजरात टाइटंस और जोसेफ शेफर्ड लखनऊ सुपरजायंटस की ओर से खेल रहे हैं।वेस्टइंडीज को 21 मई से आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ 3-3 मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। वहीं दूसरी ओर, आईपीएल 2025 के प्लेऑफ मुकाबले 20, 21 और 23 मई को खेले जाएंगे। इसके बाद 25 मई को फाइनल होगा। शेफर्ड आईपीएल छोड़कर एकदिवसीय सीरीज खेलने आयरलैंड जाते हैं तो यह आरसीबी के लिए बड़ा झटका होगा। इसी तरह रदरफोर्ड भी गुजरात टाइटंस के अहम खिलाड़ी हैं। वहीं शमार को अब तक सुपरजायंट्स से खेलने का अवसर नहीं मिला है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने भी इस बारे में अभी तक अपने खिलाड़ियों पर दबाव नहीं बनाया है. संभव है कि आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाने वाली टीमों में शामिल खिलाड़ियों को वेस्टइंडीज बोर्ड थोड़ा समय दे दे। वेस्टइंडीज की टीम पहले आयरलैंड से वनडे सीरीज खेलेगी. इसके मैच 21, 23 और 25 मई को खेले जाएंगे।

बाउचर ने शुरुआत में मेरी सहायता की थी : विराट

बेंगलुरु। आईपीएल में आजकल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) की ओर से शानदार बल्लेबाजी कर रहे विराट कोहली ने कहा है कि पूर्व दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर-बल्लेबाज मार्क बाउचर ने एक समय उनकी सहायता की थी। विराट के अनुसार फ्रैंचाइजी के साथ आईपीएल के शुरुआती सत्र में उन्हें शॉर्ट गेंदों को खेलने में परेशानी आ रही थी। जिसे दूर करने में बाउचर आगे आये थे। विराट ने कहा कि बाउचर इस मानसिकता के साथ आए थे कि वह भारतीय खिलाड़ियों की सहायता करने जा रहे हैं। बाउचर ने उनसे कहा था कि अगर वह सभी प्रारूपों में भारत के लिए नहीं खेलते हैं तो वह खुद को ही नुकसान पहुंचाने जैसा होगा। कोहली ने कहा, इसलिए उन्होंने पता लगाया कि मेरी कमजोरियां क्या हो सकती हैं। साथ ही कहा कि अगर मैं अगले स्तर पर जाना चाहता हूं, तो मुझे अपनी कमजोरियों को ठीक करन होगा। इसके बाद वह मुझे नेट्स पर ले गए। इसके बाद उन्होंने कहा कि तुम्हें शॉर्ट बॉल पर काम करने की जरूरत है। अगर तुम गेंद को खींच नहीं सकते तो कोई भी तुम्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका नहीं देगा। और मुझे याद है कि हम चेन्नई या कोलकाता में एक मैच खेल रहे थे, जहां उन्होंने मुझसे कहा था कि जब मैं चार साल बाद भारत में कमेंट्री करने आऊंगा, तो अगर मैं तुम्हें भारत के लिए खेलते हुए नहीं देखूंगा, तो मानूंगा कि तुमने अपने को ही नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि बाउचर के साथ उनकी बातचीत ने उन्हें हैरान किया इससे उन्हें बेहतर करने की प्रेरणा मिली।

गिलक्रिस्ट ने किया अर्शदीप की तारीफ

सिडनी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट ने आईपीएल में पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे बांए हाथ के युवा गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जमकर प्रशंसा की है। गिलक्रिस्ट ने अर्शदीप को विश्व स्तर का गेंदबाज़ बताया और कहा कि वह लगातार बेहतर होते जा रहे हैं और किसी भी प्रकार के हालातों में मैच को बदलने की क्षमता रखते हैं। गिलक्रिस्ट ने कहा, मैं अर्शदीप की परिपक्वता और आत्मविश्वास से काफी प्रभावित हूं। जिस तरह से वह दबाव में गेंदबाज़ी करता है, खासकर डेथ ओवर्स में, वो किसी भी विश्व स्तर के गेंदबाज से कम नजर नहीं आत है। अर्शदीप ने इस सीज़न में अपनी लाइन और लेंथ से बल्लेबाज़ों के लिए परेशानी खड़ी की है। वह ना सिर्फ विकेट लेने में सफल रहे हैं, बल्कि रनों पर भी अंकुश लगाने में सफल रहे हैं। इस गेंदबाज ने इस सत्र में खेले 10 मैचों में अब तक 16 विकेट लिए है। गिलक्रिस्ट के इस बयान से अर्शदीप को मनोबल और बढ़ना तय है। अर्शदीप अपनी जबरदस्त गेंदबाजी से पर्पल कैप की रेस में शीर्ष तीन गेंदबाजों में शामिल हैं।

चेन्नई ने दर्ज की सीरीज की तीसरी जीत, कोलकाता को दो विकेट से हराया, ब्रेविस और शिवम चमके

कोलकाता, 07 मई (एजेंसियां)। प्ले ऑफ से बाहर हो चुकी चेन्नई सुपर किंग्स ने डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइटराइडर्स का खेल खराब कर दिया है। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 57वें मैच में सीएसके ने केकेआर को 3 विकेट से हरा दिया। इस सीजन में सीएसके की टीम को तीसरी जीत मिली है। वहीं सीएसके से हारने के बाद केकेआर की टीम लगभग प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। केकेआर की टीम पिछले सीजन की चैंपियन थी, लेकिन इस बार वह अंतिम चार में नहीं पहुंच पाएगी। केकेआर के 12 मैचों में 11 पॉइंट है। ऐसे में अब वह अपने बचे हुए मैच में अगर जीत भी हासिल करती है तब भी वह 15 पॉइंट ही हासिल कर पाएगी और प्लेऑफ में जाने के लिए उसे कम से कम 16 पॉइंट चाहिए। हालांकि, आधिकारिक रूप से केकेआर अभी बाहर करार नहीं दी गई है, लेकिन अब टॉप-4 में उसका पहुंचना बहुत मुश्किल है।

सीएसके और केकेआर के बीच यह मुकाबला ईडन गार्डंस के मैदान पर खेला गया था। मुकाबले में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीकने के बाद पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन ने अपने होम ग्राउंड पर 179 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में सीएसके ने डेवाल्ड ब्रेविस की दमदार फिफ्टी से मैच को 2 गेंद पर पहले अपने नाम कर लिया। सीएसके का भी सीजन में यह 12वां मैच था।केकेआर के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी। सीएसके के लिए पिछले मैच में अपनी बैटिंग से धूम मचाने वाले आयुष म्हात्रे पहले ओवर की दूसरी गेंद पर आउट हो गए थे। इसके बाद सीएसके के लिए ओपनिंग करने उतरे डेवोन कॉन्वे भी कुछ खास कमाल नहीं दिखा और बिना खाता खोले आउट हो गए। मैच में सीएसके के दोनों ओपनर बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। हालांकि, तीसरे नंबर पर बैटिंग करने वाले उर्विल पटेल ने 11 गेंद में 31 रनों की तेज तर्रार पारी खेल सीएसके को ट्रैक पर लाने का काम किया।

हालांकि, सीएसके की पारी में जान फूंकने का काम डेवाल्ड ब्रेविस ने किया। ब्रेविस ने केकेआर के वैभव अरोड़ा के ओवर में 30 रन बटौर कर मैच को पूरी तरह से सीएसके की तरफ मोड़ दिया। डेवाल्ड ब्रेविस 25 गेंद में 52 रन बनाकर आउट हुए। डेवाल्ड के आउट होने के बाद कुछ समय के लिए शिवम दुबे सीएसके की पारी को संभाला, लेकिन वैभव आरोड़ा के खिलाफ बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में वह रिंकू सिंह के हाथों लपके गए। शिवम के आउट होने के बाद सीएसके एक समय मुश्किल में फंस गई थी, लेकिन कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने जिम्मेदारी उठाते हुए मैच को फिनिश किया।आईपीएल 2025 में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बल्लेबाजी में एक बार फिर से निरंतरता दिखाते हुए सीएसके के खिलाफ 48 रनों की पारी खेली। अपनी इस पारी में रहाणे ने 33 गेंद का सामना किया जिसमें चार चौके और दो छक्के भी लगाए।

रहाणे के अलावा केकेआर के लिए अंतिम ओवरों में आंद्रे रसेल ने 21 गेंद में तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से कुल 38 रनों का योगदान दिया जबकि मनीष पांडे ने 28 गेंद में एक छक्के और एक चौके से नाबाद 36 रन बनाए।वहीं सीएसके की गेंदबाजी की बात करें तो टीम के लिए स्पिनर नूर अहमद ने अपना कमाल दिखाया। नूर अहमद सीएसके के सबसे सफल गेंदबाज रहे। नूर अहमद ने 4 ओवर में 31 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा अंशुल कंबोज और रविंद्र जडेजा ने एक-एक विकेट अपने नाम किए। इन तीन गेंदबाजों के अलावा और कोई भी प्रभावी नहीं दिखे।

धोनी के कारण अनकैप्ड खिलाड़ी नियम में बदलाव से नाराज हैं: गावस्कर

मुम्बई, 07 मई (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि इस आईपीएल सत्र से पहले महेन्द सिंह धोनी के लिए अनकैप्ड खिलाड़ी नियम में जो बदलाव किया गया था वह सही नहीं था। गावस्कर के अनुसार इससे खेल को नुकसान हुआ है। इस नियम के अनुसार पांच या उससे ज़्यादा साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने वाले खिलाड़ियों को अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर चार करोड़ रुपये में बरकरार रखा जा सकता है।

इसी नियम के कारण चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम धोनी को शामिल करने में सफल रही। गावस्कर का कहना है इससे नये अनकैप्ड खिलाड़ियों को भी चार करोड़ की बड़ी रकम मिल रही है जो नहीं दी जानी चाहिये।

गावस्कर ने कहा है कि इतनी अधिक कीमत मिलने से युवा, अनकैप्ड खिलाड़ियों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। पूर्व कप्तान ने कहा, भारतीय क्रिकेट किसी भी खिलाड़ी के जाने से थोड़ा दुखी होता है, चाहे वह सफल रहा हो या असफल। धोनी पिछले साल नीलामी से पहले अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए थे और उन्हीं को टीम में रखने करने के लिए अनकैप्ड खिलाड़ी को मिलने वाली राशि बढ़ाकर 4 करोड़ रुपये कर दी गयी थी।

उन्होंने कहा, अचानक ही करोड़पति बनने वाले ज़्यादातर खिलाड़ी अति उत्साहित होते हैं। अचानक ही ये बड़ी राशि उन्हें मिली होती है जबकि वे आम तौर पर अपने राज्य के शीर्ष 30 खिलाड़ियों की टीम में भी शामिल नहीं होते हैं।

गावस्कर ने साथ ही कहा, पिछले कुछ सालों में ऐसे अनकैप्ड खिलाड़ियों को याद करना मुश्किल है जिन्हें बड़ी रकम दी गई और वो कुछ कमाल करने में सफल रहे. हो सकता है कि अगले कुछ सालों में वह अनुभव के साथ थोड़ा बेहतर हो जायें पर अगर वह उसी स्थानीय लीग में खेल रहे हैं तो अधिक सुधार की संभावना नहीं होगी।

भारतीय शतरंज खिलाड़ी गुकेश डोमाराजू शतरंज टूर 2025 में चाल चलते हुए

रोमानिया में भारतीय शतरंज खिलाड़ी गुकेश डोमाराजू शतरंज टूर 2025 में चाल चलते हुए।

यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में इंटर मिलान की धमाकेदार एंट्री, बार्सिलोना को 4-3 से हराया

फ्राटेसी ने 99वें मिनट में किया कमाल, इंटर 7-6 के एग्रीगेट स्कोर से फाइनल में पहुंचा

मिलान, 07 मई (एजेंसियां)।

इंटर मिलान ने मंगलवार रात को यूईएफए चैंपियंस लीग 2024-25 के सेमीफाइनल में बार्सिलोना को एक्स्ट्रा टाइम तक चले रोमांचक मुकाबले में 4-3 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। दो लेग्स के कुल स्कोर में इंटर ने 7-6 से जीत दर्ज की।

मिलान की बरसात में खेले गए इस मुकाबले में इटली के मिडफील्डर डेविडे फ्राटेसी ने 99वें मिनट में विजयी गोल दागा। उनका यह सातवां गोल सीज़न का सबसे अहम साबित हुआ और सं सिरो स्टेडियम जश्न में डूब गया।

सीज़न में जान फूंकी, अब खिताब से एक कदम दूर - सिमोन इनज़ागी की टीम अब म्यूनिख में इस महीने के अंत में होने वाले फाइनल में आर्सेनल या पेरिस सेंट-जर्मेन में से किसी एक से भिड़ेगी। इंटर के लिए यह मुकाबला सीज़न का टर्निंग पॉइंट बन गया है, क्योंकि वह पहले ही इटालियन कप से बाहर हो चुका था और सीरी ए की दौड़ में भी नेपोली से पिछड़ गया है।

बार्सिलोना की शानदार वापसी पर लगा ब्रेक - बार्सिलोना ने पहले हाफ में 2-0 से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी की। एरिक गार्सिया और डानी ओल्मो ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। फिर 88वें मिनट में राफिन्हा ने गोल कर बार्सिलोना को 3-2 की बढ़त दिला दी। लेकिन, इंजरी टाइम में फ्रांसेस्को एचर्बी ने डेनजेल डमफ्रिस की क्रॉस पर गोल कर मुकाबले को एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा दिया।

गोलकीपर सोमर ने दिखाई क्लास - इंटर के स्विस गोलकीपर यान सोमर ने कई अहम मौके पर शानदार बचाव किए। उन्होंने एरिक गार्सिया और लमीन यमाल के प्रयासों को नाकाम कर मैच में इंटर की उम्मीदों को ज़िंदा रखा।

नेशनल टीम में जगह बनाने को तैयार सुनील जोजो, बोले- देश के लिए मेडल जीतना है सपना

बेंगलुरू, 07 मई (एजेंसियां)।

ओडिशा के राउरकेला से निकलकर अब सुनील जोजो भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम के नेशनल कोचिंग कैंप में अपनी जगह बना चुके हैं। 22 वर्षीय डिफेंडर पहले दो बार जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और हाल ही में सुल्तान ऑफ जोहर कप में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहे।

सीनियर कैंप में पहली बार शामिल होने का अनुभव साझा करते हुए सुनील ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यह आसान नहीं है। यहां की फिजिकल डिमांड और खेल की गति काफी ज्यादा है। आपको तेजी से ढलना पड़ता है। स्किल लेवल भी अलग है, इसलिए कड़ी मेहनत करनी होती है। अब जब मैं यहां हूं, तो उसी हिसाब से खुद को ढाल रहा हूं।

अपनी ताकत और सुधार की जरूरतों पर फोकस

सुनील ने अपनी मजबूतियों में 'गेम अवेयरनेस' और 'टैकलिंग' को गिनाया, लेकिन साथ ही अपनी फिटनेस पर और काम करने की बात भी स्वीकारी। उन्होंने कहा, मेरे खेल की सबसे बड़ी ताकत अवेयरनेस और टैकलिंग है, लेकिन मुझे अपने स्टेमिना और एंड्योरेंस पर काफी मेहनत करनी है।

सुनील ने हमेशा मनप्रीत सिंह को अपना आदर्श माना है और अब उनके साथ कैंप में ट्रेनिंग करना उनके लिए एक बड़ा मौका है। उन्होंने कहा, अब मैं उनके साथ ज्यादा वक्त बिता रहा हूं। वो अलग-अलग रोल और पोजीशन में खेलते हैं, तो मैं यह सीखने की कोशिश करता हूं कि वो अलग परिस्थितियों में कैसे खुद को ढालते हैं।

मेडल जीतने का सपना

भविष्य को लेकर सुनील पूरी तरह स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा, मैं भारतीय टीम का नियमित हिस्सा बनना चाहता हूं और हर टूर्नामेंट में देश का प्रतिनिधित्व करना चाहता हूं। मेरा सपना है कि मैं भारत के लिए मेडल जीतूं।

हीरो हॉकी इंडिया लीग में भी दिखा जोश

हीरो हॉकी इंडिया लीग में यूपी रुद्रास टीम द्वारा चुने जाने के बाद भले ही सुनील को ज्यादा मौके नहीं मिले, लेकिन उन्होंने अनुभव को कीमती बताया। उन्होंने कहा, मैंने बहुत कुछ सीखा, खासकर ड्रेसिंग रूम और ट्रेनिंग के दौरान। आगे उस अनुभव का फायदा उठाना चाहता हूं।

मानसिक फोकस को मानते हैं सफलता की कुंजी

सुनील के मुताबिक, दुनिया के टॉप खिलाड़ियों के पास जो चीज सबसे खास होती है, वो है मानसिक फोकस। अगर आपके पास वो है, तो आप अपने हर लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

परिवार को मिला सहारा, रेलवे की नौकरी से मिली स्थिरता

ओडिशा की हॉकी परंपरा से निकले सुनील अब साउथ ईस्टर्न रेलवे में नौकरी कर रहे हैं और इससे उन्हें अपने परिवार की मदद करने का संतोष है। उन्होंने कहा,बचपन में परिवार ने मुझे बहुत सपोर्ट किया, अब मैं उनके बोझ को थोड़ा हल्का कर पा रहा हूं। ये मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

केरल में ईवी चार्जिंग पर नया नियम, रात में चार्ज करने पर होगा 30 फीसदी अधिक खर्च

नई दिल्ली, 07 मई (एजेंसियां)।

केरल राज्य में इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग को लेकर एक नया नियम लागू किया गया है, जिसके तहत अब रात के समय चार्ज करने पर ईवी मालिकों को 30फीसदी अधिक भुगतान करना होगा। केरल स्टेट इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने यह बदलाव किया है, जिसका असर पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों पर पड़ेगा। इस नए नियम के मुताबिक ईवी चार्जिंग को दो टाइम जोन में बांटा गया है। सोलर पीरियड, जो सुबह 9 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक होता है, में चार्जिंग करने पर 30फीसदी कम टैरिफ देना होगा। इसका मतलब है कि इस समय अगर चार्जिंग के लिए 100 रुपये खर्च होते थे, तो अब वही 70 रुपये में हो जाएगा। इसके विपरीत, नॉन-सोलर पीरियड यानी शाम 4 बजे से लेकर सुबह 9 बजे तक चार्जिंग करने पर 30फीसदी ज्यादा खर्च होगा। इससे यह तय हो गया है कि रात के समय चार्जिंग पर ईवी मालिकों को अधिक भुगतान करना पड़ेगा। यह नया टैरिफ पब्लिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों पर लागू होगा, जबकि घरेलू चार्जिंग पर इसका कोई असर नहीं होगा। फिलहाल यह नियम केरल में लागू किया गया है, लेकिन भविष्य में इसे अन्य राज्यों में भी लागू किया जा सकता है। चार्जिंग कंपनियों को भी अब एक नई चुनौती का सामना करना पड़ेगा। यदि वे दिन के समय सोलर ऊर्जा का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाते, तो उन्हें नुकसान हो सकता है, क्योंकि शाम के समय उपयोग की गई बिजली का क्रेडिट उन्हें नहीं मिलेगा। इस बदलाव से ईवी मालिकों को चार्जिंग की योजना बनाते समय अब समय का भी ध्यान रखना होगा। जो लोग दिन में अपनी कार चार्ज कर सकते हैं, उनके लिए यह फायदा होगा, जबकि जो लोग रात में चार्ज करते थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कायराना करतूत का ...

किसी भी पाकिस्तानी सैन्य सुविधा को निशाना नहीं बनाया गया। भारत ने टारगेट के चयन और हमले के तरीके में काफी संयम दिखाया। यह कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के मद्देनजर उठाए गए हैं, जिसमें 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी। भारत के जवाबी हमले के बाद पाकिस्तान ने कबूल किया कि भारत की ओर से छह इलाकों में विभिन्न हथियारों से कुल 24 ठिकानों को निशाना बनाया गया। इन छह इलाकों में हमारे क्षति आकलन के आधार पर आठ पाकिस्तानी मारे गए हैं। 35 घायल हुए हैं और दो लापता हैं।कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए पीओके के आतंकी शिविरों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, मुजफ्फराबाद में शवाई नाला कैंप लश्कर-ए-तैयबा का कैंप है। 20 अक्टूबर, 2024 को सोनमर्ग, 24 अक्टूबर, 2024 को गुलमर्ग और 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को यहीं प्रशिक्षित किया गया था। उन्होंने मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल कैंप पर स्ट्राइक की भी जानकारी दी, यह जैश-ए-मोहम्मद का कैंप है, जो हथियार, विस्फोटक और प्रशिक्षण केंद्र के रूप में काम करता है। इसके साथ ही नियंत्रण रेखा (एलओसी) से 30 किलोमीटर दूर कोटली में गुलपुर कैंप को भी टारगेट किया गया। यह 20 अप्रैल, 2023 को पुंछ हमले और 9 जून, 2024 को तीर्थयात्रा बस हमले से जुड़े लश्कर आतंकियों का ठिकाना था। इसके अलावा भिमबेर में बरनाला कैंप को भी ध्वस्त किया गया, यह हथियारों और आईईडी की सप्लाई का केंद्र और ट्रेनिंग सेंटर था। ऐसे ही एलओसी से 13 किमी दूर एक अन्य कोटली कैंप में 15 आतंकवादियों की क्षमता वाले लश्कर के फिदायीन को प्रशिक्षित किया जाता था। इसे भी ध्वस्त किया गया।प्रेस कॉन्फ्रेंस में संसद हमले, मुंबई हमले, पुलवामा हमले और पहलगाम हमले के दृश्य दिखाए गए। सबसे पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इसके बाद कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की पूरी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए वीभत्स आतंकी हमले के शिकार नागरिकों और उनके परिवारों को न्याय देने के लिए किया गया। नौ ठिकानों की पहचान कर उन्हें बर्बाद किया गया। इन ठिकानों में आतंकियों को प्रशिक्षित किया जाता था। ये आतंकियों के लॉन्च पैड थे। ऑपरेशन सिंदूर के लिए इन लक्ष्यों का चयन विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं के आधार पर हुआ। इसमें यह ध्यान रखा गया कि रिहाइशी इलाकों और आम नागरिकों को नुकसान न पहुंचे।इससे पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, 22 अप्रैल 2025 को लश्कर-ए-तैयबा से पाकिस्तान से प्रशिक्षित आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर बर्बरतापूर्ण हमला किया। 25 भारतीयों और एक विदेशी नागरिक को कायरतापूर्ण तरीके से मार दिया गया। यह मुंबई हमले के बाद आतंकी हमलों में आम नागरिकों के मारे जाने की सबसे गंभीर घटना रही। इस हमले में वहां मौजूद लोगों को करीब से और उनके परिवार के सामने सिर पर गोली मारी गई। परिवार के सदस्यों को जानबूझकर आघात पहुंचाया गया। यह नसीहत भी दी गई कि वे हमले का संदेश पहुंचाएं। यह जम्मू-कश्मीर में बहाल हो रही सामान्य स्थिति को बाधित करने के लिए हुआ। इस हमले का उद्देश्य पर्यटन को प्रतिकूल रूप से नुकसान पहुंचाना था। पिछले साल यहां पौने करोड़ पर्यटक आए थे। आतंकियों का यह मकसद था कि इस इलाके को पिछड़ा रखा जाए। हमले का यह तरीका जम्मू-कश्मीर और अन्य राज्यों में साम्प्रदायिक दंगे भड़काने के उद्देश्य से भी था। हमने प्रयासों को विफल कर दिया। एक समूह ने खुद को रजिस्टेंस फ्रंट कहते हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। यह प्रतिबंधित समूह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के समक्ष रिपोर्ट में इस संगठन के बारे में इनपुट दिए थे। इससे पाकिस्तान के आतंकी समूहों के मुखौटे के रूप में टीआरएफ की भूमिका सामने आई थी।उन्होंने कहा, पहलगाम हमला भारत में सीमा पार आतंकवाद को अंजाम देने के पाकिस्तान के लंबे ट्रैक रिकॉर्ड से जुड़ा है। पाकिस्तान दुनियाभर में आतंकियों की शरणस्थली के रूप में पहचान बना चुका है। वहां आतंकी सजा पाने से बचे रहते हैं। साजिद मीर को पाकिस्तान ने मृत घोषित कर दिया था, अंतरराष्ट्रीय दबाव में वह जीवित पाया गया, इससे स्पष्ट उदाहरण मिलता है। पहलगाम हमले के बाद भारत के सभी राज्यों में आक्रोश देखा गया। यह आवश्यक समझा गया कि हमले के आरोपियों और योजनाकारों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। पाकिस्तान ने कार्रवाई करने के लिए कोई स्पष्ट कदम नहीं उठाया। भारत के विरुद्ध आगे भी हमले होने का खतरा है, इसलिए इससे निपटना आवश्यक समझा गया। विदेश सचिव ने कहा कि आज सुबह भारत ने सीमा पार हमलों को रोकने और उनका प्रतिरोध करने के अपने अधिकार का प्रयोग किया। यह कार्रवाई नपी-तुली और बिना उकसावे वाली रही। यह भारत भेजे जाने वाले आतंकियों को अक्षम बनाने पर केंद्रित है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रेस वक्तव्य जारी कर आतंक के प्रायोजितों को न्याय के कटघरे में लाने पर जोर दिया गया था। भारत की कार्रवाई को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। इनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना शामिल है। प्रधानमंत्री ने इससे पहले पहलगाम हमले के मद्देनजर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लक्ष्यों, तरीके और समय पर निर्णय लेने के लिए सशस्त्र बलों को पूरी स्वतंत्रता दी थी। पहलगाम आतंकी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे।

भारतीय सेना की ओर से सफलतापूर्वक निशाना बनाए गए नौ ठिकानों में से चार पाकिस्तान में और पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हैं। पाकिस्तान में स्थित ठिकानों में बहावलपुर, मुरीदके और सियालकोट शामिल हैं। आतंकी शिविरों को निशाना बनाने के लिए विशेष सटीक हथियारों का इस्तेमाल किया गया। तीनों सेनाओं ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन को अंजाम दिया। भारतीय सेना ने भारत में आतंकवादी गतिविधियों को प्रायोजित करने में उनकी भूमिका के लिए जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाने के इरादे से हमलों के लिए स्थान का चयन किया था।

सेना ने सटीक हमला करने वाली हथियार प्रणाली का इस्तेमाल किया। इसमें लोइटरिंग म्यूनिशंस यानी कामिकाजे ड्रोंस और सुसाइड ड्रोंस भी शामिल थे। ये ऐसे हथियार हैं, जो सटीक निशाना लगाने से पहले लक्ष्यों के आसपास मंडराते हैं। यूएवी की निगरानी क्षमताओं और मिसाइलों की घातक सटीकता को साथ लाने से यह हथियार दुश्मनों काल साबित होता है। पारंपरिक मिसाइलों के उलट यह सिर्फ पहले से तय किए गए लक्ष्य का पीछा नहीं करते, बल्कि, वे सही समय का इंतजार करते हैं, लक्ष्य के आसपास मंडराते हैं, ट्रैक करते हैं और फिर हमला करते हैं। ऐसे हथियार है, जो एक ही ऑपरेशन में खुफिया जानकारी भी इकट्ठा करते हैं और भारी तबाही मचाते हैं।

भारत ने जिन आतंकी ठिकानों पर हमले किए हैं, उनमें कोटली, बहावलपुर और मुजफ्फराबाद शामिल है। अभी तक की जानकारियां आधिकारिक तौर पर सामने आईं है, उसके मुताबिक जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनमें जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल, मसूद अजहर और हाफिज सईद के ठिकाने शामिल हैं। मिसाइलों ने बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के ठिकानों को निशाना बनाया। इसके अलावा मुजफ्फराबाद के सेंट्रल ग्रिड सिस्टम पर भी मिसाइलों का कहर बरपा। मामले में सबसे बड़ा दावा यह भी किया जा रहा है कि भारत की स्ट्राइक के तहत मुरीदके में आतंकी हाफिज सईद के ठिकानों को भी नेस्तनाबूद किया गया। जैश-ए-मोहम्मद भारत में कई आतंकी हमलों में शामिल रहा है। इसका सरगना वही मसूद अजहर है, जिसे 1999 में कंधार विमान हाईजैक मामले के बाद रिहा करना पड़ा था। आतंकी हाफिज सईद लश्कर-ए-तैयबा का सरगना है, जो 26/11 के मुंबई हमलों का मुख्य साजिशकर्ता है।छह साल पहले भारत ने पाकिस्तान के बालाकोट में सर्जिकल स्ट्राइक की थी। 14 फरवरी, 2019 का वो दिन जिसे भारत कभी नहीं भुला सकता, हमारे सीआरपीएफ के 40 जवान पुलवामा में आतंकी हमले में शहीद हुए थे और पूरा देश गुस्से में था। हर भारतीय पाकिस्तान से इसका बदला चाहता था, हर कोई जवाब चाहता था और फिर वो जवाब आया 12 दिन के बाद जब भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान की सरहद लांघकर बालाकोट में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में सम्पूर्ण कैबिनेट ने मेज थपथपाकर देश के सुरक्षाबल की सराहना की और बधाई दी। केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व की भी सराहना की। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि उनकी सरकार आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस रखेगी। प्रधानमंत्री ने रक्षा मंत्री और एनएसए अजित डोभाल से भी अलग से मुलाकात की और मौजूदा हालात का जायजा लिया।ऑपरेशन सिंदूर को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, कल रात भारतीय सेनाओं ने अपने शौर्य एवं पराक्रम का परिचय देते हुए एक नया इतिहास लिख दिया है। भारत की सेना ने सटीकता, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ करवाई की है। सेना ने हमारा मस्तक ऊंचा किया है। भारतीय सशस्त्र बलों ने सटीकता, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की। हमने जो लक्ष्य तय किए थे, उन्हें सही समय पर सटीकता के साथ ध्वस्त किया। भारतीय सेना ने अपने शौर्य एवं पराक्रम का परिचय देते हुए एक नया इतिहास लिख दिया है। भारत की सेना ने सटीकता, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ करवाई की है। हमने जो लक्ष्य तय किए थे, उन्हें ठीक तय योजना के अनुसार सटीकता से ध्वस्त किया है। किसी भी नागरिक ठिकाने नागरिक जनसंख्या को जरा भी प्रभावित न होने की संवेदनशीलता दिखाई है। यानि एक तरीके की सटीकता, सतर्कता और मानवता सेना ने दिखाई है। जिसके लिए मैं हमारे सेना के जवानों और अधिकारियों को पूरे देश की ओर से साधुवाद देता हूं। राजनाथ सिंह ने कहा, सेना को सम्पूर्ण सम्बल प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी साधुवाद देता हूं। हमने हनुमान जी के उस आदर्श का पालन किया है, जो उन्होंने अशोक वाटिका उजाड़ते समय किया था जिन मोहि मारा, तिन मोहि मारे अर्थात केवल उन्हीं को मारा जिन्होंने हमारे मासूमों को मारा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सेनाओं ने, ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च करके, पहले की तरह ही, इस बार भी, आतंकियों को ट्रेनिंग देने वाले कैंपों को तबाह करके करारा जवाब दिया है। भारत ने हमलों के जवाब में अपना राइट टू रिस्पॉन्स का इस्तेमाल किया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि,हमारी यह कार्रवाई, बेहद सोच-समझकर, सधे हुए तरीके से की गई हैख आतंकियों के हौसले पस्त करने के उद्देश्य से, यह कार्रवाई, महज उनके शिविरों और अन्य संरचनाओं तक ही सीमित रखी गई है। मैं पुनः, हमारी सशस्त्र बलों के शौर्य को नमन करता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ...

पहलगाम में पाकिस्तान के भाड़े के आतंकियों ने भारतीय महिलाओं के मस्तक से 15 दिन पहले जो सिंदूर उजाड़े थे, भारत ने उसका प्रतिशोध ले लिया। 6 और 7 मई की दरमियानी रात देश के सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर हमला कर दिया। घातक ड्रोन और मिसाइलों से हुए इस हमलों के जरिए नौ जगहों पर आतंकी ढांचे को नष्ट कर दिया गया। इसी के साथ सेना ने ऐलान कर दिया कि इंसाफ पूरा हुआ! इसे नाम दिया गया था ऑपरेशन सिंदूर।पहलगाम हमले में आतंकियों ने पर्यटकों का धर्म पूछकर उन्हें गोली मारी थी। हमले के 15 दिन बाद 6 और 7 मई की दरमियानी रात यह कार्रवाई पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर, दोनों के अंदर ऐसी जगहों पर हुई, जहां आतंकियों के ठिकाने मौजूद हैं। ऑपरेशन सिंदूर एक संयुक्त ऑपरेशन था। इसमें वायुसेना, थलसेना और नौसेना की लक्ष्य को सटीक तरीके से भेदने वाली हथियार प्रणालियों यानी प्रीसिशन स्ट्राइक वेपन्स का इस्तेमाल किया गया। हमले में लॉयटरिंग म्यूनिशंस यानी घातक ड्रोन शामिल थे। हमला कहां होना है, इसके बारे में भारत की खुफिया एजेंसियों ने जानकारी दी। वहीं, हमले को भारतीय सरजमीं से ही अंजाम दिया गया।थलसेना के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पब्लिक इन्फॉर्मेशन यानी एडीजीपी के सोशल मीडिया पर रात 1:28 बजे 64 सेकंड का एक वीडियो पोस्ट किया गया, जिस पर लिखा था, प्रहाराय सन्निहिताः, जयाय प्रशिक्षिताः। यानि हमले को तैयार और जीत के लिए प्रशिक्षित। इसके बाद रात 1:51 बजे दूसरा पोस्ट जारी हुआ, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर की तस्वीर के साथ लिखा था, इंसाफ पूरा हुआ, जय हिंद।भारत ने बहावलपुर, मुरीदके, सियालकोट, भीमबेर, कोटली और मुजफ्फराबाद में आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई कि भारत की मिसाइलें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के ठिकाने, मुजफ्फराबाद के सेंट्रल ग्रिड सिस्टम और मुरीदके में हाफिज सईद के ठिकाने पर गिरीं। जैश-ए-मोहम्मद का सरगना वही मसूद अजहर है, जिसे 1999 में आईसी-814 कंधार विमान अपहरण मामले के बाद रिहा करना पड़ा था। मसूद अजहर के पाकिस्तान लौटने के बाद बहावलपुर आतंकियों को प्रशिक्षण देने का बड़ा ठिकाना बन गया। जैश-ए-मोहम्मद संसद पर 2001 में हुए हमले, 2016 में पठानकोट हमले और 2019 में पुलवामा हमले में शामिल रहा है। वहीं, हाफिज सईद लश्कर-ए-तैयबा का सरगना है, जो 26/11 के मुंबई हमलों का मास्टरमाइंड है। मुरीदके में ही लश्कर-ए-तैयबा का मुख्यालय है। यह आतंकी संगठन 1990 से मुरीदके से ही ऑपरेट करता है। भारत ने लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के सरगनाओं को निशाना बनाने के लिए ही इन जगहों को चुना। वहीं, मुजफ्फराबाद और कोटली नियंत्रण रेखा के पास है।

ध्वस्त ठिकानों की सूची में 1. मरकज सुभान अल्लाह, बहावलपुर (जैश), 2. मरकज तैयबा, मुरीदके (लश्कर), 3. सरजाल, तेहरा कलां (बहावलपुर) (जैश), 4. महमूना जोया सुविधा, सियालकोट (हिजबुल), 5. मरकज अहले हदीस बरनाला, भीमबेर (लश्कर), 6. मरकज अब्बास, कोटली (जैश), 7. मस्कर राहील शाहिद, कोटली (हिजबुल), 8. शावई नाला कैंप, मुजफ्फराबाद (लश्कर) और 9. मरकज सैयदना बिलाल, मुजफ्फराबाद (जैश) शामिल है।

भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशंस के डायरेक्टर जनरल अहमद शरीफ चौधरी का बयान आया। इस बयान में चौधरी ने स्वीकार किया कि भारत की एयर स्ट्राइक बहावलपुर के अहमद ईस्ट एरिया में सुभानउल्लाह मस्जिद, कोटली और मुजफ्फराबाद में हुई है। उन्होंने यह भड़काऊ बयान भी दिया कि हम जवाब देंगे। बाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की तरफ से भी बयान आया, जिसमें उन्होंने कबूल किया कि पाकिस्तान में पांच जगहों पर हमला किया गया है। वहीं, पाकिस्तान मीडिया में आ रही खबरों में वहां के लोगों ने ही स्वीकार किया कि मिसाइल स्ट्राइक में मसूद अजहर का मदरसा तबाह हो चुका है।

16 भारतीय नागरिकों...

7 और 8 मई के लिए निर्धारित दो उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। यह आगे भी रद्द रहेंगी क्योंकि 10 मई की सुबह तक प्रदेश के सभी हवाई अड्डे नागरिक उड़ानों के लिए बंद किए जा चुके हैं।यही नहीं एशिया की सबसे ऊंची और सबसे लंबी केबल कार राइड में से एक लोकप्रिय गुलमर्ग गंडोला को भी अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण बंद रखने की घोषणा की गई है। जम्मू कश्मीर केबल कार कारपोरेशन ने बुधवार सुबह एक नोटिस जारी कर पर्यटकों और स्थानीय लोगों को सेवाओं के अस्थायी निलंबन के बारे में सूचित किया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि 7 मई के लिए सभी ऑनलाइन बुकिंग का पूरा पैसा वापस किया जाएगा। दूसरी ओर प्रदेश के हवाई अड्डों के बंद होने की विमानन अधिकारियों की अधिसूचना के बाद जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट- इन स्टेशनों से आने-जाने वाली एयर इंडिया की उड़ानें 10 मई को 05.29 बजे तक रद्द करने की घोषणा की गई है। एयरलाइंसों की ओर से जारी सूचनाओं में कहा गया था कि इस अवधि के दौरान यात्रा के लिए वैध टिकट रखने वाले ग्राहकों को पुनर्निर्धारण शुल्क पर एक बार की छूट या रद्दीकरण के लिए पूर्ण धन वापसी की पेशकश की जाएगी।इस बीच पाकिस्तान से सटे एलओसी पर पाक सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में की जाने वाली गोलाबारी में समाचार भेजे जाने तक 14 भारतीय नागरिकों की मौत हो चुकी थी और 100 से अधिक गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। एलओसी से सटे इलाकों में भयानक मंजर के बीच हजारों लोग घर बार छोड़ भाग रहे हैं। कुछ लोग हिम्मत कर बंकरों में दुबके हुए हैं, जबकि उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने इंटरनेशनल बार्डर पर जीरो लाइन से सटे गांवों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का निर्देश दिया है। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा पाकिस्तान के अंदर सटीक हवाई हमलों के बाद जम्मू कश्मीर के कई इलाकों में एलओसी पर पाकिस्तान की ओर से की गई गोलाबारी में 14 नागरिक मारे गए और 100 से अधिक घायल हो गए। फिलहाल आधिकारिक तौर पर 10 के मरने की पुष्टि की जा चुकी थी।

भारत ने नौ...

साल 2001 में हुए संसद हमले और 2019 में हुए पुलवामा हमले में भी जैश का हाथ था। भारत ने बहावलपुर में जैश के ठिकाने मरकज शुभान अल्लाह को निशाना बनाया। मरकज में ही जैश के मुखिया मौलाना मसूद अजहर, मुफ्ती अब्दुल रउफ असगर, मौलाना अम्मार का घर भी है।

मुरीदके लाहौर से करीब 40 किलोमीटर दूर है। मुरीदके आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा और इसकी शाखा जमात उद दावा का केंद्र माना जाता है। मुरीदके में लश्कर ए तैयबा का ट्रेनिंग सेंटर है और यह करीब 200 एकड़ इलाके में फैला है। भारत में साल 2008 में हुए मुंबई हमले में भी लश्कर का हाथ था। 26/11 के हमलावरों की ट्रेनिंग भी मुरीदके में ही हुई थी। कोटली पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का इलाका है। भारत का दावा है कि यह आत्मघाती हमलावरों और उग्रवादियों का प्रशिक्षण केंद्र है। कोटली में एक बार में 50 से ज्यादा आतंकियों को प्रशिक्षण दिया जा सकता है। गुलपुर जम्मू कश्मीर में आतंकियों का लॉन्च पैड माना जाता है। खासकर राजौरी और पुंछ इलाकों में होने वाली आतंकी घुसपैठ गुलपुर से ही होती है। भारतीय सुरक्षा बलों के काफिले पर हमलों को अंजाम देने के लिए अक्सर इस ठिकाने का इस्तेमाल किया जाता है। सियालकोट का महमूना कैंप भी भारतीय सेना के निशाने पर रहा। महमूना कैंप हिजबुल मुजाहिदीन का ठिकाना था। हिजबुल मुजाहिदीन हाल के वर्षों में कमजोर हुआ है, लेकिन अभी भी इसकी स्थानीय नेटवर्क पर पकड़ है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के तंगधार सेक्टर स्थित सवाई इलाके में लश्कर ए तैयबा का कैंप है। साल 2024 में गांदरबल, गुलमर्ग और अब पहलगाम के आतंकी हमले की योजना भी सवाई में ही बनाई गई थी। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मौजूद सरजाल और बरनाला भी कश्मीर में आतंकी घुसपैठ के लॉन्च पैड माने जाते हैं। जिन्हें भारतीय सेना ने निशाना बनाया।

200 से अधिक ....

इनमें श्रीनगर, जम्मू, लेह, अमृतसर, पठानकोट, चंडीगढ़, जोधपुर, जैसलमेर, शिमला, धर्मशाला और जामनगर शामिल हैं।ऑपरेशन सिंदूर के बाद फ्लाइट ऑपरेशन्स पर भारी असर पड़ा है। अब तक 200 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। अकेले इंडिगो ने लगभग 165 फ्लाइट कैंसिल की हैं। दिल्ली एयरपोर्ट से भी 35 से ज्यादा फ्लाइट्स (23 जाने वाली, 8 आने वाली और 4 अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स) रद्द कर दी गई हैं। मौजूदा हालात को देखते हुए इंडिगो एयरलाइन ने मंगलवार को श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, लेह, चंडीगढ़, धर्मशाला, बीकानेर और जोधपुर के लिए सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। इसकी जानकारी देते हुए एयरलाइन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि देशभर में उड़ानों के शेड्यूल में बदलाव हो सकता है। साथ ही इंडिगो ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ्लाइट की स्थिति जरूर जांच लें, ताकि असुविधा से बचा जा सके।उड़ान रद्द होने के बाद कई एयरलाइंस ने बयान जारी कर अपना-अपना स्पष्टिकरण दिया। एयर इंडिया ने जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट की उड़ानें 10 मई सुबह 5:29 बजे तक रद्द कर दी हैं। यात्रियों को टिकट रद्द कराने या री-शेड्यूल करने पर शुल्क नहीं देना होगा। वहीं स्पाइसजेट, इंडिगो, अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी कई फ्लाइट्स कैंसिल की हैं और यात्रियों को फुल रिफंड या वैकल्पिक उड़ान का विकल्प देने की बात कही है। कतर एयरवेज ने पाकिस्तानी एयरस्पेस बंद होने के कारण पाकिस्तान के लिए उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दी हैं।

थैंक्यू मोदी जी...

ऐसे जब पाकिस्तान में आतंकी शिविरों को तबाह किया गया तो उनके शुभम द्विवेदी के परिजनों को अपने जख्मों पर कुछ मरहम महसूस हुआ। शुभम द्विवेदी की पत्नी ने कहा, मैं अपने पति की मौत का बदला लेने के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहती हूं। मेरे पूरे परिवार को उन पर भरोसा था। जिस तरह से उन्होंने पाकिस्तान को जवाब दिया, उसने हमारे भरोसे को ज़िंदा रखा है। शुभम द्विवेदी की पत्नी ने कहा, यही मेरे पति को सच्ची श्रद्धांजलि है। मेरे पति आज जहां भी होंगे, उन्हें शांति मिलेगी। शुभम के पिता संजय द्विवेदी ने भी सेना की कार्रवाई पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, मैं रात से ही खबरें देख रहा हूं। मैं अपने देश की सेना को सलाम कर रहा हूं। हमारी सशक्त सेनाओं ने अदम्य साहस और शौर्य का परिचय दिया है। मैं इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं। हमारे दिल पर जो जख्म लगा था। उस पर मरहम लगा है। शुभम की आत्मा को सच्चे तौर पर आज शांति मिली है।

मसूद अजहर ...

कारी इकबाल के साथ हमले में 10 अन्य आतंकी भी मारे गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर में बिलाल आतंकी कैंप के प्रमुख याकूब मुगल की भी मौत हुई है।

मसूद अजहर ने बयान जारी कर बताया है कि हमले में उसके परिजनों के अलावा चार करीबी सहयोगी भी मारे गए हैं। बहावलुपर में जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह पर हुए हमले में जैश ए मोहम्मद चीफ मसूद अजहर की बड़ी बहन और उसके पति, भांजे और उसकी पत्नी और अन्य भतीजों और परिवार के पांच बच्चों की मौत हुई है। हमले में मसूद अजहर के करीबी सहयोगी और उसकी मां और दो अन्य करीबी सहयोगियों की भी मौत हुई है। हमले में अपनों के मारे जाने पर मसूद अजहर फूट-फूटकर रोया। भारत के हमले में आतंकी कारी मोहम्मद इकबाल की भी मौत हुई है। कारी इकबाल ही कोटली में चलने वाले आतंकी कैंपों का कमांडर था। कारी इकबाल के साथ हमले में 10 अन्य आतंकी भी मारे गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर में बिलाल आतंकी कैंप के प्रमुख याकूब मुगल की भी मौत हुई है।मरकज सुभान अल्लाह कराची-तोरखाम राजमार्ग पर बहावलपुर के बाहरी इलाके में स्थित है। यह जैश ए मोहम्मद का मुख्य आतंकी प्रशिक्षण केंद्र है, जो 15 एकड़ इलाके में फैला है। मरकज सुभान अल्लाह जैश का संचालनात्मक मुख्यालय माना जाता है और 2019 में जम्मू कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले की योजना यहीं बनाई गई थी। मौलाना मसूद अजहर का घर मरकज सुभान अल्लाह में ही है, लेकिन फिलहाल पाकिस्तानी सेना ने उसे भारत के हमले के डर से किसी अज्ञात स्थान पर छिपाया हुआ है। जैश ए मोहम्मद को साल 2001 में भारत ने आतंकी संगठन घोषित किया था। उसके बाद से कई अन्य देश भी इसे आतंकी संगठन घोषित कर चुके हैं। मरकज सुभान अल्लाह का निर्माण साल 2015 में हुआ है और इसके लिए पाकिस्तानी सरकार ने फंडिंग दी। साथ ही जैश ने अरब और अफ्रीकी देशों से भी फंड इकट्ठा किया।

पाक के आतंकी...

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एचएच शेख तहनून से भी फोन पर बातचीत कर डोभाल ने भारत-पाकिस्तान के बीच मौजूदा हालात की जानकारी दी। उन्होंने यूएई की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महासचिव अली अल शम्सी से भी सम्पर्क किया। डोभाल ने जापान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मासाताका ओकानो से भी बातचीत की। भारत के एनएसए ने रूस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सेर्गेई शोइगु से भी सम्पर्क साधा और जानकारियां साझी कीं। अजित डोभाल ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य एवं विदेश मंत्री वांग यी से संपर्क किया। डोभाल ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार इमैनुएल बॉन से भी बात की।भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने कहा, मैंने अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस जैसे देशों के अपने समकक्षों को भारतीय सेना की कार्रवाई और क्रियान्वयन के बारे में जानकारी साझा की और उन्हें बताया कि संतुलित, गैर-आक्रामक और संयमित कार्रवाई में केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत का इरादा तनाव बढ़ाने का नहीं है, लेकिन अगर पाकिस्तान तनाव बढ़ाने का फैसला करता है तो वह दृढ़ता से जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। एनएसए डोभाल ने साफ कर दिया है कि वे आने वाले दिनों में भी अपने समकक्षों के सम्पर्क में रहेंगे।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया में...

दहशतगर्दों पर लगभग दो हफ्ते तक कोई कार्रवाई नहीं की। इसके जवाब में भारत ने विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ठिकानों पर हमला किया। दुनियाभर की मीडिया में भारत की इस कार्रवाई अलग-अलग अंदाज में खबरें प्रकाशित की गई हैं।

भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी पहली खबर के शीर्षक में कश्मीर में आतंकी हमले के दो हफ्ते बाद पाकिस्तान पर हमले की बात लिखी। इस रिपोर्ट में लिखा गया कि भारत ने पाकिस्तान में नौ ठिकानों पर हमले किए। हालांकि, इसमें कोई भी सैन्य ठिकाना शामिल नहीं है। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि बीते अप्रैल में हुए आतंकवादी हमले में दो दर्जन निहत्थे नागरिकों की हत्या कर दी गई थी। इसी वेबसाइट के होम पेज पर एक अन्य खबर में कश्मीर मुद्दे को लेकर तनाव को लेकर भी विस्तृत जानकारी छापी गई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की इस रिपोर्ट में रॉयटर्स के हवाले से आई आधी रात के समय की एक तस्वीर भी प्रकाशित की गई है।

बीबीसी की रिपोर्ट में भी उसी तस्वीर का इस्तेमाल किया गया जो न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी खबर के साथ संलग्न की है। इस रिपोर्ट की हेडलाइन में लिखा गया है कि भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हवाई हमले किए हैं। इस रिपोर्ट में पाकिस्तानी सेना के बयान का भी जिक्र है। इसमें पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि कई लोकेशंस पर मिसाइलों से हमले किए गए हैं। पश्चिम एशियाई देश कतर से संचालित मीडिया संस्थान अल-जजीरा ने भी पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना के तीनों अंगों (थल-वायु और नौसेना) की संयुक्त कार्रवाई- ऑपरेशन सिंदूर पर प्रमुखता से खबर प्रकाशित की। अल-जजीरा की इस रिपोर्ट में वेबसाइट की होम पेज के ट्रेंडिंग टॉपिक में भारत पाकिस्तान तनाव भी प्रमुखता से दिखाई दे रहा है। इसके अलावा ब्रेकिंग न्यूज के तौर पर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आपातकाल की घोषणा की सूचना भी दिख रही है। इसके अलावा पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के बयान का भी जिक्र है, जिसमें पंजाब प्रांत के बहावलपुर में भारत के हमले में दो लोगों के मारे जाने की बात लिखी गई है। खबर की प्रमुख हेडिंग में ये बात लिखी गई है कि भारत की तरफ से पाकिस्तान में दागी गई मिसाइलों के कारण युद्ध का खतरा बढ़ गया है।अमेरिका के अटलांटा से संचालित मीडिया सीएनएन की रिपोर्ट में भारत की सैन्य कार्रवाई को प्रमुखता से छापा गया है। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत का मिलिट्री ऑपरेशन शुरू होने के बाद हालात और गंभीर होने की आशंका है। इस खबर में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बयान का भी जिक्र है, जिसमें भारतीय सेना की कार्रवाई को युद्ध के लिए उकसाना बताया। इस खबर में सीएनएन ने पाकिस्तानी सेना के उस भ्रामक दावे का भी जिक्र किया है जिसमें दावा किया है कि भारतीय सेना के दो विमानों को मार गिराया है।ब्रिटेन के अखबार गार्डियन में छपी इस खबर को लेकर हेडलाइन में कश्मीर संकट और पाकिस्तान के जवाबी कार्रवाई के दावे को तरजीह दी गई है। गार्डियन की इस रिपोर्ट की हेडलाइंस बताती है कि पाकिस्तान भारत के एक्ट ऑफ वॉर के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर रहा है। इस खबर में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के बयान को भी शामिल किया गया है, जिसमें शहबाज शरीफ ने भारत की कार्रवाई को कायराना बताया है। इस खबर में पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के दावे को भी शामिल किया गया है जिसमें उन्होंने महिलाओं-बच्चों समेत नागरिकों के मारे जाने का दावा किया है। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई को लेकर एक अन्य मीडिया संस्थान यूएसए टुडे ने हेडलाइन में कश्मीर में पर्यटकों के मारे जाने का भी जिक्र किया। इसमें लिखा गया है कि परमाणु शक्ति सम्पन्न दो पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। खबर की शीर्षक बताती है कि कश्मीर में हिंदू पर्यटकों पर हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर हमले किए हैं।

आज रखा जाएगा मोहिनी एकादशी व्रत

हिंदू पंचांग के अनुसार वैशाख माह में शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मोहिनी एकादशी व्रत रखा जाता है। वैसे तो हर महीने में दो एकादशी तिथि होती है। एक शुक्ल पक्ष और एक कृष्ण पक्ष में, लेकिन मोहिनी एकादशी का खास महत्व माना जाता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि मोहिनी एकादशी का व्रत 8 मई को रखा जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु के मोहिनी स्वरूप की पूजा की जाती है। इस व्रत को करने से मनुष्य के सभी कष्ट दूर होते हैं। मान्यता है कि मोहिनी एकादशी का व्रत सभी प्रकार के दुखों का निवारण करने वाला, सब पापों को हरने वाला और व्रतों में उत्तम व्रत है। इस व्रत के प्रभाव से मनुष्य मोहजाल से छुटकारा पाकर विष्णु लोक को प्राप्त करता है। मोहिनी एकादशी के दिन पूजा अर्चना करने से मन को शांति मिलती है और धन, यश और वैभव में वृद्धि होती है। इस दिन सृष्टि के रचयिता भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत भी रखा जाता है। इस व्रत के पुण्य से भक्त के अनजाने में किए गए सभी पाप दूर हो जाते हैं। भगवान विष्णु की कृपा भी प्राप्त होती है।

हिंदू धर्म में साल में 24 एकादशी पड़ती हैं। एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है और इस दिन श्रीहरि की पूजा की जाती है। वैसे तो सभी एकादशी महत्वपूर्ण मानी गई है लेकिन वैशाख मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी का भी विशेष महत्व है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाले एकादशी को मोहिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। मोहिनी एकादशी का दिन भगवान विष्णु और उनके मोहिनी अवतार की पूजा करने के लिए मनाया जाता है। भक्त अपने पिछले पापों से छुटकारा पाने और विलासिता से भरा जीवन जीने के लिए मोहिनी एकादशी का व्रत रखते हैं। इस दिन व्रत-पूजा करने से साधक को सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही घर में सुख समृद्धि भी बनी रहती है। इस बार मोहिनी एकादशी पर 3 शुभ योग बन रहे हैं।

मोहिनी एकादशी तिथि

वैशाख शुक्ल एकादशी तिथि समाप्त: 8 मई, 2025, दोपहर 12:29 मिनट पर

उदयातिथि के आधार पर मोहिनी एकादशी व्रत 8 मई 2025 को रखा जाएगा।

शुभ योग

इस वर्ष मोहिनी एकादशी के दिन भद्रवास योग बन रहा है, जो इस व्रत को और भी प्रभावशाली बनाता है। इस योग में किया गया व्रत और जप अनेक गुना पुण्य प्रदान करता है।

यज्ञ से भी ज्यादा फल देता है एकादशी व्रत

पुराणों के मुताबिक, एकादशी को हरी वासर यानी भगवान विष्णु का दिन कहा जाता है। विद्वानों का कहना है कि एकादशी व्रत यज्ञ और वैदिक कर्म-कांड से भी ज्यादा फल देता है। पुराणों में कहा गया है कि इस व्रत को करने से मिलने वाले पुण्य से पितरों को संतुष्टि मिलती है। स्कंद पुराण में भी एकादशी व्रत का महत्व बताया गया है। इसको करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं।

पुराणों और स्मृति ग्रंथ में एकादशी व्रत

स्कन्द पुराण में कहा गया है कि हरिवासर यानी एकादशी और द्वादशी व्रत के बिना तपस्या, तीर्थ स्थान या किसी तरह के पुण्याचरण द्वारा मुक्ति नहीं होती। पदम पुराण का कहना है कि जो व्यक्ति इच्छा या न चाहते हुए भी एकादशी उपवास करता है, वो सभी पापों से मुक्त होकर परम धाम वैकुंठ धाम प्राप्त करता है। कात्यायन स्मृति में जिक्र किया गया है कि आठ साल की उम्र से अस्सी साल तक के सभी स्त्री-पुरुषों के लिए बिना किसी भेद के एकादशी में उपवास करना कर्त्तव्य है। महाभारत में श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सभी पापों ओर दोषों से बचने के लिए 24 एकादशियों के नाम और उनका महत्व बताया है।

एकादशी व्रत का महत्व

वैदिक संस्कृति में प्राचीन काल से ही योगी और ऋषि इन्द्रिय क्रियाओं को भौतिकवाद से देवत्व की ओर मोड़ने को महत्व देते आ रहे हैं। एकादशी का व्रत उसी साधना में से एक है। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार एकादशी में दो शब्द होते हैं एक (1) और दशा (10)। दस इंद्रियों और मन की क्रियाओं को सांसारिक वस्तुओं से ईश्वर में बदलना ही सच्ची एकादशी है। एकादशी का अर्थ है कि हमें अपनी 10 इंद्रियों और 1 मन को नियंत्रित करना चाहिए। मन में काम, क्रोध, लोभ आदि के कुविचार नहीं आने देने चाहिए। एकादशी एक तपस्या है जो केवल भगवान को महसूस करने और प्रसन्न करने के लिए की जानी चाहिए। हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार एकादशी तिथि भगवान विष्णु को बेहद प्रिय है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस व्रत की महिमा स्वयं श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताई थी। एकादशी व्रत के प्रभाव से जातक को मोक्ष मिलता है और सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं, दरिद्रता दूर होती है, अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता, शत्रुओं का नाश होता है, धन, ऐश्वर्य, कीर्ति, पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता रहता है।

पूजा विधि

मोहिनी एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें। उसके बाद पीले वस्त्र पहनकर भगवान विष्णु का स्मरण करें और पूजा करें। फिर 'ऊं नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप जरूर करें। उसके बाद धूप, दीप, नैवेद्य आदि सोलह चीजों के साथ करें और रात को दीपदान करें। पीले फूल और फलों को अर्पण करें। श्री हरि विष्णु से किसी प्रकार की गलती के लिए क्षमा मांगे। शाम को पुन: भगवान विष्णु की पूजा करें और रात में भजन कीर्तन करते हुए जमीन पर विश्राम करें। फिर अगले दिन सुबह उठकर स्नान आदि करें। इसके बाद ब्राह्मणों को आमंत्रित करके भोजन कराएं और उन्हें अपने अनुसार भेट दें। इसके बाद व्रत का पारण करें।

भगवान विष्णु ने रखा था मोहिनी रूप

पौराणिक कथा के अनुसार समुद्र मंथन के समय जब समुद्र से अमृत कलश निकला तब राक्षसों और देवताओं के बीच इस बात को लेकर विवाद शुरू हो गया कि अमृत का कलश कौन लेगा। इसके बाद सभी देवताओं ने भगवान विष्णु से सहायता मांगी। ऐसे में अमृत के कलश से राक्षसों का ध्यान भटकाने के लिए भगवान विष्णु मोहिनी नामक एक सुंदर स्त्री के रूप में प्रकट हुए, जिसके बाद सभी देवताओं ने विष्णु जी की सहायता से अमृत का सेवन किया। इसी दिन वैशाख शुक्ल की एकादशी तिथि थी, इसलिए इस दिन को मोहिनी एकादशी के रूप में मनाया जाता है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

एकादशी पर राशि अनुसार करें ये उपाय, ग्रह क्लेश होंगे दूर

भगवान विष्णु को खुश करने के लिए मोहिनी एकादशी का दिन बेहद पावन माना जाता है। इस दिन भक्त व्रत रखते हैं और विभिन्न पूजा नियमों का पालन करते हैं। ऐसा माना जाता है कि जो लोग इस व्रत को रखते हैं, उनके सभी पापों का अंत होता है। इसके साथ ही संतान से जुड़ी सभी मुश्किलें दूर होती हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल यह एकादशी 8 मई 2025 को मनाई जाएगी। वहीं, इस दिन श्री हरि को कुछ चीजें जरूर चढ़ानी चाहिए। इससे मनचाहा फल मिलता है।

मोहिनी एकादशी पर करें ये शुभ काम

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को मोहिनी एकादशी पर गुड़ या गेंहू का दान करना चाहिए।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक को इस शुभ दिन पर चावल, दही और सफेद मिठाई का दान करना चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के लोगों को इस शुभ तिथि पर कामधेनु गाय की प्रतिमा दान करनी चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातकों को मोहिनी एकादशी पर श्री हरि को पीले फल चढ़ाने चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों को इस शुभ तिथि पर अपने घर में तुलसी का पौधा लगाना चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर अन्न का दान करना चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को विष्णु जी के नाम पर धन का दान करना चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों को इस शुभ अवसर पर केसर की खीर या गुड़ श्री हरि को अर्पित करना चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के लोगों को इस शुभ दिन पर हल्दी का दान करना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को मोहिनी एकादशी पर काले तिल का दान करना चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों को इस शुभ तिथि पर विष्णु जी को शमी पत्र अर्पित करना चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि वालों को इस शुभ अवसर पर गोपी चंदन व पीले वस्त्र का दान करना चाहिए।

आज इन जगहों पर जलाएं दीपक, घर में होगा मां लक्ष्मी का वास

वैदिक पंचांग के अनुसार, हर माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर व्रत किया जाता है। साथ ही भक्त भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करते हैं। वैशाख माह में मोहिनी एकादशी व्रत किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मोहिनी एकादशी के दिन श्रीहरि और मां लक्ष्मी की पूजा और व्रत करने से जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी पापों से छुटकारा मिलता है। ऐसा माना जाता है कि मोहिनी एकादशी के दिन विशेष जगहों पर दीपक जलाने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 07 मई को सुबह 10 बजकर 19 मिनट पर शुरू होगी। इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 08 मई को दोपहर 12 बजकर 29 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि का खास महत्व है। ऐसे में मोहिनी एकादशी 08 मई को मनाई जाएगी।

मिलेंगे शुभ परिणाम

सनातन धर्म में तुलसी का पौधा पूजनीय है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां तुलसी की पूजा करने से धन लाभ के योग बनते हैं। ऐसे में मोहिनी एकादशी के दिन तुलसी के पोधे के पास देसी घी का दीपक जलाने से घर में सुख-शांति का वास होता है। साथ ही साधक को जीवन में शुभ परिणाम देखने को मिलते हैं।

आर्थिक तंगी होगी दूर

अगर आप जीवन में नकारात्मक ऊर्जा का सामना कर रहे हैं, तो इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए मोहिनी एकादशी के दिन घर के मुख्य द्वार पर देसी घी या तेल का दीपक जलाएं। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है। घर में सुख, समृद्धि और शांति का आगमन होता है। इसके अलावा आर्थिक तंगी की समस्या से छुटकारा मिलता है।

पापों से मिलेगी मुक्ति

इसके अलावा मोहिनी एकादशी के दिन सुबह स्नान करने के बाद सूर्य देव को अर्घ्य दें। इसके बाद पवित्र नदी में दीपदान करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, दीपदान करने से साधक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। सभी पापों से मुक्ति मिलती है।

मोहिनी एकादशी के दिन करें श्री लक्ष्मी चालीसा का पाठ, बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा

वैदिक पंचांग के अनुसार, 08 मई को मोहिनी एकादशी का व्रत किया जाएगा। इस खास अवसर पर अन्न और धन समेत आदि चीजों का दान किया जाता है। साथ ही भक्त श्रीहरि और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मोहिनी एकादशी व्रत करने से साधक को सभी पापों से छुटकारा मिलता है। अगर आप भी मां लक्ष्मी की कृपा पाना चाहते हैं, तो मोहनी एकादशी के दिन सच्चे मन से लक्ष्मी चालीसा का पाठ करें। इस चालीसा का पाठ करने से जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होगी।

श्री लक्ष्मी चालीसा

यही मोर अरदास, हाथ जोड़ विनती करुं।
सब विधि करौ सुवास, जय जननि जगदंबिका।।

चौपाई

सिन्धु सुता मैं सुमिरौ तोही। ज्ञान बुद्धि विघा दो मोही।।
तुम समान नहिं कोई उपकारी। सब विधि पुरवहु आस हमारी।।
जय जय जगत जननि जगदंबा सबकी तुम ही हो अवलंबा।।
तुम ही हो सब घट घट वासी। विनती यही हमारी खासी।।
जगजननी जय सिन्धु कुमारी। दीनन की तुम हो हितकारी।।
विनवौं नित्य तुमहिं महारानी। कृपा करौ जग जननि भवानी।।
केहि विधि स्तुति करौं तिहारी। सुधि लीजै अपराध बिसारी।।
कृपा दृष्टि चितववो मम ओरी। जगजननी विनती सुन मोरी।।
ज्ञान बुद्धि जय सुख की दाता। संकट हरो हमारी माता।।
क्षीरसिन्धु जब विष्णु मथायो। चौदह रत्न सिन्धु में पायो।।
चौदह रत्न में तुम सुखरासी। सेवा कियो प्रभु बनि दासी।।
जब जब जन्म जहां प्रभु लीन्हा। रुप बदल तहं सेवा कीन्हा।।
स्वयं विष्णु जब नर तनु धारा। लीन्हेउ अवधपुरी अवतारा।।
तब तुम प्रगट जनकपुर माहीं। सेवा कियो हृदय पुलकाहीं।।
अपनाया तोहि अन्तर्यामी। विश्व विदित त्रिभुवन की स्वामी।।
तुम सम प्रबल शक्ति नहीं आनी। कहं लौ महिमा कहौं बखानी।।
मन क्रम वचन करै सेवकाई। मन इच्छित वांछित फल पाई।।
तजि छल कपट और चतुराई। पूजहिं विविध भांति मनलाई।।
और हाल मैं कहौं बुझाई। जो यह पाठ करै मन लाई।।
ताको कोई कष्ट नोई। मन इच्छित पावै फल सोई।।
त्राहि त्राहि जय दुःख निवारिणि। त्रिविध ताप भव बंधन हारिणी।।

जो चालीसा पढ़ै पढ़ावै। ध्यान लगाकर सुनै सुनावै।।
ताकौ कोई न रोग सतावै। पुत्र आदि धन सम्पत्ति पावै।।
पुत्रहीन अरु संपति हीना। अन्ध बधिर कोढ़ी अति दीना।।
विप्र बोलाय कै पाठ करावै। शंका दिल में कभी न लावै।।
पाठ करावै दिन चालीसा। ता पर कृपा करैं गौरीसा।।
सुख सम्पत्ति बहुत सी पावै। कमी नहीं काहू की आवै।।
बारह मास करै जो पूजा। तेहि सम धन्य और नहिं दूजा।।
प्रतिदिन पाठ करै मन माही। उन सम कोइ जग में कहुं नाहीं।।
बहुविधि क्या मैं करौं बड़ाई। लेय परीक्षा ध्यान लगाई।।
करि विश्वास करै व्रत नेमा। होय सिद्ध उपजै उर प्रेमा।।
जय जय जय लक्ष्मी भवानी। सब में व्यापित हो गुण खानी।।
तुम्हरो तेज प्रबल जग माहीं। तुम सम कोउ दयालु कहुं नाहिं।।
मोहि अनाथ की सुधि अब लीजै। संकट काटि भक्ति मोहि दीजै।।
भूल चूक करि क्षमा हमारी। दर्शन दजै दशा निहारी।।
बिन दर्शन व्याकुल अधिकारी। तुमहि अछत दुःख सहते भारी।।
नहिं मोहिं ज्ञान बुद्धि है तन में। सब जानत हो अपने मन में।।
रुप चतुर्भुज करके धारण। कष्ट मोर अब करहु निवारण।।
केहि प्रकार मैं करौं बड़ाई। ज्ञान बुद्धि मोहि नहिं अधिकाई।।

दोहा

त्राहि त्राहि दुख हारिणी, हरो वेगि सब त्रास।
जयति जयति जय लक्ष्मी, करो शत्रु को नाश।।
रामदास धरि ध्यान नित, विनय करत कर जोर।
मातु लक्ष्मी दास पर, करहु दया की कोर।।

लक्ष्मी जी की आरती

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता।
तुमको निशदिन सेवत हरि विष्णु विधाता।।
ॐ जय लक्ष्मी माता...
उमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जगमाता।
सूर्य, चंद्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता।।
ॐ जय लक्ष्मी माता...
दुर्गा रूप निरंजनी, सुख संपत्ति दाता।
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्धि धन पाता।।
ॐ जय लक्ष्मी माता...
तुम पाताल निवासनी, तुम ही शुभ दाता।
कर्म प्रभाव प्रकाशनी, भवनिधि की त्राता।।
ॐ जय लक्ष्मी माता...
जिस घर में तुम रहतीं,सब सद्गुण आता।
सब संभव हो जाता, मन नहीं घबराता।।
ॐ जय लक्ष्मी माता...
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्तु न कोई पाता।
खान पान का वैभव सब तुमसे आता।।
ॐ जय लक्ष्मी माता...
शुभ्र गुण मंदिर सुन्दर, क्षीरोदधि जाता।
रत्न चतुर्दश तुम बिन कोई नहीं पाता।।
ॐ जय लक्ष्मी माता...
महालक्ष्मी जी की आरती जो कोई नर गाता।
उर आनंद समाता, पाप उतर जाता।।
लक्ष्मी माता की जय, लक्ष्मी नारायण की जय।

रजनीकांत से लेकर अल्लू अर्जुन तक, दक्षिण सिनेमा के सितारों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को किया सैल्यूट

पहलगाम हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमला किया है। मंगलवार देर रात इस कार्रवाई को भारतीय सेना ने अंजाम दिया। इस स्ट्राइक को लेकर साउथ इंडस्ट्री के सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर भारतीय सेना की जमकर सराहना की। साउथ के सुपरस्टार चिरंजीवी कोनिडेला ने अपने एक्स अकाउंट पर 'ऑपरेशन सिंदूर' का पोस्टर शेयर किया और कैप्शन में 'जय हिंद' लिखा। इसके आगे उन्होंने तिरंगे का इमोजी भी शेयर किया।

पुष्पा एक्टर अल्लू अर्जुन ने भी अपने एक्स अकाउंट पर ऑपरेशन सिंदूर का पोस्टर शेयर किया और कैप्शन में लिखा- न्याय जरूर मिलना चाहिए, जय हिंद। उन्होंने भी इसके आगे तिरंगे का इमोजी शेयर किया।

मशहूर एक्टर जूनियर एनटीआर ने एक्स पोस्ट में लिखा, मैं हमारी भारतीय सेना की सुरक्षा और मजबूती के लिए प्रार्थना करता हूं। इसके आगे उन्होंने हैशटैग ऑपरेशन सिंदूर' लिखा।

सुपरस्टार रजनीकांत ने लिखा- योद्धा की लड़ाई अब शुरू होती है, मिशन पूरा होने तक कोई रुकना नहीं! पूरा देश आपके साथ है। उन्होंने अपने पोस्ट में पीएमओ और गृह मंत्रालय को टैग किया।

साउथ फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा- भारत माता की जय.. हम भारतीय सेना के साथ अटूट एकजुटता के साथ खड़े हैं। इस चुनौतीपूर्ण समय में हम भारत के हर नागरिक से एकजुट रहने की अपील करते हैं। हमारे सशस्त्र बलों का समर्थन करें, राष्ट्र के निर्णयों पर भरोसा करें और एकजुट होकर खड़े रहें। एक भारत, हम भारत हम भारत हैं और हम मिलकर अपनी मातृभूमि का निर्माण और सुरक्षा करते हैं। जब हमारा राष्ट्र हमें पुकारता है, तो हमें शक्ति, एकता और उद्देश्य के साथ आगे आना चाहिए। भारत माता की जय!

उल्लेखनीय है, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। इस हमले को लेकर आम लोगों के साथ ही फिल्म जगत की तमाम हस्तियों ने निंदा करते हुए इसे आतंकियों की कायराना हरकत बताया था। इस कायराना हमले के करीब 2 हफ्ते बाद ही भारतीय सेना ने 9 आतंकी ठिकानों पर हमला बोल उन्हें बर्बाद कर दिया। पाकिस्तान ने खुद माना है कि भारत ने एयर स्ट्राइक की है। देश के आम हो या खास लोग, सब इस सैन्य कार्रवाई पर गौरवान्वित हैं।

फिल्म द केरल स्टोरी को दो साल पूरे, अदा शर्मा ने कहा

लड़कियों की रोल मॉडल बनने पर खुश हूं

5 मई 2023 को बड़े पर्दे पर एक फिल्म रिलीज हुई, जिसका नाम है द केरल स्टोरी... इस फिल्म को लेकर खूब बवाल मचा। फिल्म की कहानी केरल की चार लड़कियों के धर्मांतरण पर आधारित है। फिल्म में लव जिहाद, हिजाब और आईएसआईएस जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिसके चलते इस फिल्म को काफी विरोध का सामना करना पड़ा। आज इस फिल्म को रिलीज हुए दो साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस अदा शर्मा ने बताया कि क्यों यह फिल्म आज भी दर्शकों के दिलों में बसी हुई है।

दर्शक और बॉक्स ऑफिस नाम, पैसे या पारिवारिक पहचान नहीं देखते। वे काम और मेहनत देखते हैं। मैं दर्शकों की आभारी हूं। मैं ऐसे बहुत से लोगों से मिलती हूं, जिन पर फिल्म ने गहरा असर डाला है और सबसे प्यारी बात, जिसकी मुझे बहुत खुशी है कि मैं देश की लड़कियों और महिलाओं के लिए एक प्रेरणा बन पाई हूं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी कुछ बीटीएस फोटोज शेयर की। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में अदा के शरीर पर चोटों और घावों के निशान साफ नजर आ रहे हैं, जो उनके किरदार का हिस्सा थे। इन फोटोज को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, इंसान का दिमाग 75 प्रतिशत पानी से बना होता है। पानी की कमी से आपका फोकस, मेमोरी और सोचने की शक्ति पर असर पड़ सकता है। फिल्म द केरल स्टोरी के लिए मुझे कुछ अच्छा पोस्ट करना है, लेकिन इतने सारे फोटोज और वीडियोज हैं कि समझ नहीं आ रहा क्या पोस्ट करूं। सबके साथ बहुत सारे इमोशन्स जुड़े हुए हैं। 5 मई को आपने इतिहास रच दिया। थैंक यू आप सभी को!

'द केरल स्टोरी' में अदा शर्मा ने एक हिंदू परिवार की लड़की शालिनी उन्नीकृष्णन का किरदार निभाया था, जो नर्स बनने का सपना लेकर घर से दूर एक कॉलेज में आती है। यहां उसकी मुलाकात आसिफा से होती है। जैसे-जैसे फिल्म की कहानी आगे बढ़ती है तो पता चलता है कि आसिफा आईएसआईएस के लिए लड़कियां भेजने का काम करती है।फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे आसिफा अपने साथियों की मदद से लड़कियों को अपना धर्म बदलने के लिए उकसाती है। यह फिल्म 5 मई, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और साल की नौवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई।

मैं कॉफी शॉप भी साड़ी पहनकर जाती हूं, ये मेरा पसंदीदा परिधान : लक्ष्मी मंचू

भारतीय अभिनेत्री, फिल्म निर्माता और साउथ के साथ ही अमेरिकी टेलीविजन में काम कर चुकीं लक्ष्मी मंचू ने बताया कि उन्हें साड़ी से खास लगाव है। यह उनका पसंदीदा परिधान है। साड़ी के प्रति अपने प्रेम का इजहार करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वह ऐसी महिला हैं, जो कॉफी शॉप में भी साड़ी पहनकर जाती है।

लक्ष्मी मांचू 'मेक इन इंडिया' के तहत एक इवेंट में शामिल हुईं, जिसमें कांचीपुरम, कोटा साड़ियों के अलावा देश के अन्य हिस्सों के कपड़े देखने को मिले। लक्ष्मी ने कहा, मुंबई में असली जरी नहीं मिलती है। मैंने मास्टर कारीगरों से मिलकर असली जरी खरीदी और उनसे अपनी खास साड़ी तैयार कराई। मैंने कलमकारी डिजाइन भी हाथ से बनाए, जिसके बारे में बुनकरों ने खुद कहा कि उन्होंने यह पहले कभी नहीं देखा था।

लक्ष्मी ने बताया कि साड़ियां सबसे सुंदर परिधानों में से एक हैं, जो भारतीय परंपराओं और संस्कृति के सार को दिखाती हैं। उन्होंने कहा, मैं ऐसी महिला हूं जो मुंबई में कॉफी शॉप में भी साड़ी पहनकर जाती है, क्योंकि मेरे लिए यह सबसे सुंदर और पसंदीदा परिधान है। मेरा मानना है कि हमें अपने पहनावे के माध्यम से अपनी परंपराओं और संस्कृति को दुनिया के सामने लाना चाहिए। साड़ी

दुनिया भर में पसंद की जाती है।

लक्ष्मी मंचू मशहूर अभिनेता मोहन बाबू की बेटी हैं। उन्होंने अमेरिकी टेलीविजन सीरीज 'लास वेगास' से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने जेम्स लेसुरे की प्रेमिका की भूमिका निभाई थी। इसके बाद अभिनेत्री 'लेट नाइट्स विद माई लवर' और 'मिस्ट्री ईआर', यक्षिणी जैसी सीरीज में भी काम कर चुकी हैं।

अभिनेत्री साल 2022 में आई फिल्म 'मॉन्स्टर' में नजर आईं। एक्शन-थ्रिलर का निर्देशन वैसाख ने किया है। फिल्म में लक्ष्मी मंचू के साथ मोहनलाल, हनी रोज, सिद्दीकी, सुदेव नायर, केबी गणेश कुमार, लीना, जॉनी एंटनी और जगपति बाबू मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा वह अपने पिता के साथ 'अग्नि नक्षत्रम' में भी काम कर चुकी हैं।

भारतीय सिनेमा में पुरुषों का दबदबा बहुत ज्यादा: सामंथा रुथ प्रभु

भारतीय सिनेमा की कई अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जो एक्टिंग के अलावा फिल्म निर्माता के तौर पर भी काम कर रही हैं। इस लिस्ट में सामंथा रुथ प्रभु का नाम भी शामिल है। वह अपने प्रोडक्शन हाउस त्रालाला मूविंग पिक्चर्स के बैनर तले बन रही फिल्म 'शुभम' को लेकर काफी चर्चा में हैं। आईएएनएस से बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि भारतीय सिनेमा में महिलाओं की आवाज और कहानियों को मंच देने की जरूरत है। जब आईएएनएस ने सामंथा से पूछा कि क्या वे एक प्रोड्यूसर के रूप में ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं जो महिलाओं के दृष्टिकोण को गहराई से समझें, तो उन्होंने जवाब दिया, एक महिला होने के नाते मेरी पहचान मेरे काम के हर पहलू में दिखेगी, खासकर फिल्मों को चुनते या बनाते समय। यह मेरे लिए गर्व की बात है। मैं ऐसी कहानियों की ओर आकर्षित होती हूं जो महिलाओं को सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि एक गहराई से भरा इंसान दिखाएं।

सामंथा ने कहा, मुझे लगता है हमारी फिल्म इंडस्ट्री को महिलाओं के नजरिए की ज्यादा जरूरत है। फिल्मों में महिलाओं की सोच, अनुभव और दृष्टिकोण को ज्यादा जगह मिलनी चाहिए। अभी भी इंडस्ट्री में पुरुषों का दबदबा बहुत ज्यादा है। मैं यह बात नकारात्मक रूप में नहीं कह रही हूं, बल्कि बस एक सच्चाई को सामने रख रही हूं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ज्यादा महिला फिल्म निर्माताओं और कहानीकारों को आगे आने की जरूरत है।एक्ट्रेस ने कहा, यह याद रखना जरूरी है कि महिलाएं दुनिया की आधी आबादी हैं, इसलिए हमें और महिला प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और रचनात्मक लोग चाहिए, जो अपनी आवाज और अनुभव सामने ला सकें।

सामंथा ने कहा कि वह ऐसे प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहती हैं जो आधुनिक महिलाओं से जुड़ी हों, जो आज की महिलाओं के संघर्ष, स्वतंत्रता और जज्बातों को सच्चाई और गहराई से दिखाएं। सामंथा की फिल्म शुभम एक हॉरर कॉमेडी मूवी है, जो एक छोटे से गांव की कहानी दिखाती है। मेकर्स फिल्म का ट्रेलर जारी कर चुके हैं। ट्रेलर की शुरुआत तीन पतियों से होती है, जो पत्नियों को काबू करने की बात करते हैं। इसके बाद नए नवेले शादीशुदा जोड़े का सीन दिखाया जाता है, जहां दूल्हा पहले तो शांत और सौम्य लगता है, लेकिन अचानक दुल्हन पर अकड़ दिखाने लगता है। दुल्हन चुपचाप उसकी बातें सुनती है। कहानी में ट्विस्ट आता है, जब दुल्हन एक टीवी सीरियल में पूरी तरह से डूब जाती है। इस सीरियल के पीछे पूरे गांव की औरतों में अजीब सी ताकत आती है। रात के 9 बजते ही अगर कोई उन्हें सीरियल देखने से मना करता या सीरियल के बारे में कुछ गलत कहता, तो उन्हें उनका डरावना अंदाज देखने को मिलता। इससे गांव के सभी पुरुषों में डर का माहौल है।ट्रेलर में सामंथा को भूत भगाने वाली तांत्रिक के रूप में दिखाया गया है।शुभम में हर्षित रेड्डी, गविरेड्डी श्रीनिवास, चारण पेरी, श्रिया कोंथम, श्रवणी लक्ष्मी, शालिनी कोंडेपुडी, वाम्शीधर गौड़ समेत कई कलाकार अहम किरदार में हैं।

आपदा प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा के लिए उठाएं आवश्यक कदम : भजनलाल

जयपुर, 07 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारत द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक के मद्देनजर प्रदेशभर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पूरी सतर्कता से सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के साथ-साथ पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों को केन्द्रीय गृह मंत्रालय और केन्द्रीय एजेन्सियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए निर्देशित किया।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान पाकिस्तान का सीमावर्ती राज्य है, इसलिए उच्चतम मानकों की अनुपालना करते हुए प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था दुरूस्त होनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत राष्ट्र विरोधी शक्तियां प्रदेश में साम्प्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास कर सकती हैं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सोशल मीडिया पर प्रभावी निगरानी के साथ अफवाह फैलाने वालों के विरूद्ध त्वरित कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने समस्त जिलों की आन्तरिक सुरक्षा योजना और आपदा प्रबंधन की समीक्षा करते हुए कहा कि चिकित्सालयों में पर्याप्त दवा, ऑक्सीजन और एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, चिकित्सकों सहित आवश्यक मानव संसाधन एवं उपकरण भी उपलब्ध रहें। शर्मा ने पानी, बिजली एवं आवश्यक बुनियादी संसाधनों की उपलब्धता और इससे संबंधित सेवाओं को सुचारू रखने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने बुधवार को हो रही मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट की भी विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुलिस कार्मिकों की छुट्टियां निरस्त करने और उन्हें मुख्यालय पर उपस्थित रहने के लिए पाबंद के संबंध में भी निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि एडीजी रेंज प्रभारी और प्रभारी सचिव उनके प्रभार क्षेत्र के जिलों के अधिकारियों से निरन्तर सम्पर्क में रहते हुए उक्त सभी निर्देशों की पालना सुनिश्चित कराएं। मुख्यमंत्री शर्मा ने भारतीय सेना को पाकिस्तान स्थित आंतकी ठिकानों पर प्रभावी एवं सटीक एयर स्ट्राइक करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि कायराना पहलगाम हमले का करारा जवाब देते हुए भारतीय एयर फोर्स ने अदम्य साहस के साथ ऑपरेशन सिदूंर को अंजाम दिया और 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत आंतकियों और उनके आकाओं को अंजाम तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू सहित सम्बन्धित पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई-बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आप अचानक गुलाबों की ख़श्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे।कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आपका कोई खास ही आज आपके साथ विश्वासघात कर सकता है। जिसकी वजह से आप दिनभर परेशान रह सकते हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। दफ़्तर में आपको पता लग सकता है कि जिसे आप अपना दुश्मन समझते थे, वह दरअस्ल आपका शुभचिंतक है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करें। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े लोगों को दें। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद-विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। अपने जज़्बात दूसरों के साथ साझा करने से फ़ायदा मिलेगा। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक-मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। प्यार-मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके भाई-बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। अगर आप हर किसी की मांग पूरी करने की कोशिश करेंगे, तो सिर्फ़ ना-कामी आपके हाथ लगेगी। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आज जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। बढ़िया खाना, रोमानी पल और जीवनसाथी का साथ यही ख़ास है आज।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 मई 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी दोपहर 12:32 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 09:07 तक
योग : हर्षण रात्रि 01:55 तक
करण : विष्टि रात्रि 12:32 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:38 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:36 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39 , सूर्यास्त 06:28 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मोहिनी एकादशी व्रत , भद्रा दोपहर 12:32 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भक्त पूरणमल निशान यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

नालपुर (राजस्थान), 07 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थान में खेतड़ी तहसील के ग्राम नालपुर बिशा में स्थित भक्त पूरणमल बाबा चरंगीनाथ के पांच दिवस के मेले में आज नवयुवक मंडल की ओर से भव्य निशान यात्रा का आयोजन किया गया। निशान यात्रा में सैकड़ो महिलाओं के सर पर सुसज्जित कलश एवं सैकड़ो नवयुवक बाबा के निशान लेकर रंग गुलाल उड़ाते हुए एवं बाबा के जयकारे लगाते हुए बाबा के धाम पहुंचे निशान यात्रा के दौरान यात्रा का अनेक जगह पर निशान यात्रियों की जलपान करवा कर स्वागत किया गया।

इसके अलावा हरियाणा के कलाली, मंडोली खुर्द चिड़ावा बिसाऊ रोजडिया का बास, से भी लोगों के ग्रुप हाथ में निशान लेकर पदयात्रा करते हुए हजारों लोग बाबा के धाम पहुंचे इधर भक्तों के सानिध्य में जो श्रद्धालु बाबा की जात्रि के रूप में बैठे थे उन लोगों ने भक्तों के सानिध्य में बाबा के सर में मिट्टी छटाई का पुण्य लिया। मेला प्रबंध कमेटी के संयोजक रामनारायण चौधरी ने बताया की आज गुरुवार की रात्रि को धाम में भव्य भजन संध्या का आयोजन होगा। जिसमें हरियाणा के आकाशवाणी गायक कलाकार नरदेव बेनीवाल एंड पार्टी बाबा के इतिहास से भजन करेंगे तथा 9 मई को गोदान के पश्चात भक्त पुरनमल बाबा चौरंगीनाथ धाम के पट खोले जाएंगे तथा गोदान होगा। जिसमें हजारों की संख्या में धाम में बैठे जात्री नव विवाहित गठजोड़े की जात एवं नवजात शिशुओं की माताएं जड़ूले जात देगी ।मेला प्रबंध कमेटी के संयोजक के अनुसार बार जागरण में करीब 50000 लोग शामिल होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

जयपुर में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ 'ऑपरेशन अभ्यास' मॉक ड्रिल

एयर स्ट्राइक की आपात स्थिति का किया गया प्रभावी रेस्पॉन्स

जयपुर, 07 मई (एजेंसियां)।

गृह मंत्रालय भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिले में बुधवार को ऑपरेशन अभ्यास (मॉक ड्रिल) का सफल आयोजन हुआ। जयपुर कलेक्ट्रेट के नियंत्रण कक्ष में एमआई रोड स्थित बीएसएनएल कार्यालय परिसर में एयर स्ट्राइक की सूचना मिली। सायं 4 बजे सायरन की आवाज से प्रशासन, पुलिस सहित एजेंसियों और संबंधित विभागों के अधिकारी हरकत में आए। महज 5 मिनट में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी मौके पर पहुंच गए।

संभागीय आयुक्त पूनम एवं पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ भी बीएसए-नएल कार्यालय पहुंचे। पुलिस ने पूरी बिल्डिंग को खाली करवाया। फायर ब्रिगेड के जवानों ने मोर्चा संभालते हुए बिल्डिंग में लगी आग पर काबू पाया। नागरिक सुरक्षा के जवानों ने बिल्डिंग में फंसे लोगों को अपने हुनर और प्रतिभा के दम पर सकुशल रेस्क्यू किया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए घायलों को एंबुलेंस के जरिये एसएमएस अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, ईआरटी, एसडीआरएफ एवं एटीएस के जवानों ने पूरे परिसर की तलाशी लेकर संदिग्ध वस्तुओं की जांच की।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में जिला प्रशासन, पुलिस, नागरिक सुरक्षा, नगर निगम, एसडीआरएफ, ईआरटी, एसटीएस, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य एजेंसियों एवं विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बेहतरीन आपसी सहयोग एवं समन्वय का प्रदर्शन करते हुए त्वरित रेस्पॉन्स एवं रेस्क्यू करते हुए ऑपरेशन अभ्यास (मॉक ड्रिल) के सफल आयोजन में अपनी भूमिका निभाई।वहीं, जिले सभी उपखंडों में भी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें प्रशासन, पुलिस सहित समस्त एजेंसियों एवं विभागों ने किसी भी आपात स्थिति के लिए अपनी तैयारियों को परखा। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर सक्षम जयपुर अभियान के तहत जिले के सभी राजकीय विद्यालयों में नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

कार से 107 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 07 मई (एजेंसियां)।

चित्तौड़गढ़ जिले की थाना शम्भूपुरा पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के तहत कार्रवाई करते हुए एक स्विफ्ट डिजायर कार से कुल 1 क्विंटल 7 किलो 870 ग्राम अवैध अफीम डोडाचूरा जब्त कर तस्करी करते हुए दो तस्करों जगदीश बिश्नोई पुत्र सुरजन राम (25) निवासी चिरढाणी थाना पीपाड़ शहर जोधपुर ग्रामीण एवं उदयलाल उर्फ कन्हैया लाल जाट पुत्र नारायण लाल (27) निवासी उदपुरा थाना बिजयपुर जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया हैं।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम व धरपकड़ के लिए एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन एवं सीओ भदेसर अनिल शर्मा के सुपरविजन में थानाधिकारी शंभूपुरा रामलाल मय टीम हैड कांस्टेबल प्रमोद कुमार, कांस्टेबल रामकिशन, योगेन्द्र कुमार, नरेश कुमार, मुकेश कुमार व देवकिशन द्वारा घटियावली खेडा से केलझर जाने आने वाले रोड पर नाकाबन्दी की जा रही थी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पंजाब-हरियाणा में तगड़ी सख्ती, सब अलर्ट पर!

चंडीगढ़, 07 मई (एजेंसियां)।

पहलगाम में जो आतंकी हमला हुआ था, उसके बाद भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों को सबक सिखाया है। खबर है कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत हवाई हमला किया गया है, जिससे सीमा के आसपास एकदम हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। कल रात लगभग 1 बजे भारत ने आतंकवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम के इस ऑपरेशन में पाकिस्तान के नौ ठिकानों पर हवाई हमले किए गए। खबर है कि इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। ये हमला पहलगाम में हुए आतंकी हमले का करारा जवाब है। हरियाणा में तो एकदम हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। अंबाला में तो सुरक्षा इतनी कड़ी कर दी गई है कि ड्रोन तक उड़ाने पर रोक लगा दी गई है। रेलवे सुरक्षा बल की टीम अंबाला कैंट पर लगातार नजर रख रही है।इतना ही नहीं, कांग्रेस पार्टी ने जो संविधान बचाओ रैली करने वाली थी, उसके सारे प्रोग्राम भी फिलहाल रोक दिए गए हैं। पंजाब सरकार ने भी तुरंत एक्शन लिया है। अमृतसर, गुरदासपुर, पठानकोट, फाजिल्का और फिरोजपुर जैसे जो इलाके पाकिस्तान की सीमा से लगते हैं, वहां के सारे स्कूल अगले आदेश तक बंद कर दिए गए हैं। सरकार नहीं चाहती कि बच्चों को किसी भी तरह का खतरा हो। फिलहाल, जो करतारपुर कॉरिडोर है, वो भी बंद कर दिया गया है।ये कॉरिडोर पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब को भारत के पंजाब में स्थित डेरा बाबा नानक से जोड़ता है।

पहलगाम हमले का भारत ने दिया मुंहतोड़ जवाब : बडौली

चंडीगढ़, 07 मई (एजेंसियां)।

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पूरे देश में आक्रोश था। यह हमला न सिर्फ इंसानों पर, बल्कि भारत की संस्कृति, परंपरा और सम्मान पर सीधा हमला था। अब भारत ने इस हमले का करारा जवाब दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने आतंकवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उनके 9 ठिकानों को पूरी तरह से तबाह कर दिया है।इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की भावनाओं की जीत है।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना की बहादुरी को सलाम: कृष्ण लाल

चंडीगढ़, 07 मई (एजेंसियां)।

भारतीय सेना की ओर से देर रात पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक के बाद पूरा देश सेना की बहादुरी को सलाम कर रहा है। हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पवार ने इस सैन्य कार्रवाई की जमकर सराहना की और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मजबूत नेतृत्व का परिणाम बताया। कृष्ण लाल पवार ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पूरा देश आक्रोशित था। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, जिसमें ज्यादातर पर्यटक थे।

प्रधानमंत्री ने जो कहा था वो कर के दिखाया : विज

चंडीगढ़, 07 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की सरज़मीं पर भारत द्वारा की गई आधी रात की सर्जिकल स्ट्राइक, जिसे 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया है, पर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि पीएम ने पहले दिन ही स्पष्ट कर दिया था कि एक-एक का बदला लिया जाएगा, और आज वो करके दिखाया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले विनय नरवाल के पिता

यह स्ट्राइक आतंकियों के जेहन में गूंजती रहेगी

करनाल, 07 मई (एजेंसियां)।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई की है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इस एयर स्ट्राइक को 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम दिया गया है। देर रात हुए हमले के बाद भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसकी जानकारी साझा की। वहीं पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले भारतीय नौसेना के अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिजनों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर खुशी जाहिर की है। मीडिया से बात करते हुए विनय नरवाल के पिता राजेश नरवाल ने कहा कि जब

ये आतंकी घटना हुई, तब मीडिया ने मुझसे पूछा था कि आप सरकार से क्या चाहते हैं? मेरा एक सटीक जवाब था कि मुझे भारत सरकार पर भरोसा है और वो अपना काम कर रही है, मेरा जवाब यही था। भारत सरकार ने आज वो काम करके दिखाया। जिन्होंने पहलगाम आतंकी में अपने प्रियजनों को खोया है, वो वापस नहीं आ सकते है परंतु मैंने कहा था कि ऐसा कुछ हो कि इस तरह की कायराना हरकत करने की दोबारा करने की कोशिश न करें। इसके लिए भारत सरकार ने जो यह कदम बिल्कुल उठाया है, उनके 9 ठिकानों पर कड़ा प्रहार किया है। यह स्ट्राइक आतंकियों के जेहन में गूंजती रहेगी और वे दोबारा पहलगाम जैसी कायराना हरकत करने से पहले 100 बार सोचेंगे। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए विनय नरवाल की मां आशा ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा, ये बहुत ही अच्छी बात है कि जो पीएम मोदी ने बदला लिया है और मैं उनके साथ हूं, जनता और हमारा पूरा परिवार उनके साथ है। मैं सेना के जवानों को संदेश देना चाहती हूं कि वो आगे बढ़ते रहें और ऐसे ही बदला लेते रहें कि ऐसी घटना दोबारा न घटे और उनके ऐसे ही मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए।

पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक के बाद गया में अलर्ट

बोधगया समेत कई स्थानों पर बढ़ाई गई सुरक्षा

गया (एजेंसियां)। भारतीय सेना के जवानों ने मंगलवार देर रात ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के नौ ठिकानों पर एयर स्ट्राइक करने के बाद बिहार पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। बिहार पुलिस ने गया जिले के धार्मिक स्थल समेत कई स्थानों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

गया शहर में आधी रात के बाद गया पुलिस की सक्रियता बढ़ा दी गई है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, खुफिया एजेंसियों के अलर्ट करने के बाद गया के धार्मिक स्थल बोधगया के महाबोधि मंदिर, विष्णुपद मंदिर, मंगलागौरी मंदिर, गया जंक्शन और एयरपोर्ट समेत सभी संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस जवानों को तैनात किया गया है।

मालूम हो कि पहलगाम में अप्रैल माह में पर्यटकों पर आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। उसके बाद से ही भारतीय सेना आतंकियों के ठिकानों पर हमला के लिए तैयार थे। छह मई मंगलवार की रात्रि भारतीय सेना के जांबाज जवानों ने अधिकृत कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के अंदर घुसकर नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। उसके बाद बिहार के कई संवेदनशील स्थलों को सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

वहीं, गया जंक्शन पर आरपीएफ और जीआरपी के जवानों ने गया रेलवे स्टेशन के विभिन्न प्लेटफफॉर्मों और रेलवे ट्रैक पर सर्च अभियान चलाया और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। हालांकि, आतंकियों के ठिकानों पर भारतीय सेना के द्वारा कार्रवाई के बाद बीजेपी नेताओं में खुशी की लहर है। चौक-चौराहों पर लोगों के बीच मिठाइयां बांटी जा रही है।

मिट्टी का तेल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास

समस्तीपुर (एजेंसियां)। समस्तीपुर जिले में घटहो थाना क्षेत्र के रहने वाले श्याम मुरारी झा बुधवार को आत्मदाह करने के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचे। वह अपने शरीर पर मिट्टी तेल छिड़ककर आग लगाने का प्रयास कर ही रहे थे कि तैनात पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। श्याम मुरारी झा को गिरफ्तार का नगर पुलिस अपने साथ ले गई।

इस दौरान पीड़ित श्याम मुरारी ने बतलाया कि कुछ दिन पहले घटहो थाना क्षेत्र के एक यूट्यूबर रमन राही ने उनके साथ मारपीट की थी। यहां तक कि उनकी मां के साथ भी मारपीट की घटना हुई थी। इस घटना को लेकर उन्होंने थाने में आवेदन दिया। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। वरीय पुलिस पदाधिकारी के यहां भी आवेदन दिया गया। कार्रवाई नहीं होने से नाराज होकर वह आत्महत्या करने की बात बोले। कही गई बात के अनुरूप वह अकेले ही कलेक्ट्रेट में मुंह बंदकर पहुंचे थे। कलेक्ट्रेट गेट पर वह जैसे ही प्रवेश किए, पुलिस ने उन्हें पहचान लिया। हालांकि, इस दौरान वह अपने शरीर पर मिट्टी तेल भी छिड़क लिए थे। लेकिन तब तक पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

श्याम मुरारी झा के दरवाजे पर एक मंदिर है। उस मंदिर में रमन राही द्वारा नशे की हालत में पाठ करने का आरोप लगाया गया था। इसके बदले उनके साथ मारपीट की गई। पारिवारिक सदस्यों के साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया। हालांकि, इस दौरान यूट्यूबर रमन राही द्वारा भी उन पर चाकू से वार किए जाने का आरोप लगाया गया था। लेकिन श्याम मुरारी झा का कहना है कि वह आरोप गलत है और रमन इन्हें फंसाने के लिए खुद पर चाकू चलाया था।

एसपी अशोक मिश्रा का बताना है कि इस मामले में आवेदन के आधार पर दोनों पक्षों पर कार्रवाई की गई है। पूरे मामले को देखा जा रहा है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र में बड़ी लूट, 15 लाख नकद और पांच करोड़ का गहना ले भागे लुटेरे

समस्तीपुर (एजेंसियां)। समस्तीपुर शहर के काशीपुर मोहल्ला स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र की शाखा में बदमाशों ने बुधवार दिन के करीब 11:30 बजे धावा बोलकर करीब 15 लाख रुपये नकद के अलावा पांच करोड़ रुपये मूल का गहना लूटकर ले गए। बदमाशों की संख्या आठ बताई गई है, जो हथियार से लैस थे। घटना की सूचना मिलते ही एसपी अशोक मिश्रा के अलावा एसपी संजय पांडे सुमित नगर और मुफस्सिल थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है।

घटना के संबंध में बैंक के डिप्टी मैनेजर शशि भूषण कुमार ने बतलाया कि दिन के करीब 11:30 बजे पहले दो-तीन की संख्या में बदमाश खाता खुलवाने के नाम पर अंदर प्रवेश किए। खाता खोलने के लिए क्या-क्या डॉक्यूमेंट की जरूरत है, इस पर बात कर रहे थे।

इसी दौरान 6-7 और बदमाश अंदर प्रवेश कर गए। सभी लोगों को गन पॉइंट पर ले लिया और बैंक के काउंटर में रखा 15 लाख 2000 नकद के अलावा करीब पांच करोड़ रुपये का गहना लूट कर ले गए। इस दौरान बदमाशों ने सभी बैंक कर्मी का मोबाइल भी ले लिया।

घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश आराम से फरार हो गए। चूंकि मार्केट में यह बैंक स्थित है। उसके नीचे कई दुकानें भी हैं। लेकिन लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी। पुलिस के आने के बाद लोगों को यह जानकारी मिल सकी की ऊपर बैंक में लूट हुई है।

बैंक के नीचे साइबर कैफे चलने वाले कृष्ण कुमार ने बताया कि घटना की भनक भी उन्हें नहीं लगी। जब पुलिस मौके पर पहुंची है, तभी लोगों को जानकारी मिली कि ऊपर बैंक में लूट हुई है। स्थानीय लोगों ने बतलाया कि लूट के बावजूद भी बैंक में खतरे का सायरन नहीं बजा, जिस कारण आसपास के लोगों को घटना की भनक तक नहीं मिली।

जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय नहीं पहुंचेगा, तब तक लोकतंत्र अधूरा रहेगा: पूर्व मंत्री

गोपालगंज (एजेंसियां)। सामाजिक न्याय सिर्फ एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि हमारे संविधान की चेतना और आत्मा है। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय नहीं पहुंचेगा, तब तक लोकतंत्र अधूरा रहेगा। उक्त बातें पूर्व मंत्री व विधायक जितेंद्र कुमार राय ने गोपालगंज विधानसभा में आयोजित सामाजिक न्याय परिचर्चा को संबोधित करते हुए कही।

राय ने कहा कि सामाजिक न्याय और समाजवाद राजद की नींव है। लालू प्रसाद यादव ने अपने शासन काल में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को संवैधानिक और राजनीतिक हिस्सेदारी दिलाई, जिसके तहत विधानसभा और लोकसभा में दलितों, पिछड़ों और वंचितों को उचित भागीदारी दी गई। उन्होंने कहा कि आज संविधान खतरे में है, केंद्र सरकार आरक्षण को समाप्त कर वंचितों के अधिकार को छीनना चाहती है, जिसे राजद किसी भी सूरत में होने नहीं देगा।

परिचर्चा को संबोधित करते हुए राजद के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि आज जब आपसी विषमता, जातीय भेदभाव और शैक्षणिक अवसरों की असमानता गहराती जा रही है। ऐसे में सामाजिक न्याय का विचार केवल प्रासंगिक नहीं बल्कि अनिवार्य बन जाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, रोजगार, प्रतिनिधित्व और संसाधनों के न्यायपूर्ण वितरण के बिना सामाजिक न्याय की अवधारणा अधूरी है। उन्होंने राजद कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय के विरोधियों के खिलाफ असली लड़ाई गांव, मोहल्ले और गली-चौराहों तक लड़नी होगी।

राजद के प्रधान महासचिव इम्तेयाज़ अली भुट्टो ने विषय वस्तु पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। गोपालगंज विधानसभा से राजद के पूर्व प्रत्याशी रहे मोहन प्रसाद गुप्ता ने अतिथियों को अंगवस्त्र देकर उन्हें सम्मानित किया। परिचर्चा कार्यक्रम की अध्यक्षता थावे के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत यादव तथा संचालन जिला उपाध्यक्ष पिंटू पांडेय ने की। पार्टी पदाधिकारियों को राजद के राष्ट्रीय सचिव संजय ठाकुर, शिक्षक प्रकोष्ठ वके प्रदेश अध्यक्ष कुंवर राय, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश प्रधान महासचिव सुनीता भारती, युवा राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष सूरज दास तथा छात्र राजद के अमरेंद्र कुमार ने प्रशिक्षित किया।

इस अवसर पर सुरेश चौधरी, बिट्टू चौरसिया, सुमन यादव, सुनीता यादव, मोहित गुप्ता, प्रदीप देव, मो सोनू, रबिन्द्र महतो, मो असलम, रवि गुप्ता, प्रदीप चौहान, विशाल सिंह भूमिहार, रहमत अली, मो सहजाद, बजरंग प्रसाद गुप्ता तथा राकेश यादव आदि उपस्थित रहे।

चाकू से गोदकर युवक की हत्या, इलाके में तनाव की स्थिति

भारी संख्या में पुलिस बल तैनात

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले में भोरे थाना क्षेत्र के सिसई पैठान टोला में मंगलवार देर शाम एक युवक की चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी गई। हत्या की खबर आग की तरह इलाके में फैल गई। मृतक की पहचान भोरे थाना क्षेत्र के सिसई पैठान टोला निवासी कमाल खान के 23 वर्षीय पुत्र कैफ खान के रूप में हुई है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बन गया है।

बताया जाता है कि ग्रामीण बैंक सिसई के पास किसी बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ और देखते ही देखते कैफ पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया गया। उसके शरीर पर तीन जगह चाकू के गहरे घाव पाये गये हैं, जबकि एक चाकू सीने में गड़ा हुआ था, जिसे उसी अवस्था में अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार में ही घायल युवक को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को हिरासत में लिया है, जिनकी पहचान थाना क्षेत्र के हरिराम यादव, आशीष यादव और बबलू यादव के रूप में हुई है।

चौंकाने वाली बात यह है कि ये तीनों युवक भी घायल अवस्था में मिले हैं और उनका इलाज फिलहाल भोरे के रेफरल अस्पताल में चल रहा है। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है, ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता चल सके।

हत्या के बाद आक्रोशित ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गयी, जिससे हालात तनावपूर्ण हो गये। भीड़ और पुलिस के बीच झड़प भी हुई, जिसके बाद स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए भोरे थाना सहित आसपास के थानों की भारी संख्या में पुलिस को बुलाया गया। खुद एसडीपीओ आनंद मोहन गुप्ता मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में किया।

इस संबंध में एसडीपीओ आनंद मोहन गुप्ता ने कहा, घटना बेहद दुखद है। तीन संदिग्ध हिरासत में हैं, जिनका इलाज भी जारी है। मामले की गहन जांच हो रही है। इलाके में किसी भी अप्रिय घटना से निबटने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने रामवृक्ष बेनीपुरी की आदम कद प्रतिमा का किया अनावरण

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। देश के नामी कवि और लेखक रामवृक्ष बेनीपुरी की आदम कद प्रतिमा का उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने अनावरण किया। औराई प्रखंड क्षेत्र के बेनीपुर में लगाई गई आदम कद प्रतिमा जिसका अनावरण किया गया। वहीं, इस अवसर पर आयोजित कार्यकम के दौरान में सीतामढ़ी के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर, पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा, औराई विधायक रामसूरत राय, सैदपुर विधायक पंकज मिश्रा सहित बीजेपी के कई नेताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान रामवृक्ष बेनीपुरी के सम्मान में तमाम वक्ताओं ने अपनी बात कही और इस विशेष अवसर पर यह बड़ी सौगात दी।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा, महापुरुषों के आदम कद प्रतिमा का अनावरण कर रहे और आज हम लोग यहां पर उनकी प्रतिमा का अनावरण कर अनुग्रहित हुए। रामवृक्ष बेनीपुरी की प्रतिमा का अनावरण का मुझे सौभाग्य मिला है, यह बेहद सुखद संयोग है।हमारी यह सुशासन की सरकार में महापुरुषों को सम्मान दिया जाता है। उन्होंने कहा, रामवृक्ष बेनीपुरी मुजफ्फरपुर ही नहीं, बिहार और देश के लिए एक क्रांति के जनक रहे। उन पर हम सभी को फक्र है।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से आजादी के समय में उन्होंने महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन के समय साथ-साथ मिलकर देश के लोगों में क्रांति का बीज बोया था, आज अब वह प्रस्फुटित हो रहा है। रामवृक्ष बेनीपुरी के कार्यों पर खुद राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर भी कहते हैं कि वह एक ज्वाला थे। जो अपने कलम से राजनीति और सामाजिक क्रांति को ला देते थे और यही कारण है कि आज वह बिहार में ज्ञान और विज्ञान का केंद्र बना दिए हैं। हम सब उनको आज याद करते हुए उनकी आदम कद प्रतिमा का अनावरण कर रहे हैं।

मंत्री प्रेम कुमार का बयान

भागने के लिए कम पड़ जाएगी जमीन, भारतीय सेना पर रहा है गर्व

पटना (एजेंसियां)। जिला स्तरीय समीक्षात्मक बैठक को लेकर कैमूर पहुंचे बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री सह कैमूर जिला प्रभारी मंत्री भभुआ के जिला समाहरणालय के मुंडेश्वरी सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का जायजा लिया और कई दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बिहार सरकार नीतीश कुमार द्वारा कैमूर को दिया गया 12 कार्यों की धरातल पर उतारने के लिए योजनाओं की स्वीकृति मिल गई है, जिसमें अधौरा-चैनपुर सहित जिले के कई गांवों में कार्य कराया जाएगा। इसके साथ ही मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने पहलगांव आतंकी हमला के जवाब में भारत सरकार के द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि भारत की बहन-बेटियों का सिंदूर उजाड़ने वाले पाक फौज पोषित दुर्दांत आतंकी को ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा भारतीय सेना ने ठिकाना लगाया है। इसके लिए विश्व की सबसे मजबूत और बहादुर सेना में से एक भारतीय सेना को बिहार वासियों की ओर से जय हिंद जय जवान जय भारत, भारतीय सेना आपकी सदा विजय हो। उन्होंने कहा कि हमारे भारतीय सेना पर सदा गर्व रहा है और दुश्मन हमारी सेना का शौर्य पराक्रम अदम्य साहस दिलेरी और बहादुरी का नमूना वर्ष 1948, 1965, 1971 और 1999 में देख चुकी है।हमने सर्जिकल स्ट्राइक कर कई बार अपनी क्षमता का परिचय भी दिया है, जिस तरह आज बीते रात में भारतीय सेना द्वारा की गई ऑपरेशन सिंदूर देश के इतिहास में सदा याद किया जाता रहेगा। हमारी सेना ने लाहौर के करीब पहुंचकर ऑपरेशन को अंजाम दिया है।

इसमें हमारी सेना ने सैकड़ों आतंकी को ऑपरेशन सिंदूर के तहत मार गिराया है, जो यह पाकिस्तानी सेना को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाक में किए गए नौ जगहों पर हमले सदा सपने में याद आते रहेंगे।हम पाकिस्तान और आतंकवादियों को कहना चाहते हैं कि हमें जख्म देने वाले इसे याद रखें, हमें छेड़ोगे तो हम छोड़ेंगे नहीं, छठी का दूध और नानी की याद दिला देंगे। इसलिए सुधर जाओ पाकिस्तानियों और आतंकवादियों वरना भारत चाह गया तो तुम्हें भागने के लिए जमीन कम पड़ जाएगी, भारत माता की जय।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com